Page 11

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

खेल

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि...

देश

एनसीपी एमएलए सना मलिक की सफाई, मेरे यूसीसी बयान को गलत समझा गया, पाकिस्तान...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, अनुराधा, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • शनिवार • 27 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 205 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,29,800	₹ 2,40,000

आज का इतिहास

1967 : पहले भारतीय निर्मित AVRO विमान यात्री विमान HS748 ने इंडियन एयरलाइंस को सौंप दिया। हॉकर सिडली एचएस 748 एक मध्यम आकार का टर्बोप्रॉप एयरलाइनर है जिसे मूल रूप से ब्रिटिश फर्म एवरो द्वारा डिजाइन किया गया है।

1998 : मलेशिया में कुआलालम्पुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा खोला गया।

न्यूज बाइट्स

सीबीएसई : 7वीं से 9वीं तक के विद्यार्थियों को बीच में भाषा बदलने की नहीं होगी जरूरत

नईदिल्ली (ए.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई की थ्री लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बीच सत्र में भाषा बदलने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। नई व्यवस्था केवल उन विद्यार्थियों पर लागू होगी, जो कक्षा 6 में नया प्रवेश लेंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीबीएसई जल्द ही इस संबंध में संशोधित आदेश जारी करेगा, ताकि छात्रों और अभिभावकों के बीच बनी असमंजस की स्थिति समाप्त हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में जो छात्र दो विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे हैं, वे कक्षा 10वीं तक अपनी पढ़ाई पूर्ववत जारी रख सकेंगे। धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप थ्री लैंग्वेज पॉलिसी को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। इसलिए इसका प्रभाव केवल उन छात्रों पर पड़ेगा, जो अब कक्षा 6 में प्रवेश ले रहे हैं।

बिहार में उच्च शिक्षा व्यवस्था में होंगे बड़े सुधार, राज्यपाल-सीएम की बैठक में कई अहम फैसले

समर्थ पोर्टल से जुड़ेंगे सभी विश्वविद्यालय केंद्रीयकृत शिक्षक की होगी नियुक्ति

- डिग्री की लेटलतीफी होगी बंद
- 43 पीजी पाठ्यक्रमों को जुलाई के पहले सप्ताह तक मिलेगी मंजूरी

निज संवाददाता | पटना

बिहार में उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शुक्रवार को बिहार लोक भवन में राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक सुधार, डिजिटल व्यवस्था, शिक्षक नियुक्ति, शोध कार्य और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन सहित कई अहम मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर भी उपस्थित रहे।

बैठक में राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में पारदर्शिता, दक्षता और डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि 31 दिसंबर 2026 तक सभी विश्वविद्यालय 'समर्थ पोर्टल' के सभी 26 मॉड्यूल पूरी तरह लागू करें। इससे लेखा, वित्त, कर्मचारी सेवाओं और शैक्षणिक कार्यों का संचालन एकीकृत डिजिटल प्रणाली के माध्यम से होगा। सरकार का मानना है कि इससे प्रशासनिक खर्च में कमी आएगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनेगी। बैठक में नवसृजित 211 राजकीय डिग्री कॉलेजों के लिए संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों की केंद्रीयकृत भर्ती प्रक्रिया अपनाने के निर्णय पर सहमति दोहराई गई। इसके तहत बेहतर वेतनमान और पारदर्शी चयन प्रक्रिया लागू की जाएगी, ताकि योग्य शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित हो सके।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में हर वर्ष कम से कम एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) आयोजित करना अनिवार्य होगा। साथ ही पटना और मुजफ्फरपुर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों को और सुदृढ़ बनाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप स्नातकोत्तर स्तर के 43 विषयों के नए पाठ्यक्रम को जुलाई के प्रथम सप्ताह तक मंजूरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। उच्च शिक्षा में शोध को बढ़ावा देने के लिए कुलाधिपति पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप, मुख्यमंत्री शोध अनुदान योजना और मुख्यमंत्री शोध छात्रवृत्ति योजना के प्रस्तावों पर भी सहमति बनी। इसके अलावा सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क तथा राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी जैसी डिजिटल सुविधाओं के विस्तार की भी समीक्षा की गई।

30 सितंबर तक लंबित डिग्रियां वितरित करने का लक्ष्य

बैठक में विश्वविद्यालयों में लंबित डिग्रियों के वितरण की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि 30 सितंबर 2026 तक मिशन मोड में सभी लंबित डिग्रियों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण और पदोन्नति के लिए समय-सीमा तय करने, शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत बनाने, बजट प्रबंधन प्रणाली में सुधार, कुलपति रैंकिंग शुरू करने तथा शोधार्थियों के लिए समर्पित डिजिटल पुस्तकालय विकसित करने जैसे प्रस्तावों पर भी विचार किया गया।

नया विश्वविद्यालय अधिनियम लाने की तैयारी

बैठक में विश्वविद्यालयों के नियामकीय ढांचे को अधिक सरल और समयानुकूल बनाने पर भी चर्चा हुई। इसके लिए देश के 15 राज्यों के विश्वविद्यालय अधिनियमों का अध्ययन कर बिहार के लिए नया विश्वविद्यालय अधिनियम तैयार करने पर सहमति बनी, जिससे राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम प्रणालियों के अनुरूप विकसित किया जा सके। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्यपाल द्वारा उच्च शिक्षा में किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन फैसलों से बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : आठों आरोपित न्यायिक हिरासत में जेल भेजे गए

सोमवार को फिर होगी कोर्ट में पेशी, पुलिस करेगी रिमांड की मांग

एजेंसी | अयोध्या(यूपी)

राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपितों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। अब सोमवार को दोबारा कोर्ट में पेशी होगी, जहां पुलिस आरोपितों की रिमांड मांगने का प्रयास करेगी। जानकारी के अनुसार, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर और एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर गुरुवार को अयोध्या कोतवाली में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आठों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

फैजाबाद स्थित स्पेशल रिमांड मजिस्ट्रेट निवेदिता सिंह की अदालत में सभी आरोपितों की पेशी हुई। मोहर्रम अवकाश के कारण पुलिस तत्काल रिमांड नहीं ले सकी। अब सोमवार को दोबारा अदालत में पेशी के दौरान पुलिस हिरासत (पुलिस रिमांड) की मांग करेगी। इस मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर दर्ज एफआईआर में मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र, अविनाश शुक्ल तथा सेवानिवृत्त बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव को नामजद किया गया है। मामले की विवेचना पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष त्रिपाठी कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच की जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि गणनाकर्मियों की नियुक्ति किसकी सिफारिश पर हुई, बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की क्या भूमिका रही तथा चढ़ावे की गणना प्रक्रिया में किसी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई या नहीं। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

79.85 लाख रुपए की बरामदगी

पुलिस ने अब तक कुल 79.85 लाख रुपये बरामद किए हैं। प्रॉसिक्यूशन ऑफिसर केसी वर्मा ने बताया कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है और 29 जून (सोमवार) तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सोमवार को उन्हें भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

चंपत राय का पहले ड्राइवर था टिन्नू यादव

प्राथमिकी में नामजद रामशंकर यादव उर्फ़ टिन्नू यादव के बारे में बताया गया है कि वह ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का पहले वाहन चालक रहा है। विवाद शुरू होने के बाद, टिन्नू ने पैसे गिनने में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया और इन आरोपों के लिए अज्ञात 'ईर्ष्यालु लोगों' को जिम्मेदार ठहराया। मंदिर में दान के तौर पर मिले नकद रुपयों और कीमती सामान को गिनने में लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा समेत अन्य आरोपी भी शामिल रहे हैं।

ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के लिए जमीन खरीद की नई प्रक्रिया लागू

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप परियोजना के तहत आने वाली जमीनों की खरीद प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर दी है। नई व्यवस्था के लागू होने से जमीन मालिकों को अपनी भूमि बेचने में सहूलियत मिलेगी तथा पूरी प्रक्रिया तय समय सीमा के भीतर पूरी की जाएगी। नगर विकास एवं आवास विभाग के संकल्प के बाद बिहार राज्य आवास बोर्ड ने ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप क्षेत्र में भू-स्वामियों से जमीन खरीदने की विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित की है। इसके तहत जमीन बेचने के इच्छुक भू-स्वामी को बिक्री दस्तावेज (सेल डीड प्रपोजल) तथा अन्य आवश्यक कागजात के साथ अपना प्रस्ताव बिहार राज्य आवास बोर्ड के प्रबंध निदेशक को जमा करना होगा। एसओपी के अनुसार प्रस्ताव प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर आवास बोर्ड उसकी प्रारंभिक जांच करेगा। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद अगले सात दिनों के भीतर भुगतान की प्रक्रिया पूरी करते हुए जमीन की रजिस्ट्री कराई जाएगी। सरकार का उद्देश्य पूरी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है, ताकि जमीन मालिकों को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े। नई व्यवस्था के तहत ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के लिए खरीदी जाने वाली जमीन पर स्टांप शुल्क और निबंधन शुल्क से भी छूट दी जाएगी, जिससे भू-स्वामियों को अतिरिक्त आर्थिक राहत मिलेगी।

एसओपी के अनुसार यदि किसी जमीन का अनुमानित मूल्य 100 करोड़ रुपये तक है, तो उसका प्रस्ताव संबंधित जिलाधिकारी के पास भेजा जाएगा। वहीं, 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य वाले प्रस्तावों का परीक्षण और अनुमोदन संबंधित प्रमंडलीय आयुक्त के स्तर पर किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस नई व्यवस्था से ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी आएगी और योजनाओं के क्रियान्वयन में भी गति मिलेगी।

- संभावित बाढ़/सुखाड़ की स्थिति के मद्देनजर पशु स्वास्थ एवं उत्पादन संस्थान बिहार, पटना के पीछे में अवस्थित पशुपालन निदेशालय में आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है।
- यह नियंत्रण कक्ष सोमवार से शानिवार तक 8.00 बजे पूर्वाह्न से 07.00 बजे अपराह्न तक दो पालियों में कार्यरत रहेगा।
- नियंत्रण कक्ष में पशु चिकित्सा पदाधिकारियों के अलावा सहायक कर्मियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।
- बाढ़/सुखाड़ से पशुपालन संबंधी किसी प्रकार की शिकायत/सुझाव नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष संख्या 0612–2230942 एवं ई–मेल ahdapdabih@gmail.com पर दी जा सकती है।
- डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, चारा विकास पदाधिकारी, बिहार नोडल पदाधिकारी (आपदा प्रबंधन) पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना आपदा नियंत्रण कक्ष के प्रभारी पदाधिकारी के रूप में नामित है।
- सभी जिला पशुपालन पदाधिकारियों को भी जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का आदेश दिया गया है।
- राज्यवासियों/पशुपालकों से अनुरोध है कि बाढ़/सुखाड़ की स्थिति में संबंधित जिला पशुपालन पदाधिकारी के साथ–साथ आपदा नियंत्रण कक्ष पर भी सम्पर्क स्थापित करें।

PR No.- 006605 (Animal)D. 2026-27

पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार

@BiharDFARD

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE: DAT (Acupressure Therapy), DY (Yoga), DAYS (Acupressure Yoga), DHMS (Herbal Medicine) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th; DEMS (Electrohomeopathy Medicine), DNYS (Naturopathy Yoga) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE: MBBA (Acupressure & Magnet), BTMS (Traditional Medicine), BAYS (Acupressure Yoga), BAcu. (Acupuncture) — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2; BEMS (Electrohomeopathy Medicine), MBAS (Medicine in ALT Science) — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE: MD (Acu Yoga), MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजुएट; MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE: BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE: MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त, अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश, सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

चार प्रमुख मेलों के लिए 8.24 करोड़ रुपये जारी

- श्रावणी मेला को 2.75 करोड़, राजगीर मलमास मेला के लिए 4.85 करोड़ का आवंटन

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्य के चार प्रमुख मेलों के सफल आयोजन के लिए 8 करोड़ 24 लाख रुपये की राशि जारी की है। इस राशि में सर्वाधिक 4 करोड़ 85 लाख रुपये राजगीर मलमास मेला तथा 2 करोड़ 75 लाख रुपये श्रावणी मेला के आयोजन और व्यवस्थाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार दरभंगा के वीर लोरिक मेला तथा रामनवमी मेला के आयोजन के लिए भी अलग से राशि उपलब्ध कराई गई है, ताकि श्रद्धालुओं और आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अनुसार बिहार में प्रतिवर्ष लगभग चार दर्जन मेलों का आयोजन होता है। इनमें से एक दर्जन से अधिक मेलों को राजकीय मेले का दर्जा प्राप्त है। कुछ मेलों का आयोजन पर्यटन विभाग के माध्यम से कराया जाता है, जबकि अधिकांश मेलों की व्यवस्थाएं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से की जाती हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार महत्वपूर्ण धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक मेलों के सफल आयोजन के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अहले सुबह एक भीषण सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की घटनास्थल पर ही हुई मौत

राजपुर/ रोहतास। राजपुर-नासरीगंज मुख्य पथ पर शुक्रवार की अहले सुबह एक भीषण सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । हादसा राजपुर थाना क्षेत्र के बालचंद टोला महावीर मंदिर के समीप सुबह करीब 6:30 बजे हुआ,जहां तेज रफ्तार से आ रहे बालू एवं मिट्टी लदे दो ट्रैक्टरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई । सूत्रों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रैक्टर का चालक गंभीर रूप से घायल होकर अपने ही वाहन के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई । मृतक की पहचान नासरीगंज थाना क्षेत्र के पडूरी गांव निवासी रितेश कुमार के रूप में हुई है । घटना की सूचना मिलते ही राजपुर थानाध्यक्ष अंशु माला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी । पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर मृतक के परिजनों की उपस्थिति में शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया ।थानाध्यक्ष अंशु माला ने बताया कि दुर्घटना में शामिल दोनों ट्रैक्टरों को पुलिस अभिरक्षा में रख लिया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी । शुक्रवार की सुबह हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है ।

कटिहार जिले में शांतिपूर्ण वातावरण में मोहर्रम का त्योहार संपन्न

कटिहार। कटिहार जिले में शांतिपूर्ण वातावरण में मोहर्रम का त्योहार संपन्न हो गया।मोहर्रम के त्यौहार को लेकर जिला प्रशासन चौक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था। डीएम आशुतोष द्विवेदी, एसपी परिचय कुमार विभिन्न अखाड़े का नियमित रूप से जायजा लेकर विधि व्यवस्था की मोर्चा का कमान स्वयं संभाले हुए थे। कटिहार नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत अरगड़ा चौक पर सांसद तारिक अनवर द्वारा मोहर्रम के अवसर पर कटिहार के सभी अखाड़ों के ख़लीफ़ाओं को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान एवं हौसला-अफ़ज़ाई की गई। इस अवसर पर सांसद तारिक अनवर, जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार,नगर निगम की महापौर उषा देवी अग्रवाल, उपमहापौर मंज़ूर ख़ान सहित मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मोहर्रम अमन, भाईचारे, इंसाफ़ और इंसानियत का संदेश देता है। इस अवसर पर सभी के सहयोग एवं सौहार्दपूर्ण सहभागिता की सराहना की गई। मोहर्रम के त्यौहार को लेकर कटिहार जिला प्रशासन सजग और सचेष्ट पिछले एक सप्ताह से देखे गये।त्योहार को लेकर सभी थाने स्तर पर शांति समिति का बैठक का आयोजन किया गया। सभी अखाड़े एवं प्रमुख चौक चौराहे पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस फोर्स की तैनाती की व्यवस्था की। मोहर्रम कमेटी के साथ नियमित रूप से कई बार बैठक किया गया। सबसे खास बात यह है कि जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार अधिकांश अखाड़े पर पहुंचे और विधि व्यवस्था का नियमित रूप से जायजा ले रहे थे। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार सड़कों पर घूम रहे थे और लोगों को समझा बुझा रहे थे। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि कटिहार जिला में शांतिपूर्ण वातावरण में मोहर्रम संपन्न हो गया है। इसके लिए कटिहार जिला के तमाम लोगों को बधाई के पात्र हैं।

अनियमितता के आरोप मे प्रभारी प्रधानाध्यापक निलंबित

कुरसेला (कटिहार): समेली प्रखंड के मध्य विद्यालय राजेन्द्र पार्क डुमरिया की प्रभारी प्रधानाध्यापिका रेणु कुमारी को विद्यालय संचालन में गंभीर अनियमितता, छात्रों की घटती उपस्थिति तथा मध्याह्न भोजन (एमडीएम) योजना में कथित वित्तीय गड़बड़ी के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी (स्थापना) कार्यालय की ओर से विभागीय जांच प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, समेली द्वारा किए गए विभिन्न निरीक्षणों और जांच प्रतिवेदनों में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पाया गया कि विद्यालय में निर्धारित समय से पहले ही छात्रों को छुट्टी दे दी जाती थी, जिससे विभागीय निर्देशों की अवहेलना हो रही थी। वहीं एक निरीक्षण के दौरान विद्यालय में छात्रों की संख्या शून्य पाई गई, जिसे विद्यालय संचालन में घोर लापरवाही माना गया। विभागीय आदेश में यह भी कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यू-डायस प्लस पोर्टल के छात्र मॉड्यूल (एसडीएमएस) में आवश्यक प्रविष्टियां पूरी करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन संबंधित कार्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। मध्याह्न भोजन योजना में भी अनियमितता का मामला सामने आया है। 17 जनवरी 2026 को हुए निरीक्षण में विद्यालय के कुल 529 नामांकित छात्रों के विरुद्ध एमडीएम में 354 छात्रों की उपस्थिति दर्ज दिखाई गई थी। जबकि भौतिक सत्यापन के दौरान कक्षा एक से आठ तक केवल 26 छात्र ही उपस्थित मिले। विभाग ने इसे सरकारी राशि के संभावित दुरुपयोग से जोड़कर गंभीरता से लिया है। विभाग को सौंपे गए स्पष्टीकरण की समीक्षा के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापिका का जवाब भी असंतोषजनक और तथ्यों से परे पाया गया। इसके बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी की सहमति से बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत रेणु कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखंड संसाधन केंद्र, कुरसेला निर्धारित किया गया है। इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता देय होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आरोप-पत्र अलग से निर्गत किया जाएगा।

अकीदत, भाईचारे और प्रशासनिक मुस्तैदी के बीच संपन्न हुआ मुहर्रम

कर्बला के मैदानों में उमड़ा जनसैलाब और पारंपरिक खेलों के साथ गूंजे या हुसैन के नारे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली और आसपास के क्षेत्रों में मुहर्रम का त्योहार बेहद अकीदत, अदब और शांतिपूर्ण माहौल के साथ धूमधाम से संपन्न हो गया है, जहां इस विशेष अवसर पर विभिन्न पंचायतों और मोहल्लों से 'या हुसैन' की सदाओं के साथ भव्य और बेहद आकर्षक ताजिया जुलूस निकाले गए। रजौली मुख्यालय क्षेत्र के प्रमुख मोहल्लों जैसे तकिया, पचंबा, हरदिया, चितरकोली, अमावां, मोबिनपुर, महसई महल्ला मंझला, दुरगांव, पार रजौली, सिमरकोल, छतनी और भुसड़ी आदि से निकले ताजिया जुलूसों का पारंपरिक मिलान कर्बला नगर में बेहद शांतिपूर्ण ढंग से कराया गया, जिसमें जनप्रतिनिधि के रूप में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मो. इरफान आलम के साथ-साथ मो. शाहनवाज उर्फ मातो, अरबाज खान, जावेद अंसारी, मेराज खान उर्फ गोल्डन, अजमत अंसारी, जमील अख़्तर और रहीम अंसारी सहित कई गणमान्य लोग धरातल पर मुस्तैद रहकर आपसी सौहार्द की एक बेमिसाल मिसाल पेश करते नजर आए। इसी कड़ी में रजौली प्रखंड के मुरहेना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली चार प्रमुख पंचायतों में मुरहेना पंचायत, अंधरवारी पंचायत, फरकाबुजुर्ग और अकबरपुर प्रखण्ड के बक्संडा पंचायत से अकीदतमंदों का एक विशाल हुजूम अपने-अपने पारंपरिक ताजिए और अखाड़ों के साथ रवाना हुआ, जिनका भव्य महामिलान मुरहेना के ऐतिहासिक 'उस्मान मैदानी कर्बला' में हुआ। इस ऐतिहासिक मिलान के दौरान कर्बला का मैदान

जुलूस में शामिल लोग

हजारों की भारी भीड़ से पूरी तरह सराबोर हो गया, जहां चारों ओर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आयोजन समिति और प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखे। इस पूरे महाआयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने और मुकम्मल व्यवस्था को संभालने में मुख्य संयोजक मनौवर खान ने बेहद अग्रणी भूमिका निभाई, जिनके साथ प्रबंधन समिति के मोहम्मद शहाबुद्दीन चमोथा, मुरहेना के उप-सरपंच शाहनवाज खान, यासिन मोदी और सरपंच मोईन खान सहित कई स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने अपनी पूरी मुस्तैदी के साथ व्यवस्था की कमान संभाली और क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने में अपना अहम योगदान दिया। सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से प्रशासनिक अमला भी जमीन पर बेहद सक्रिय नजर आया, जिसमें कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए अंचलाधिकारी गुफरान मजहरी, थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार और प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव झा खुद पूरे समय कार्यक्रम स्थल और संवेदनशील रूटों पर लगातार गश्त करते रहे, जबकि सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों की निगरानी के लिए विशेष रूप से तैनात दंडाधिकारी अशोक कुमार जिज्ञासु भी अपनी पूरी टीम के साथ मुस्तैद दिखे। इसके साथ ही अनुमंडल स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन एवं एसडीपीओ गुलशन कुमार के द्वारा लगातार क्षेत्र का सघन भ्रमण कर पल-पल की मॉनिटरिंग की जाती रही। इस पूरे मुहर्रम जुलूस के दौरान अकीदतमंदों का उत्साह देखते ही बनता था, जहां लोग लाठी-डंडे जैसे अपने पारंपरिक हैरतअंगेज खेलों का जमकर प्रदर्शन करते नजर आए, वहीं दूसरी ओर लाउडस्पीकरों पर पूरी शिद्दत के साथ "या हुसैन, हम न भूले हैं न भूलेंगे", "कर्बला के शहीदों का गम रहेगा जब तक दम रहेगा" और "इस्लाम जिंदा होता है हर करबला के बाद" जैसे गगनभेदी नारे गूंजते रहे, जिससे पूरा माहौल पूरी तरह से गमगीन और अकीदत के रंग में डूब गया। अंततः प्रशासन और आम जनता के इसी बेहतरीन समन्वय और आपसी तालमेल के कारण मुहर्रम का यह विशाल पर्व बिना किसी अप्रिय घटना के, पूरी शिद्दत, अनुशासन और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान गोवर्द्धन पूजन कराया गया, आचार्य श्याम दास महाराज ने सुनाया भक्तिमय संदेश,भजन पर झूम उठे श्रद्धालु

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड क्षेत्र के सोखोदेवरा में आयोजित सप्तदिवसीय श्री श्री 108 श्री सूर्य नारायण महायज्ञ के छठे दिन शुक्रवार को धार्मिक अनुष्ठानों की भव्यता देखते ही बनी। इस दौरान भगवान सूर्य की प्रतिमा का विधि-विधान पूर्वक विभिन्न अधिवास कराया गया तथा नगर भ्रमण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। वहीं गुरुवार रात्रि में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।कार्यक्रम में पधारे वृंदावन (चित्रकूट धाम) से आए कथावाचक आचार्य श्याम दास महाराज के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान पूर्वक गोवर्द्धन पूजन किया। इस अवसर पर आचार्य श्याम दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्द्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया।उन्होंने कहा कि गो सेवा, प्रकृति संरक्षण और ईश्वर के प्रति समर्पण ही सच्ची भक्ति का मार्ग है।भजन-कीर्तन शुरू होते ही श्रद्धालु भक्ति भाव में झूम उठे। पूरा यज्ञ परिसर जयकारों और भक्तिमय गीतों से गूंज उठा।

महिलाओं, पुरुषों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी आस्था प्रकट की। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक अनुष्ठानों और सत्संग का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार और सद्भावना का संदेश फैलाना है। वहीं देर रात आयोजित रासलीला का भी श्रद्धालुओं ने आनंद उठाया,जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

नशा मुक्त भारत सप्ताह का समापन, विजेता छात्राओं एवं स्वयंसेवकों को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार रहे—

निबंध प्रतियोगिता
- प्रथम पुरस्कार – रिया कुमारी (कक्षा 12वीं)
- द्वितीय पुरस्कार – कुमारी संस्कृति (कक्षा 10वीं 'बी')
- तृतीय पुरस्कार – आकृति कुमारी (कक्षा 10वीं 'सी')

चित्रकला प्रतियोगिता
- प्रथम पुरस्कार – कृति कुमारी (कक्षा 12वीं)
- द्वितीय पुरस्कार – प्रिया भारती (कक्षा 10वीं 'सी')
- तृतीय पुरस्कार – नेहा कुमारी (कक्षा 9वीं 'एफ')

वक्तृत्व प्रतियोगिता
- रिया कुमारी (कक्षा 12वीं)

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 17 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित "नशा मुक्त भारत सप्ताह" का आज सफलतापूर्वक समापन किया गया। जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश के निर्देशानुसार आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में नशा मुक्त भारत सप्ताह के अंतिम दिन प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय, नवादा में आयोजित निबंध, चित्रकला एवं वक्तृत्व प्रतियोगिता के विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही अभियान के सफल संचालन एवं जनजागरूकता में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्वयंसेवकों को भी प्रशस्ति पत्र देकर उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की गई।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने छात्राओं एवं स्वयंसेवकों को नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की जागरूकता एवं सहभागिता से ही नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। सभी प्रतिभागियों से अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

उल्लेखनीय है कि नशा मुक्त भारत सप्ताह के दौरान जिले में विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण, रैली, निबंध, चित्रकला एवं वक्तृत्व प्रतियोगिताओं सहित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

मुहर्रम पर्व को लेकर मेसकौर प्रखंड के बिजु बिगहा में डीएम-एसपी ने किया फ्लैग मार्च

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था संधारण, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक, नवादा श्री अभिनव धीमान के संयुक्त नेतृत्व में मेसकौर प्रखंड अंतर्गत बिजु बिगहा में फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च बिजु बिगहा के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इसका उद्देश्य आमजनों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण स्थापित करना, शांति एवं सौहार्द का संदेश देना तथा असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों को कानून-व्यवस्था के प्रति प्रशासन की पूर्ण तत्परता का स्पष्ट संदेश देना था।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि मुहर्रम पर्व आपसी भाईचारे, अनुशासन एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने सभी नागरिकों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिले में सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है तथा लगातार गश्ती एवं निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा विधि-व्यवस्था से संबंधित सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन या पुलिस को दें। शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में प्रखंड विकास पदाधिकारी, मेसकौर, अंचलाधिकारी, मेसकौर एवं थाना अध्यक्ष, मेसकौर सहित अन्य पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

रजौली में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट, चाकू-खंती से हमला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ **घायल को सिर में लगे चार टांके, थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग**

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग गांव में जमीनी विवाद ने फिर हिंसक रूप ले लिया। दरवाजे पर खड़े युवक पर गांव के ही तीन लोगों ने धारदार चाकू व लोहे की खंती से हमला कर दिया। घायल को सिर में चार टांके लगे हैं। पीड़ित ने रजौली थाना में आवेदन देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। फरका बुजुर्ग निवासी जमुना प्रसाद के पुत्र सुनील यादव ने थाना को दिए आवेदन में बताया कि वह अपने दरवाजे पर खड़ा था। इसी दौरान गांव के भुनेश्वर यादव के पुत्र मनोज यादव, बबलू यादव एवं सुरेश यादव वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने जमीनी विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए धारदार चाकू एवं लोहे की खंती से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट में सुनील यादव के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। हो-हंगामा होने पर तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। परिजनों ने घायल को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने इलाज किया। घायल के कान के समीप चार टांके लगाए गए हैं। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी है। ग्रामीणों के अनुसार फरका बुजुर्ग में जमीन को लेकर दोनों पक्षों में लंबे समय से तनातनी चल रही है। पहले भी मारपीट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि पीड़ित का आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सकला रजवाहा नहर में पर्याप्त पानी नहीं, धान की खेती पर संकट; सैकड़ों गांवों के किसान परेशान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट / रोहतास। खरीफ खेती के सबसे महत्वपूर्ण दौर में काराकाट प्रखंड क्षेत्र की सकला रजवाहा नहर में पर्याप्त पानी नहीं छोड़े जाने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बरडीहा से सकला तक गुजरने वाली इस नहर से जुड़े सैकड़ों गांवों के हजारों एकड़ कृषि क्षेत्र की सिंचाई होती है। लेकिन इस समय नहर में पानी का प्रवाह काफी कम होने के कारण धान की नर्सरी (बीज) सूखने के कगार पर पहुंच गई है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं छोड़ा गया तो खरीफ की खेती पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। रोहतास जिले को धान का कटोरा कहा जाता है, लेकिन सिंचाई विभाग की उदासीनता से किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि खरीफ सीजन में धान की खेती पूरी तरह सिंचाई पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में नहर में पर्याप्त पानी नहीं रहने से खेतों तक सिंचाई नहीं हो पा रही है।सामाजिक कार्यकर्ता चिल्हा निवासी बी के सिंह उर्फ पिंटू सिंह ,

किसान अशोक तिवारी, जगदीश तिवारी, गोरख तिवारी, सुरेंद्र शर्मा, रमाशंकर शर्मा, रामप्रवेश पंडित, अनंत तिवारी, मिंटू तिवारी, सुशील तिवारी, वकील मियां, महमजान मियां, मुस्तकीम अंसारी, रामकिशोर ठाकुर समेत अन्य किसानों ने बताया कि धान के बीज की कीमत पहले की तुलना में काफी बढ़ गई है। वर्तमान में किसानों को 100 से 150 प्रति किलोग्राम तक बीज खरीदना पड़ रहा है। यदि समय पर पानी नहीं मिला तो तैयार नर्सरी सूख जाएगी और किसानों को दोबारा बीज खरीदकर खेतों की जुताई करनी पड़ेगी। किसानों ने कहा कि उन्हें मेहनत करने से परहेज नहीं है, लेकिन खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। डीजल की कीमत बढ़ने से ट्रैक्टर से जुताई और सिंचाई का खर्च भी काफी बढ़ गया है। पहले ही बीज महंगे हो चुके हैं, ऊपर से डीजल और अन्य कृषि कार्यों का खर्च किसानों की कमर तोड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि इस वर्ष मानसून भी अभी तक पूरी तरह मेहरबान नहीं हुआ है। पर्याप्त बारिश नहीं होने से किसान पहले से ही परेशान हैं। ऐसे में सिंचाई विभाग द्वारा नहर में आवश्यकता के अनुरूप पानी नहीं छोड़ा जाना उनकी मुश्किलें और बढ़ा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार को जितना क्यूसेक पानी नहर में छोड़ना चाहिए, उतना पानी नहीं छोड़ा जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र के किसान बेबस हो गए हैं। किसानों ने जिला प्रशासन एवं सिंचाई विभाग से अविलंब सकला रजवाहा नहर में पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़ने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हजारों एकड़ में लगी धान की फसल प्रभावित होगी और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। इस संबंध में सिंचाई विभाग नासरीगंज के कनाल एसडीओ से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन फोन कॉल का जवाब नहीं दे सके।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की चपेट में आया युवक, गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा था, इयरफोन लगाकर रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय हुआ हादसा

नालंदा। नालंदा में रेल ट्रैक पार कर रहा युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी पहचान उत्तर प्रदेश के संत रविदास जिला निवासी सुरश कुमार के बेटे उद्देश(19) के तौर पर हुई है। घटना राजगीर-बख्तियारपुर रेलखंड स्थित पावापुरी रेलवे हॉल्ट के पास की है। प्राथमिक जांच और मोबाइल कॉल से मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक अपनी प्रेमिका से मिलने नवादा जा रहा था। अस्पताल प्रबंधन ने उसके परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। खबर मिलते ही परिजन रोते-बिलखते बिहार शरीफ के लिए रवाना हो गए हैं। फिलहाल इलाज चल रहा है। स्थिति गंभीर बनी हुई है। स्टेशन प्रबंधक श्यामू चौधरी ने बताया कि उद्देश अजीमाबाद एक्सप्रेस से शुक्रवार सुबह पावापुरी हॉल्ट के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर उतरा था। कान में इयरफोन लगा रखा था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-1 से राजगीर-दानापुर पैसेंजर ट्रेन गुजर रही थी। लोको पायलट हॉर्न बजाकर सचेत करने का प्रयास किया, लेकिन तेज आवाज में गाना सुनने के कारण उसे हॉर्न सुनाई नहीं दिया। सीधे ट्रेन की चपेट में आ गया। आनन-फानन में डायल 112 और 102 को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए बिहार शरीफ स्थित मॉडल अस्पताल में लाया गया। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोटें आई हैं।

कटिहार में दिशा की बैठक में डीएम से प्राणपुर के प्रमुख ने बिजली विभाग का मुद्दा उठाया

कटिहार। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय के सभागार में दिशा की बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता डीएम आशुतोष द्विवेदी ने किया। बैठक में सांसद तारिक अनवर,सदर विधायक तार किशोर प्रसाद, जिला परिषद के जिला अध्यक्ष रश्मि सिंह सहित सभी विधायक,सभी प्रखंड के प्रमुख सहित कई विभाग के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक में प्राणपुर प्रमुख प्रखंड के प्रमुख अमित साह ने डीएम एक लिखित पत्र दिया। पत्र में के माध्यम से प्राणपुर प्रखंड अंतर्गत ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक ओवरलोड कम क्षमता वाले 50 एम.एम. केवल उपयोग एवं विद्युत विभाग की लापरवाही के संबंध में विस्तार से बताया। प्रमुख ने पत्र में जिक्र किया है कि प्राणपुर प्रखंड में विद्युत विभाग की गंभीर तकनीकी लापरवाही एवं चरमरा चुकी विद्युत व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट किया।मानक के विपरित कम क्षमता का केबल आंतरिक तकनीक तकनीकी मापदंडों के अनुसार जहां मुख्य नेटवर्क को सुचारू रूप से चलने के लिए 120 एम.एम. का केबल की निशांत आवश्यकता है। वहां के विभाग के द्वारा केवल 50 एम.एम. का केबल लगाया गया है। हिट डिसिपेशन की गंभीर समस्या है। तकनीकी एवं प्रशासनिक समझ रखते हैं और इससे भली भांति समझते हैं कि कितने पतले केबल पर पूरी नेटवर्क का लोड देने में हिट डिसिपेशन संभव नहीं है।केबल अत्यधिक गर्म होकर कभी भी पिघल सकती है। जिससे शॉर्ट सर्किट या बड़ी आग लगने का खतरा हर संभव बना रहता है। स्थानीय ट्रांसफार्मर पर क्षमता से अधिक लोड है।जिससे वोल्टेज की भारी समस्या रहती है और बार-बार ट्रिपिंग होती है। स्थानीय अधिकारियों की उदासीनता एवं एवं लापरवाही के कारण स्थानीय लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

प्राणपुर प्रखंड के प्रमुख अमित साह के द्वारा डीएम को दिए गए पत्र में जिक्र किया गया है कि जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों के क्षेत्र की विद्युत स्थिति इतनी दैनिय और असुरक्षित है, तो इस क्षेत्र की आम जनता का क्या हाल होगा। यह अत्यंत विचारणीय विषय है। इस तकनीकी इस भी संगति का संज्ञान लेते हुए 50 एम.एम के अनुपयुक्त केवल को हटाकर मानक के अनुरूप 120 एम.एम. का केबल अभिलंब लगाने लगाया जाए। ट्रांसफार्मर पर सही तरीके से लोड बैलेंसिंग सुनिश्चित करने हेतु संबंधित कार्यपालक अभियंता को करें निर्देश दिए जाएं की ताकि भविष्य किसी भी बड़ी दुर्घटनाओं को जा सके और जनहित में इस कार्रवाई के लिए संपूर्ण प्रखंड वासी आपका सदा आभारी बना रहेगा। डीएम को पत्र सौंप कर जांच कराने की मांग किया है।प्रखंड के प्रमुख अमित साह ने पत्र में जिक्र किया है कि प्राणपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में लगभग 13.01 करोड़ की लागत से निर्माण अधीन ब्लॉक भवन के निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमिता सामने आई है।भवन फाउंडेशन फीलिंग कार्य की तकनीकी जानकारी एवं अभिलेख सार्वजनिक रूप से कार्य स्थल पर उपलब्ध नहीं है। फाउंडेशन की स्थिति स्पष्ट किए बिना निर्माण कार्य कुर्सी लेवल से ऊपर किया जा चुका है। निर्माण स्थल पर विभागीय कन्या अभियंता एवं सहायक अभियंता की नियमित उपस्थिति नहीं रहती है।निर्माण में प्रयुक्त सीमेंट,बालू, गिट्टी, का गुणवत्ता सब दिन प्रतीत होता है। कोई टेस्ट रिपोर्ट संवेदक के कर्मियों के द्वारा नहीं उपलब्ध कराया जाता है। प्रखंड प्रमुख अमित साह ने डीएम से अनुरोध की करते हुए कहा है कि निर्माण कार्य की तकनीकी एवं गुणवत्ता जांच हेतु विशेष टीम गठित कर फाउंडेशन से लेकर वर्तमान कार्य तक की जांच कराई जाए ताकि निर्माण सामग्री का लैब टेस्ट कराया जाए। कार्य स्थल पर विभागीय अभियंताओं की नियमित उपस्थिति हो स्वीकृत डिजाइन का प्रदर्शन सुनिश्चित करने की मांग किया है।

डीएम ने कटिहार विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का किया निरीक्षण

कटिहार। किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं बिहार किशोर न्याय नियमावली, 2017 के तहत गठित जिला निरीक्षण समिति द्वारा जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का औचक एवं सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य संस्थान में आवासित बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही बुनियादी सुविधाओं,सुरक्षा,स्वास्थ्य एवं विधिक प्रक्रियाओं की स्थिति का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण में वर्तमान में संस्थान में कुल 06 बच्चे आवासित पाया हैं। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने बच्चों के स्वास्थ्य,पोषण, खेल-कूद तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास से संबंधित व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की। समिति के सदस्यों ने बच्चों के शयनकक्ष, रसोईघर, शौचालय एवं पूरे परिसर की साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया तथा स्वच्छता मानकों को हमेशा उच्च बनाए रखने का निर्देश दिया। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने संस्थान में संधारित विभिन्न महत्वपूर्ण अभिलेखों की भी गहन जांच की। इनमें बच्चों की मेडिकल फाइल, उपस्थिति पंजी तथा केंद्रीय प्रवेश रजिस्टर प्रमुख रूप से शामिल रहे। उन्होंने दत्तक ग्रहण से जुड़ी सभी विधिक प्रक्रियाओं को नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि बच्चों को जल्द सुरक्षित पारिवारिक वातावरण मिल सके।

निरीक्षण के दौरान डीएम आशुतोष द्विवेदी ने बच्चों से आत्मीय बातचीत भी की। उन्होंने बच्चों से गिनती पूछी तथा अल्फाबेट लिखवाए। बच्चे जिलाधिकारी से मिलकर काफी उत्साहित एवं खुश नजर आए। बच्चों ने उनके साथ हंसी-मजाक और शरारत भी की। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने बच्चों के मनोरंजन एवं खेल-कूद की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और उस पर संतोष व्यक्त किया। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने ये निर्देश दिया सभी 06 बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए तथा मेडिकल कार्ड अद्यतन रखे जाएं। गर्मी के मौसम को देखते हुए बच्चों के कमरों में उचित वेंटिलेशन, शुद्ध पेयजल एवं 24 घंटे बिजली/पावर बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। बच्चों की नियमित शिक्षा के लिए उन्हें निकटवर्ती आंगनबाड़ी केंद्र भेजने की व्यवस्था की जाए। बिहार किशोर न्याय नियमावली, 2017 के नियम-17 के तहत निर्धारित सभी मानकों एवं सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन हो। संस्थान के सभी सीसीटीवी कैमरे हमेशा क्रियाशील रहें तथा सुरक्षा गार्ड सतर्क ड्यूटी पर तैनात मिलें। निरीक्षण के दौरान जिला निरीक्षण समिति के अन्य सदस्य एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक भी उपस्थित रहे।

मोहर्रम पर डीजे बजाने की अनुमति नहीं मिलने से नाराजगी

गयाजी के कोठी में नहीं निकला जुलूस, 9 गांव से पहुंचते थे लोग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी के इमामगंज प्रखंड के कोठी गांव में मुहर्रम के मौके पर होने वाला जुलूस कार्यक्रम इस बार डीजे बजाने के विवाद की भेंट चढ़ गया। डीजे बजाने की परमिशन नही मिलने के कारण लोगों में नाराजगी दिखी। पुलिस प्रशासन के कड़े हस्तक्षेप के कारण यह कार्यक्रम आयोजित नहीं हो सका। इस वजह से कुछ लोग मायूस हुए, तो कुछ लोग शांति व कानून पसंद होने का हवाला देते हुए घर को वापस चले गए। दरअसल, कोठी गांव का यह मुहर्रम कोई आम आयोजन नहीं है। इसमें सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि बिहार और पड़ोसी राज्य झारखंड के करीब नौ गांवों के लोग पहुंचते हैं।

मुस्लिम समाज का दर्द- 'नियम सब पर समान रूप से लागू हों': इस पूरे घटनाक्रम से मुस्लिम समाज के लोग खासे आहत नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्व रोज-रोज नहीं आते। ये ऐसे मौके होते हैं, जो आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करते हैं। कोठी पुलिस ने हमें मिलने की इजाजत नहीं दी, जिससे लोगों को भारी निराशा हुई है। हमारी बस इतनी ही गुजारिश है कि सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों में नियम बिल्कुल समान रूप से लागू होने चाहिए।

थानाध्यक्ष बोले- बिना डीजे के करें आयोजन: कोठी थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना ही उनकी सबसे पहली प्राथमिकता है। थाना अध्यक्ष के मुताबिक, पुलिस ने लोगों से अपील की थी कि वे बिना डीजे के पारंपरिक तरीके से मुहर्रम मिलन का आयोजन करें। लेकिन आयोजन से जुड़े लोग बिना डीजे के तैयार नहीं हुए। उन्होंने साफ कहा कि बिहार सरकार की ओर से डीजे बजाने पर जो सख्त प्रतिबंध लगाया गया है, उसका पालन करना व कराना पुलिस की कानूनी जिम्मेदारी है। फिलहाल, इलाके में पूरी तरह शांति है और स्थिति सामान्य बनी हुई है।

प्रशासन के रुख पर जनता बंटी: दिलचस्प बात यह है कि इस मामले में स्थानीय लोगों की राय बंटी हुई नजर आई। जहां एक पक्ष इस पाबंदी से खफा दिखा, वहीं जनता के एक बड़े वर्ग ने पुलिस प्रशासन की सूझबूझ और सख्त रवैये की खुलकर तारीफ की। सराहना करने वाले लोगों का तर्क है कि पुलिस ने केवल डीजे बजाने की अनुमति नहीं दी, जो कि सरकारी आदेश था। इसके अलावा, मुहर्रम के बाकी तमाम आयोजनों में पुलिस ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया और पूरे क्षेत्र में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।

8वीं तक स्कूल बंद, 9वीं-12वीं तक की क्लास सुबह 11 बजे तक चलेगी

गर्मी को देखते हुए 28 जून तक के लिए आदेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में भीषण गर्मी को देखते हुए डीएम शशांक शुभंकर ने जिले के सभी सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों, प्री स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और कोचिंग संस्थानों में क्लास 8 तक के सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगाई है। क्लास 9 से 12वीं तक की क्लास सुबह 11 बजे तक होगी। प्रतिबंध 26 से 28 जून तक प्रभावी रहेगा।

अधिकारियों को आदेश का पालन कराने के निर्देश: जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि गया जिले में अत्यधिक गर्मी और लू बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। विद्यार्थियों के जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। आदेश में सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों को तत्काल प्रभाव से इस व्यवस्था का पालन करने का निर्देश दिया गया है।

जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने संबंधित अधिकारियों, शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन, नगर निकायों और अन्य विभागों को आदेश की प्रतिलिपि भेजकर अनुपालन कराने का निर्देश दिया है। प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों और थाना प्रभारियों को भी इस आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डायवोर्स केस से भड़के शख्स ने ससुराल में लगाई आग

पीड़ित बोले- पुलिस एक्शन नहीं ले रही

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में कोर्ट में चल रहे तलाक के केस के बीच दामाद ने अपने ससुराल पहुंचकर एक कमरे को आग के हवाले कर दिया। इससे पहले दामाद ने ससुराल पहुंचकर बाइक को आग के हवाले कर दिया था। पीड़ित पक्ष का कहना है कि हमारा दुश्मन कोई और नहीं हमारा दामाद ही है। बेटी से मारपीट करता था, इसलिए ढाई साल से बेटी मायके में रह रही है। पीड़ित पक्ष ने ये भी आरोप लगाया कि दामाद के खिलाफ जब पुलिस से शिकायत की जाती है, तो कार्रवाई के बजाए हम लोगों को ही डराया धमकाया जाता है।

मामला गयाजी के मानपुर थाना क्षेत्र के भेड़िया खुर्द गांव की है। पीड़ित चंद्रकांत सिंह उर्फ सुभाष ने बताया कि गांव में हम लोगों का एक मकान है, जो बंद रहता है। इस मकान में गुरुवार की रात दामाद ने सेंधमारी की। इसके बाद अंदर पहुंचकर पूरे घर को आग के हवाले कर दिया।

चंद्रकांत सिंह ने आरोपी नीरज सिंह गाफा गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि दामाद बीती रात लोहे का रॉड लेकर आया था। उसने घर के पिछले हिस्से की दीवार को तोड़ा और अंदर दाखिल हो गया। इसके बाद घर के भीतर बैठ कर पहले सिगरेट पी और फिर घर को आग के हवाले कर दिया।

उन्होंने बताया कि सुबह जब ग्रामीणों ने घर से निकलता धुआं देखा तो मौके पर भारी भीड़ जुटी। इसके बाद हम लोगों को और फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी गई। दमकल कर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से घर के अंदर रखे कीमती फर्नीचर, कपड़े, राशन और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि घटना में लगभग 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

आरोपी के ससुर ने बताया कि दामाद नीरज सिंह ने पहले भी हमारे घर के आगे खड़ी बाइक को आग के हवाले किया था। उन्होंने बताया कि दामाद के साथ ही हमारी बच्ची का कोर्ट केस और तलाक का मुकदमा चल रहा है, उसी का यह बदला ले रहा है।

आरोपी के चाचा ससुर बोले- भतीजी की पिटाई करता था: पीड़ित परिवार के सदस्य और आरोपी नीरज सिंह के चाचा ससुर ताराकांत सिंह ने इस पूरी घटना के पीछे की गहरी साजिश और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि मेरे बड़े भाई की बेटी की शादी गाफा गांव के रहने वाले नीरज सिंह से हुई थी। नीरज का पूरा परिवार आपराधिक प्रवृति का है और इसकी जानकारी हम लोगों को शादी के बाद हुई।

ताराकांत सिंह ने बताया कि शादी के बाद से आरोपी नीरज सिंह मेरी भतीजी से मारपीट करने लगा था। इस वजह से हम लोगों ने अपनी भतीजी को मायका बुला लिया था। भतीजी पिछले ढाई साल से हम लोगों के साथ मायके मे रह रही है। कोर्ट में तलाक का केस भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि तलाक के केस के रंजिश में ही पिछले साल 24 दिसंबर को नीरज ने मेरी पल्सर बाइक भी जला दी थी। जब हम थाने में शिकायत करने गए, तो पुलिस ने हमारी ही बात नहीं सुनी। ताराकांत ने स्थानीय पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस कर्मी डराते-धमकाते हैं और आरोपी का साथ देते हैं। आज भी जब हम खेत की तरफ आए तो देखा कि घर की दीवार टूटी हुई है और अंदर से धुआं निकल रहा है। हमें शक है कि दीवार तोड़कर आग लगाने के साथ-साथ आरोपी ने घर के अंदर कुछ अवैध सामान भी रख दिया होगा ताकि हमें फंसाया जा सके। हम बिना पुलिस के उच्च अधिकारियों के आए घर के अंदर नहीं जाएंगे।

बुजुर्ग की गोली मार कर हत्या, पेट के आर-पार हुई बुलेट, शादी समारोह से घर लौट रहे थे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

घात लगाकर बैठे थे बदमाश

नालंदा। नालंदा में बदमाशों ने एक बुजुर्ग को गोली मार दी। गंभीर हालत में अस्पताल में एडमिट कराया गया। जहां उनकी मौत हो गई है। मृतक की पहचान चिकसौरा के पाल विगहा निवासी सूरत पासवान (60) के तौर पर हुई है। बेटी के आवेदन पर FIR दर्ज कर ली गई है। घटना तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के शिवशंकरपुर गांव की है। मृतक की बेटी रिंकी कुमारी की ओर से पुलिस को दिए गए आवेदन के अनुसार, उनके पिता पड़ोस के गांव में आयोजित एक शादी समारोह में भोजन करने गए थे।

देर रात वापस लौटने के दौरान गांव के ही तीन लोगों ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब सूरत पासवान ने गाली-गलौज का विरोध किया, तो आरोपितों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके पेट में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े। पटना के पीएमसीएच में ईलाज के दौरान मौत हो गई।

आपसी रंजिश में वारदात: भतीजा निरंकु पासवान ने बताया कि चाचा गुरुवार रात राम बाबू यादव की पोती की शादी में गए थे। भोज खाकर रात करीब 12:30 बजे घर लौट रहे थे। रास्ते में घात लगाकर बैठे ओम प्रकाश ने उन पर पिस्तौल से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बुलेट पेट में लगी, जो आर-पार हो गई। फोन पर हमले की सूचना मिली जिसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। आरोपी पक्ष से पहले से ही विवाद चल रहा था, जिसके कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया है। हालांकि की गोली मारने की स्पष्ट वजह परिजन बता नहीं पा रहे हैं

पुलिस ने शुरू की छापेमारी: सूचना मिलते ही हिलसा डीएसपी-2 ऋषिराज दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। डीएसपी ने बताया कि बुजुर्ग को पहले अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने पावापुरी रेफर कर दिया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद परिजन प्राइवेट अस्पताल लेकर गए, लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया है।

सेंट्रल जेल के उपाधीक्षक सस्पेंड, कैदियों से मिलीभगत और पैसे लेकर नशीली सामग्री पहुंचाने का आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

गयाजी। गयाजी केंद्रीय कारा में एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई हुई है। बंदियों के साथ कथित मिलीभगत, जेल नियमों की अनदेखी और प्रतिबंधित सामग्री को बिना जांच जेल के अंदर पहुंचाने के गंभीर आरोपों के बाद केंद्रीय कारा के उपाधीक्षक सुदर्शन प्रसाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई से जेल प्रशासन में हलचल मच गई है। मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। जेल उपाधीक्षक सुदर्शन प्रसाद सिंह पर आरोप है कि वे बंदियों के परिजनों से पैसे लेकर उनके ओर से लाई गई सामग्री को बिना सुरक्षा जांच के जेल परिसर में पहुंचाते थे। अगर कोई जेलकर्मी या पुलिसकर्मी इस प्रक्रिया पर आपत्ति करता था, तो उसे फटकार लगाई जाती थी। इन आरोपों से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सीनियर अधिकारियों को भेजी गई रिपोर्ट: यह मामला तब सामने आया जब एक बंदी का परिजन प्रतिबंधित सामग्री के साथ जेल में प्रवेश करने का प्रयास करते हुए पकड़ा गया। इस घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल अधीक्षक ने इस मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया, लेकिन उपाधीक्षक ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जेल अधीक्षक ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेजी। जेल अधीक्षक की रिपोर्ट मिलने के बाद जेल महानिरीक्षक ने मामले की प्रारंभिक जांच कराई। जांच में प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर पाया गया, जिसके बाद जेल उपाधीक्षक सुदर्शन प्रसाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा, मुजफ्फरपुर निर्धारित किया गया है।

संलिप्तता सामने आने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी: जेल प्रशासन अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि क्या पहले भी प्रतिबंधित सामग्री जेल के अंदर पहुंचाई गई थी और इस पूरे नेटवर्क में अन्य लोगों की क्या भूमिका रही है। यदि जांच में अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

3 करोड़ के फ्रॉड केस में आरोपी को जमानत नहीं, कारोबारी पर मंदिर निर्माण के नाम पर विदेशों से चंदा लेने का आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। बिहारशरीफ में धर्म, आस्था और सेवा की आड़ में धोखाधड़ी का एक ऐसा जाल बिछाया गया, जिसने आम लोगों की श्रद्धा को शर्मसार कर दिया है। 'जॉन डियर' ट्रैक्टर शोरूम के मालिक नीतीश कुमार उर्फ 'डबलू', जो अपनी धार्मिक छवि और खाटू श्याम भक्ति के दम पर समाज में रसूख बनाए हुए थे, अब एक बड़ी जमीन ठगी मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। उन पर जमीन के नाम पर 3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप है। रामचंद्रपुर के कारोबारी बीरेंद्र प्रसाद ने बताया कि आरोपी नीतीश कुमार के साथ उनकी दोस्ती करीब ढाई साल पुरानी थी। आरोपी ने उन्हें सिपाह मौजा में 10 डिसमिल जमीन का सौदा दिखाया था। पीड़ित ने बताया कि नीतीश ने उन्हें विश्वास में लेकर निवेश के नाम पर जमीन लेने को मजबूर किया। जालसाजी की पराकाष्ठा तब देखने को मिली, जब 27 जनवरी 2026 को आरोपी ने जमीन के असली मालिक (जो दिल्ली में रहते हैं) की जगह एक फर्जी व्यक्ति को 'जितेंद्र प्रसाद' बनाकर खड़ा कर दिया। आरोपी ने उस फर्जी व्यक्ति का नकली आधार कार्ड भी तैयार करवाया था, जिसके सहारे पीड़ित से 3 करोड़ रुपए की मोटी रकम एग्रीमेंट के नाम पर ऐंठ ली गई।

जमीन की नापी के दौरान सामने आया फर्जीवाड़ा: 14 फरवरी 2026 को जब पीड़ित जमीन की नापी कराने पहुंचे, तो सच्चाई सामने आई कि जिस जितेंद्र प्रसाद के नाम पर जमीन बेची गई थी, वे तो दिल्ली में हैं और उन्होंने अपनी जमीन बेची ही नहीं है। इसके बाद 15 फरवरी को नीतीश के घर पर एक पंचायती बुलाई गई। वहां आरोपी ने 3 करोड़ रुपए लेने की बात स्वीकार तो की, लेकिन अपनी शातिर चाल चलते हुए 5 हजार रुपए के नॉन-ज्यूडिशियल स्टांप पेपर पर उसे 'जमीन की बिक्री' के बजाय 'कर्ज' लिखवा लिया। बाद में वह समझौते से भी मुकर गया।

संगठित गिरोह और काले कारनामों की फेहरिस्त: पीड़ित बीरेंद्र प्रसाद का दावा है कि नीतीश कुमार एक संगठित गिरोह चलाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने मंदिर निर्माण के नाम पर विदेशों और स्थानीय लोगों से करोड़ों रुपए का चंदा अपने निजी बैंक खातों में मंगवाया, जबकि न तो कोई ट्रस्ट बना और न ही कोई ऑडिट हुआ। इसके अलावा, आरोपी पर वर्ष 2010-12 के दौरान अपने ही शोरूम में आग लगाकर 1.30 करोड़ रुपए का बीमा क्लेम हड़पने का आरोप,एसबीआई और कॉर्पोरेशन बैंक के जरिए सैकड़ों किसानों के नाम पर फर्जी लोन निकलवाने का मामला, जिसकी सीबीआई जांच चल रही है।

कोर्ट ने आरोपी को जमानत देने से किया इनकार: इस मामले में 13 जून 2026 से न्यायिक हिरासत में बंद नीतीश कुमार उर्फ डबलू को अदालत से कोई राहत नहीं मिली है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कुलदीप सिंह की अदालत में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान, पीड़ित के वकील ने आरोपी के पुराने आपराधिक इतिहास और साक्ष्यों की गंभीरता का हवाला देते हुए जमानत का कड़ा विरोध किया। अदालत ने मामले की नजाकत को देखते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की सघन जांच कर रही है।

पीड़ित बीरेंद्र प्रसाद का कहना है कि उन्होंने अपनी जमीनें गिरवी रखकर और रिश्तेदारों से कर्ज लेकर नीतीश को यह रकम दी थी, और अब वे न्याय की गुहार लगा रहे हैं। आस्था के नाम पर रची गई यह साजिश बिहारशरीफ के लोगों के बीच चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

कोचस मे लू लगने से एक युवक की गई जान, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

कोचस (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के आरा मोहनिया पथ पर बाबा हाइवे पेट्रोल पम्प के निकट दो सौ मीटर दूर खेत से पुलिस ने शुक्रवार को एक युवक का शव बरामद किया है।मृतक की पहचान नगर पंचायत के वार्ड नंबर सात पासवान टोला निवासी स्व धनजी पासवान के 25 वर्षीय पुत्र रविंद्र पासवान के रूप में हुई है।इसकी जानकारी देते हुए अपर थाना अध्यक्ष बब्लू कुमार ने बताया की पुलिस को सुचना मिली थी कि एक युवक सड़क किनारे खेत मे गिरा पड़ा हुआ है। तभी पुलिस ने उक्त स्थल पर पहुंच अपने वाहन से युवक को उपचास के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां मौके पर मौजूद चिकित्स्क अविनाश कुमार ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। वही पुलिस शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है।परिवार के सदस्य तेजू पासवान ने बताया कि मृतक रविंद्र पासवान खाना खाकर दस बजे घर से निकला था। पुलिस के अनुसार युवक को लू लगने से मौत हुई है। पुलिस शव को लेकर पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दी है।इधर मौत की खबर सुन परिवार वालो का रों रोकर बुरा हाल हो गया है तथा पत्नी पति के मौत के बाद बेसुध पड़ी हुई है.

कोचस नगर पंचायत मे निकला ताजिया जुलूस, भारी संख्या मे पुलिस तैनात

कोचस (रोहतास)। शहर के पुरानी बाजार चौंक से ताजिया का जुलूस मातमी माहोल में निकाली गयी। जिसमें सैकड़ों युवाओं द्वारा या हसन या हसन जैसे मातमी नारेबाजी की जा रही थी। जिससे माहौल मातमी बना हुआ था। जुलूस पूरे शहर के चौक चौराहों का भ्रमण किया। वही ताजिया जुलूस में महिला पुरूष दोनों शामिल थे।जगह जगह खेलों का प्रदर्शन किया जा रहा था। समाचार प्रेषण तक जुलूस का दौर जारी था। वही विद्युत विभाग द्वारा जुलूस को देखते हुए बिजली काटने से आम से खास लोगों को भीषण गर्मी के मौसम में काफी परेशानियां झेलनी पड़ी। प्रशासनिक अधिकारियों को मुस्तैद देखा गया।

कार्यपालक समेत आवास कर्मियों को आठ महीने से नहीं मिला है वेतन

राजपुर। स्थानिय प्रखंड कार्यालय में नियुक्त कार्यपालक सहायक समेत कुल नौ आवास कर्मियों का मानदेय आठ महीने से बकाया है. जिस कारण उनके परिवार के समक्ष भुखमरी की स्थिति बन गई है. स्कूयूटीव असिस्टेंट एवं पर्यवेक्षकों का भी वहीं हाल है.सभी कर्मी परेशानी में हैं. आवास कर्मियों ने बताया कि काफी विपरीत परिस्थित बनी हुई है.आठ माह से वेतन भुगतान नहीं प्राप्त हुआ है.आवास योजना में कार्यरत स्कूयूटीव असिस्टेंट,डाटा अपरेटर व पर्यवेक्षकों का भी हाल हमारी तरह हीं है.सभी को परिवार का खर्च वहन करने में परेशानी हो रही है. मामले में बीडीओ रविराज ने बताया कि वेतन भुगतान के लिए डिमांड प्रत्येक माह जिला कार्यालय को भेजी जाती है.

रसूलपुर नहर में मिला वृद्ध महिला का शव, इलाके में फैली सनसनी

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

करगहर, (रोहतास)। करगहर थाना क्षेत्र के पिपरा-जगतपुर गांव के समीप स्थित रसूलपुर नहर से गुरुवार को एक वृद्ध महिला का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। नहर में शव उतराता देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही करगहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकालकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम ने मौके का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। इस दौरान ग्रामीणों ने मृतका की पहचान जगदतपुर निवासी स्वर्गीय शिवमुनी चौधरी की 62 वर्षीय पत्नी राधिका कुंवर के रूप में की। ग्रामीणों के अनुसार, राधिका कुंवर के दोनों पुत्र परिवार सहित मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में रहते हैं। भूमिहीन होने के कारण वह गांव में भीख मांगकर अपना जीवन-यापन करती थीं। अकेले रहने वाली महिला का शव नहर में मिलने से ग्रामीण भी हैरान हैं। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि एफएसएल टीम की जांच पूरी होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेजा जाएगा। प्रथम दृष्टया मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि महिला की मौत हादसे में हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

63 वर्षीय वृद्ध चार दिन से लापताः बेटी के घर से निकले हनुमान सिंह, पुलिस को दी सूचना

काराकाट/ रोहतास । काराकाट / रोहतास । जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के खिरोडीह गांव निवासी 63 वर्षीय हनुमान सिंह 23 जून की शाम से लापता हैं। वे अपनी बेटी से मिलने महादेवा गांव आए थे, जहां से वे शाम करीब छह बजे निकले और तब से वापस नहीं लौटे हैं। हनुमान सिंह, जो स्व. रामविलास सिंह के पुत्र हैं, के परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके बाद आज शुक्रवार को उनकी इकलौती बेटी और दामाद ने काराकाट थाना में लिखित आवेदन देकर उनकी तलाश करने की गुहार लगाई है। परिजनों ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि हनुमान सिंह की मानसिक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं रहती है। इस कारण उनके साथ किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। हालांकि, उनकी बेटी ने स्पष्ट किया है कि उन्हें किसी पर कोई संदेह नहीं है। उनका मानना है कि मानसिक विक्षिप्ता के कारण वे कहीं इधर-उधर चले गए होंगे। काराकाट थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी को हनुमान सिंह के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल काराकाट थाना या उनके परिवार को सूचित करें।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र गोड़ारी में पांच दिवसीय अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का किया गया आयोजन

काराकाट /रोहतास : मेरा युवा भारत रोहतास सासाराम (युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तत्वावधान में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र गोड़ारी में पांच दिवसीय अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'मेरा युवा भारत' रोहतास से संबद्ध सभी राष्ट्रीय स्वयंसेवकों और क्लब सदस्यों को भारत सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी जानकारी देना है,ताकि वे समाज में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता फैला सकें और आम लोगों को किफायती इलाज के प्रति प्रेरित कर सकें । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे 'मेरा युवा भारत' के राष्ट्रीय स्वयंसेवक (काराकाट) सह ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के संस्थापक शिवम कुमार ने बताया कि 'मेरा युवा भारत' रोहतास द्वारा हर माह भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न केंद्रों पर अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । इसी कड़ी में जून माह का यह विशेष कार्यक्रम जन औषधि केंद्र गोड़ारी में आयोजित किया गया है । यहां 'मेरा युवा भारत' रोहतास द्वारा चयनित 5 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है,जिससे युवाओं में न केवल सरकारी योजनाओं के प्रति समझ विकसित हो,बल्कि उनमें सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का विकास हो सके । मौके पर जन औषधि केंद्र के संचालक विमलेश कुमार,राष्ट्रीय स्वयंसेवक (बिक्रमगंज) राजनंदनी कुमारी और प्रतिभागी पुरुषोत्तम कुमार,सूरज कुमार व रोहित कुमार उपस्थित रहे । सभी प्रतिभागियों ने जन औषधि केंद्र की कार्यप्रणाली को बहुत बारीकी से समझा ।

डीएम दीपक कुमार मिश्रा का PHC अकोढ़ी गोला में औचक निरीक्षण

बीपीएम की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी, दिए सख्त निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अकोढ़ी गोला (रोहतास)। बृहस्पतिवार की देर शाम फ्लैग मार्च के बाद अचानक जिला पदाधिकारी, रोहतास दीपक कुमार मिश्रा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अकोढ़ी गोला पहुंच कर औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भंडार पंजी, चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की उपस्थिति पंजी सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान बीपीएम अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिला पदाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी और स्पष्ट कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला पदाधिकारी ने एक्सपायर दवाओं को तत्काल बदलने तथा सूची के अनुसार सभी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी चिकित्सकों को रोस्टर के अनुसार नियमित रूप से ड्यूटी पर उपस्थित रहने का सख्त निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी ने लू वार्ड का भी जायजा लिया तथा आने वाले मौसम को देखते हुए डेंगू वार्ड तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने नवजात शिशुओं के समय पर टीकाकरण सुनिश्चित कराने पर भी विशेष जोर दिया।

जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई को संतोषजनक बताया और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने पर बल दिया। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने अस्पताल में आए मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों को मरीजों की सुविधा और संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस दौरान जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के तहत सिविल सर्जन, रोहतास को निर्देश दिया कि जिले के सभी अस्पतालों का नियमित निरीक्षण कर वहां मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करें। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी, डेहरी को भी निर्देशित किया गया कि अनुमंडल क्षेत्र के सभी सरकारी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करते रहें। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी डेहरी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भोजपुर मे भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर के बाद प्रबुद्धजनों ने निकाला कैंडल मार्च

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास)। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना के बिलौटी गांव में बीते दिनों पुलिस की फर्जी एनकाउंटर में मारे गये भरत भूषण तिवारी को न्याय दिलाने के लिए स्थानीय प्रबुद्धजनों व युवाओं ने गुरुवार की शाम कोचस नगर पंचायत मे कैंडल मार्च कर शांति प्रदर्शन कर विरोध जताया.इस दौरान युवाओं ने स्पीडी ट्रायल चला कर दोषी पुलिसकर्मियों को फांसी देने की सरकार से मांग की है. प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस अखिलेश त्रिपाठी ने कहा कि हत्या के बाद न तो आरोपित पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी हुई और न ही जिले के एसपी घटना के कारणों का पता लगा पाये है.बल्कि,इसे ठंडे बस्ते में डाल कर इसकी खानापूर्ति की जा रही है.कैंडल मार्च में शामिल चेतना मंच के अध्यक्ष अरविंद ओझा ने कहा कि सरकार जान-बूझकर इस कांड में शामिल दोषियों को बचा रही है.इस मार्च के माध्यम से हम सरकार से मांग करते हैं कि तत्काल उस आरोपित पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया जाए.नहीं तो भरत को न्याय दिलाने के लिए हमलोग सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे.कैंडल मार्च में नगर पैक्स अध्यक्ष सुनिल दूबे,दिनेश पाठक,अरविन्द दूबे, दुर्गेश पाण्डेय,मनोज चौबे, रजनीकांत सिंह, बबलू दूबे, अंकित उपाध्याय, अंकुश ओझा, धनंजय पाण्डेय उर्फ टाइगर, सुरेंद्र दुबे, रामचंद्र पाण्डेय, श्रीकांत चौबे, राकेश दूबे, नसरुद्दीन अंसारी, त्रिभुवन दूबे, मुकेश पाण्डेय, संतोष दूबे, रविकांत सिंह, संजय तिवारी, सहित अन्य कई उपस्थित थे.

ताजिया के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- **अमन-चैन की मांगी गई दुआ**
- **या हुसैन या हुसैन के नारे से गुंजायमान हुआ राजपुर बजार**

राजपुर। स्थानीय बाजार में शुक्रवार को ताजिया के साथ मुहर्रम का जुलूस निकाला गया. जिसका नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि व मोहर्रम कमेटी के लोगों ने किया.जुलूस के दौरान भारी संख्या में स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा. जुलूस में शामिल लोग या हुसैन या हुसैन के नारा लगाते हुए समुचे बजार क्षेत्र का भ्रमण किया. या हुसैन के नारों से दिन भर क्षेत्र गुजंयमान रहा. इस अवसर पर राजपुर बजार समेत बघैला थाना क्षेत्र के लीलारी, ऐघारा, चनकी,रोतवा, सुअरा, कुशधर, कर्मकिला, महुअरी, पडरिया व भवपोखर, तथा राजपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत सखरा, मंगरवलिया, राजनडिह, तरांव, तुर्कवलिया, बिषेनीकला, रामोडिह व राजपुर में लोगों ने ताजिया रख अमन चैन व सुख शांति की दुआ मांगी गई.

प्रशासनिक स्तर पर क्षेत्र में त्योहार को संपन्न कारने के लिए दर्जन भर से ज्यादा दण्डाधिकारी के नेतृत्व में सभी गांव में पुलिस बल मौजूद रहे. स्थानीय बाजार में सदर चौक पर खलीफा जाकिर हुसैन उर्फ गोल्डन,कुरैशी मोहल्ला में चुन्नू कुरैशी, अंसार मोहल्ला में नेसार अंसारी व खलीफा चौक पर खलिफा मौला अंसारी के नेतृत्व में ताजिया का निर्माण किया गया. मुस्लिम कमिटी के चेयरमैन वकील आलम,मोती अंसारी, मंसूर अंसारी, मो ताजुददीन,बदरे आलम, मो खुर्शीद आदि लोगों ने बताया कि प्रशासन से प्राप्त इजाजत के अनुकूल कचहरी मोड स्थित सरकारी भूमि से जुलूस निकाला गया.

जुलूस के दौरान कमेटी के जांबाज खिलाड़ियों ने एक से एक करतब दिखा लोगों का मन मोह लिया. इस दौरान मुखिया रंजू देवी के समाजसेवी पति सतीश सिंह,भोला सोनी मा शारदे पेट्रोल पंप संचालक मनोज कुमार सिंह यादव समेत थानाध्यक्ष अंशु माला, दण्डाधिकारी सह अंचलाधिकारी पिंटू कुमार चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे.

तिवारीपुर विद्यालय के रसोईया घर से चोरी सामान के साथ चार आरोपी धराए, गए जेल

अन्हारी गांव मे समान बंटवारे के विवाद में पकड़े गए चारों चोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के तिवारीपुर प्राथमिक विद्यालय में बीती रात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर रसोईघर से चोरी की गई सामान और टेम्पो के साथ चार चोरो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई : इसकी जानकारी देते हुए अपर थानाध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि बीती रात चोरों ने तिवारीपुर विद्यालय में चोरों ने रसोईया घर का ताला तोड़ गैस सिलेंडर, चूल्हा, बर्तन, पंखा सहित अन्य सामग्री चोरी कर ली।चोरी की गई सामग्री को टेंपो पर लादकर अंहारी गांव निवासी मुरारी बारी के घर में रखा गया था। इसी बीच चोर चोरी के सामान को बेचने की फिराक में थे, तभी स्थानीय लोगो ने चोरों का हाव भाव देख इसकी सूचना डायल-112 गश्ती पुलिस को दी। जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को चोरी की समान और टेंपो के साथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में तिवारीपुर गांव निवासी विनोद कुमार पिता बबन सिंह बताए गए है जबकि अनहारी गांव निवासी पवन कुमार साह, शिबू पटेल और मुरारी कुमार वर्मा शामिल हैं। सभी आरोपियों को पुलिस थाना लाया , जहां पुलिस विशेष पूछताछ कर कानूनी प्रक्रिया पूरी होने उपरांत अग्रतर कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा मे जेल भेज दिया है तथा बरामद सभी सामान विद्यालय के प्रधानाध्यापक को सौंप दिया गया है। अपर थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानाध्यापक के द्वारा गिरफ्तार चारों आरोपियो के खिलाफ थाने मे नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आपसी विवाद मे पकड़े गए चोर : प्राथमिक विद्यालय तिवारीपुर के प्रधान शिक्षक सुखारी राम एवं शिक्षक दयानंद सिंह ने बताया कि चोरों के बीच आपसी विवाद होने के कारण पवन कुमार साह ने ही डायल-112 पर इसकी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस सुबह करीब 3 बजे अन्हारी गांव पहुंची और मुरारी बारी के घर से विद्यालय की सभी चोरी की गई सामग्री बरामद कर ली। इसके बाद पुलिस ने चोरी के सामान के साथ सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रतिष्ठित केसरी गौरव सम्मान डॉ.आयुष नन्दन को किया गया प्रदान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज/ रोहतास। देव केसरी राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र प्रबंध समिति द्वारा वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित केसरी गौरव सम्मान डॉ.आयुष नन्दन को प्रदान की गई है । बतातें चले कि डॉ.आयुष नन्दन पिता अनिल पांडेय व माता बिमला कुमारी के सुपुत्र हैं जो बिहार प्रदेश के रोहतास जिला अंतर्गत ग्राम खरगपुरा पोस्ट नटवार थाना बिक्रमगंज के मूल निवासी हैं । इस संबंध में डॉ आयुष ने बताया कि देव केसरी राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र प्रबंध समिति द्वारा यह सम्मान प्रतिवर्ष उन विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है,जिन्होंने सेना, समाजसेवा,शिक्षा तथा राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं अमूल्य योगदान दिया हो । इस वर्ष डॉ.आयुष नन्दन को संस्कृत और विज्ञान के मध्य सेतु स्थापित करने तथा दोनों विषयों के समन्वित अध्ययन एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया । डॉ.आयुष नन्दन का शोधकार्य भारतीय परंपरागत ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच संवाद स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है । विशेषज्ञों का मानना है कि उनका शोध राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के उद्देश्यों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । समिति के पदाधिकारियों के अनुसार डॉ.आयुष नन्दन का कार्य न केवल शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्त्रोत है,बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत करता है । उनके इस योगदान के लिए उन्हें केसरी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाना गौरव का विषय है । क्षेत्र के शिक्षाविदों,समाजसेवियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. आयुष नन्दन को बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है ।

कर्बला की शहादत सब्र, त्याग और इंसाफ का देता है संदेश

अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया यौमे आशूरा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। यौमे आशूरा के अवसर पर शुक्रवार को पूरे अकीदत और एहतराम के साथ हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) एवं कर्बला के अन्य शहीदों को याद किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर मजलिस, मातमी जुलूस, नौहा-ख्वानी, मर्सिया-ख्वानी एवं दुआओं का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश करते हुए उनके द्वारा स्थापित सत्य, न्याय, धैर्य, त्याग और मानवता के आदर्शों को स्मरण किया। बिक्रमगंज निवासी मो. आदिल खान ने अपने संबोधन में कहा कि कर्बला का संदेश किसी एक समुदाय या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। लगभग चौदह सौ वर्ष पूर्व कर्बला के मैदान में हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) ने अपने परिवार एवं 72 साथियों के साथ अन्याय, अत्याचार और असत्य के विरुद्ध संघर्ष करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका यह त्याग सत्य एवं इंसाफ की रक्षा के लिए किए गए महानतम बलिदानों में से एक माना जाता है।

यौमे आशूरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, सत्य और न्याय के मार्ग से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। इमाम हुसैन (अ.स.) का जीवन साहस, धैर्य, त्याग और मानव मूल्यों की रक्षा का प्रतीक है। कर्बला की शहादत आज भी दुनिया भर के लोगों को अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करती है। बिक्रमगंज अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में भी यौमे आशूरा के अवसर पर ताजिया जुलूस निकाले गए। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। जुलूस के दौरान मातम, नौहा-ख्वानी एवं मर्सिया-ख्वानी का आयोजन किया गया। विभिन्न स्थानों पर सबील लगाकर श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के बीच शरबत एवं पेयजल का वितरण किया गया।

लोगों ने देश, प्रदेश तथा समाज में अमन, भाईचारे, सौहार्द और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं भी कीं। यौमे आशूरा के अवसर पर लोगों ने कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया तथा समाज में प्रेम, सद्भाव, एकता और मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने का संदेश दिया। धार्मिक आयोजनों के शांतिपूर्ण संचालन हेतु प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों ने विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। तो वहीं धूमधाम से मना मोहर्रम,शहर में निकली भव्य ताजिया जुलूस

हजरत इमाम हुसैन के शहादत दिवस के रूप में शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच शुक्रवार को मुहर्रम मनाया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने शहर के विभिन्न मार्गो पर ताजिए के साथ प्रदर्शन करते हुए करतब दिखाए एवं कर्बला के मैदान पहुंचकर पंचमी की मिट्टी दफनाई तथा मातम बनाया। ताजिये की भव्यता और मातमों के प्रदर्शन के साथ-साथ विभिन्न अखाड़ों द्वारा पेश की जा रही करतबों को एक झलक देखने सारा शहर उमड़ पड़ा। सड़क के दोनों किनारों साथ-साथ छतों पर भी काफी संख्या में पुरुष महिलाएं और बच्चों ने मुहर्रम का लुफ्त उठाया।वहीं जुलूस में शामिल काफी संख्या में अखाड़ों के लोगों ने परंपरागत लाठी का प्रदर्शन किया।

जुलूस में सबसे आगे केजीएन नवयुवक मुहर्रम कमिटी,स्टेशन मस्जिद, बिक्रमगंज का ताजिया चल रहा था । इसके बाद ढोलबज्जा सहित दर्जनों अखाड़ों के साथ-साथ भारी संख्या में लोग जुलूस में चल रहे थे। इस मौके पर विधि व्यवस्था संधारण की दिशा में बड़े पैमाने पर दंडाधिकारी के साथ-साथ पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। एसडीएम प्रभात कुमार एवं एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ताजिया जुलूस का पल-पल की खबर ले रहे थे।दोनो अधिकारी अखाड़ों को समय पर निकलने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। इसके अलावा स्थानीय बीडीओ,सीओ, ईओ,थानाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में अधिकारी,थानेदार व अन्य पुलिस पदाधिकारी जुलूस के साथ चल रहे थे।महिला पुलिस भी जगह जगह तैनात थी।

स्टॉलों पर थी शरबत की व्यवस्था: जुलूस में शामिल लोगों के लिए जगह-जगह विभिन्न स्टालों के माध्यम से पानी शरबत आदि की व्यवस्था की गई थी। जुलूस में उमड़ी भीड़ का नजारा देखने लायक था।चौक-चौराहों तथा मुख्य प्रमुख स्थानों पर विभिन्न अखाड़ों के बीच परंपरागत करतबों का दौर चलता रहा।ताजिया में भी जमकर प्रतियोगिता देखी गई।हर अखाड़ा इस बार बदले बदले अंदाज में संस्कृतिक और भाई चारगी का नजारा पेश कर रहा था। पूरे जुलूस में कई अखाड़े के जंगी अलग ड्रेस में थे।

जुलूस में शामिल लोगः केजीएन नवयुवक मुहर्रम कमिटी,स्टेशन मस्जिद के सचिव मो.अय्यूब खान, अध्यक्ष असगर अली, कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह,खलीफा मोइनुद्दीन हुसैन, टिंकल अली, मुजीबुर्रहमान, शौकत अली,सलमान अली,पीर मोहम्मद, आलम शेर,राजू बाबू,राजा बाबू, मो.मुमताज, मो.आफताब,नबी हसन, शाकिर अली, नौशाद अली, मो.राज, रेयाज अहमद, मो.राजा अली, मो.राजा खान,मो.राजा इद्रीश, रेयाज फारूकी, अनवर अली, मो.समीर,आलम शेर उर्फ छोटे, समीर खान,सद्दाम खान, अनवर फारूकी, लक्की अली,लड्डू खान सहित अन्य लोग शामिल रहे ।

संक्षिप्त समाचार

तेज हवा के साथ झमाझम बारिश

भागलपुर। भागलपुर में लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार सुबह शहर में तेज हवा के साथ करीब 20 से 25 मिनट तक झमाझम बारिश हुई, जिससे पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और तेज बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग और बिहार कृषि विश्वविद्यालय (सबौर) के पूर्वानुमान के अनुसार, भागलपुर में मानसून के 17 जून के आसपास पहुंचने की संभावना थी। हालांकि, मानसूनी गतिविधियां जून के अंतिम सप्ताह में प्रभावी हुईं। बारिश के बाद शहर का तापमान गिर गया, जिससे लोगों ने राहत महसूस की। हालांकि, कई निचले इलाकों और सड़कों पर जलजमाव की स्थिति भी देखने को मिली। यह बारिश किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। धान की रोपाई शुरू होने के साथ खेतों में नमी बढ़ने से खेती-किसानी को फायदा मिलने की उम्मीद है।

जिले में सामान्य से कम बारिश: पिछले वर्ष जून में भी बारिश ने निराश किया था। जून 2025 में भागलपुर जिले में केवल 44.4 मिमी. वर्षा दर्ज की गई थी, जबकि जिले की सामान्य जून वर्षा 187.4 मिमी. है। यह सामान्य से लगभग 76 प्रतिशत कम बारिश थी, जिससे कृषि और जलस्रोत दोनों प्रभावित हुए थे। इस वर्ष भी 26 जून तक जिले में वर्षा सामान्य से कम बनी हुई थी। हालांकि, जून के अंतिम सप्ताह में मानसून सक्रिय होने के बाद अच्छी बारिश का सिलसिला शुरू हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक, तेज हवाओं और मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है।

एटीएम कार्ड बदलकर धोखे से पैसे निकासी करने वाला फ्रॉड गिरफ्तार

अररिया। फारबिसगंज थाना पुलिस ने तीन दिन पहले धोखे से एटीएम कार्ड बदलकर ग्रामीण महिला के खाते से 45 हजार रूपये की निकासी करने वाला फ्रॉड को पुलिस ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक नरपतगंज के पिठोरा वार्ड संख्या 4 का रहने वाला 32 वर्षीय सावन कुमार सिंह पिता शैलेन्द्र कुमार सिंह है।तीन दिन पहले फारबिसगंज थाना क्षेत्र के लहसनगंज वार्ड संख्या 5 की रहने वाली सरिता देवी पति राजू मंडल का नया एटीएम कार्ड बदलकर पुराना एटीएम कार्ड उसे थमाते हुए 45 हजार रूपये की निकासी कर लिया था। फारबिसगंज पोस्ट ऑफिस चौक एचडीएफसी बैंक के एटीएम के पास उन्होंने फ्राडिज्म को अंजाम दिया था और पुनः वह इसी कार्य को लेकर एटीएम के आसपास मंडरा रहा था कि बैंक के सुरक्षाकर्मी और बैंककर्मियों ने उसे पकड़कर फारबिसगंज थाना पुलिस के सुपुर्द किया।गिरफ्तार युवक शातिर है और नरपतगंज,अररिया फारबिसगंज सहित कई इलाकों में एटीएम कार्ड हेरफेर कर गरीब ग्रामीणों के खाते से पैसे की निकासी की घटना को अंजाम देता रहा है।मामले को लेकर फारबिसगंज थाना में कांड दर्ज कर गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।शुक्रवार को फारबिसगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने यह जानकारी दीं

हर महीने पंचायत में होगी विकास कार्यों की खुली समीक्षा

बेगूसराय। गांवों के विकास को जनभागीदारी से जोड़ने और पंचायत स्तर पर जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में जिला प्रशासन ने पंचायत विकास दिवस के प्रभावी आयोजन की तैयारी शुरू कर दी है। अब प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पंचायत भवनों में विकास योजनाओं की समीक्षा होगी, ग्रामीण अपनी समस्याएं रख सकेंगे और उनके समाधान पर चर्चा की जाएगी। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को पंचायत विकास दिवस के सफल संचालन और नियमित अनुश्रवण का निर्देश दिया है। यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा को धरातल पर उतारना और पंचायतों को विकास एवं जनसहभागिता का प्रभावी मंच बनाना है। इसके माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे पंचायत स्तर पर रखने का अवसर मिलेगा, वहीं योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी सार्वजनिक रूप से साझा की जाएगी।पंचायत विकास दिवस में पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य तथा ग्रामीण नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" का सामूहिक श्रवण और प्रसारण भी किया जाएगा।बैठक में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जुड़े नौ प्रमुख विषयों पर क्रमवार चर्चा होगी। इसके अलावा पंचायतों में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा, ग्राम स्तर की समस्याओं की पहचान और उनके समाधान के लिए आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से पंचायत निधियों और विकास कार्यों से संबंधित वित्तीय जानकारी भी ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से साझा की जाएगी। इससे ग्रामीणों को यह जानने का अवसर मिलेगा कि पंचायत में किस योजना पर कितना खर्च हो रहा है और कौन-कौन से कार्य चल रहे हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि पंचायत विकास दिवस के दौरान लिए गए सभी निर्णयों और कार्यवाहियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर 'निर्णय' पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के आयोजन में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।जिला प्रशासन ने पंचायत प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों और ग्रामीण नागरिकों से इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है, ताकि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी और जनसमस्याओं के समाधान की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बन सके।

आपातकाल को काला दिवस बताया, जेपी आंदोलन की याद दिलाई

बेगूसराय। जेपी सेनानी मंच विष्णुपुर में आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनाया गया। बैठक में देवेंद्र प्रसाद ने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र पर काला धब्बा है। देश इसे काले दिन के रूप में याद करता है। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने सत्ता स्वार्थ और अहंकार में देश पर आपातकाल थोपा था। विश्व के बड़े लोकतंत्र की हत्या कर दी गई थी। देवेंद्र प्रसाद ने कहा कि आपातकाल के दौरान कई नेताओं, विद्यार्थियों, पत्रकारों, मीडिया को जबरदस्ती जेल में भेजा गया। इसी दौर में 1975 से महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, लालफीताशाही के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर जेपी आंदोलन चला। इसमें हजारों लोग पुलिस गोलीकांड में शहीद हुए। कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हजारों लोगों को जेल में भेजा गया। बैठक में कहा गया कि 1977 की सम्पूर्ण क्रांति ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इसके फलस्वरूप सत्ता परिवर्तन संभव हुआ। वक्ताओं ने कहा कि लोक नायक जय प्रकाश नारायण बिहार के गौरव हैं। भारत रत्न स्व जय प्रकाश नारायण का पूरा जीवन देशहित और लोकहित को समर्पित रहा। बैठक में घनश्याम राय, शशि भूषण प्रसाद सिंह, रामहित सिंह, योगेंद्र साह, शशिकांत प्रसाद दास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मनरेगा में बदलाव के विरोध में कलेक्ट्रेट पर एक जुलाई को खेतिहर मजदूर यूनियन देगा धरना

बेगूसराय। मनरेगा की पुरानी व्यवस्था बहाल करने और प्रस्तावित वीबीजी-रामजी कानून को रद्द करने की मांग को लेकर बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर यूनियन ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। यूनियन ने 1 जुलाई को जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित धरना को सफल बनाने के लिए गांव-गांव अभियान चलाने का फैसला किया है। माकपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष रामविलास सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य पर्यवेक्षक देवेंद्र चौरसिया ने कहा कि प्रस्तावित वीबीजी-रामजी कानून मजदूरों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें रोजगार की कोई गारंटी नहीं है। 60 दिनों तक काम पर रोक लगाने का प्रावधान रखा गया है। काम के बजट में राज्य सरकार की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, पूर्व में लागू मनरेगा कानून के तहत ग्रामीण मजदूरों को 100 दिनों के रोजगार की गारंटी थी। काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिलता था। बजट में राज्य का मात्र 10 प्रतिशत अंशदान निर्धारित था।

मोहर्रम पर निकला जुलूस, शहरी क्षेत्र में अतिरिक्त जवान तैनात

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में मुहर्रम को लेकर जुलूस निकाला गया है। कोतवाली चौक स्थित इमामबाड़ा से निकला ऐतिहासिक ताज़िया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया है। मोहर्रम को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में हैं। अलग-अलग इलाकों क्षेत्रों में संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक कंपनी भी उपलब्ध कराई गई है, जिसे जरूरत के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त किया जा रहा है। सिटी एसपी अतुलेश झा ने बताया कि शहरी क्षेत्र में नियमित थाना बल से अलग करीब 750 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती की गई है। विधि-व्यवस्था संभालने वाले अन्य थाना क्षेत्रों में 350 से अधिक जवानों को लगाया गया है। कहलगांव अनुमंडल क्षेत्र में भी लगभग 350 अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की योजना बनाई गई है। संयुक्त आदेश के तहत चिन्हित महत्वपूर्ण स्थानों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। सभी सर्किल इंस्पेक्टरों और एसडीपीओ के साथ विशेष क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) को भी जोड़ा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

क्यूआरटी टीम को एक्टिव रखा गया है: छोटे इलाकों में तैनात अधिकारियों के साथ चार जवानों वाली क्यूआरटी और बड़े क्षेत्रों में छह जवानों वाली क्यूआरटी बनाई गई है। एसडीपीओ स्तर के अधिकारियों के साथ एक-दस जवानों की टीम तैनात रहेगी। जिलेभर में लगभग डेढ़ दर्जन क्यूआरटी टीमों को सक्रिय रखा गया है। इसके अतिरिक्त चार से पांच दंगा नियंत्रण रिजर्व टीमों को भी तैयार रखा गया है। टियर गैस पार्टी एवं वाटर कैनन पार्टी को भी रेडी रिजर्व में रखा गया है। संवेदनशील इलाकों के संबंध में सिटी एसपी ने कहा कि कुछ स्थानों की पहचान खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई है। इसके अलावा पूर्व में विवाद या घटना वाले क्षेत्रों और घनी आबादी वाले इलाकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस तकनीकी माध्यमों और मानव खुफिया तंत्र (ह्यूमन इंटेलिजेंस) दोनों के जरिए लगातार सूचनाएं जुटा रही है।

जुलूस के लिए लाइसेंस जारी किया गया है: ताजिया जुलूस की ऊंचाई को लेकर भी प्रशासन ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सिटी एसपी ने बताया कि अनुमंडल प्रशासन की ओर से जारी लाइसेंस की शर्तों में इसका उल्लेख किया गया है।

नशा मुक्ति का लिया गया संकल्प

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर कोर्ट परिसर में अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडिशनल जज राज नारायण निगम ने किया। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों, कर्मियों और मौके पर मौजूद लोगों ने नशा मुक्ति की शपथ लेते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडिशनल जज राज नारायण निगम ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए अत्यंत घातक है। इससे न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए केवल प्रशासनिक प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है।

नशा मुक्त बनाने का संकल्प: कार्यक्रम के दौरान मौजूद सभी लोगों ने सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ ली। शपथ में सभी ने यह संकल्प दोहराया कि वे कभी भी नशीली दवाओं या अन्य किसी भी प्रकार के नशीले उत्पादों का सेवन नहीं करेंगे। अपने परिजनों और परिचितों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही कार्यालय परिसर को नशामुक्त रखने और सहकर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

थाना में नशा करने का वीडियो वायरल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के अमडंडा थाना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में थाना हाजत के अंदर दो युवक बारी-बारी से नशीले पदार्थ का सेवन करते दिखाई दे रहे है। वे खुद ही वीडियो भी बना रहे है। वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि अमडंडा थाना पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया था। बाद में रुपये लेकर एक युवक को छोड़ दिया गया। हालांकि, अभी तक दोनों युवक की पहचान नहीं हुई है। साथ ही ये भी पता नहीं चल पाया है कि इन्हें किस आरोप में पकड़ा गया था। स्थानीय लोगों ने ऑफ कैमरा यह भी आरोप लगाया कि थाना में बिना पैसे लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। कुछ लोगों का दावा है कि पहले कोर्ट से आदेश मिलने के बावजूद एक ट्रैक्टर को कई दिनों तक थाना में रोक कर रखा गया था।

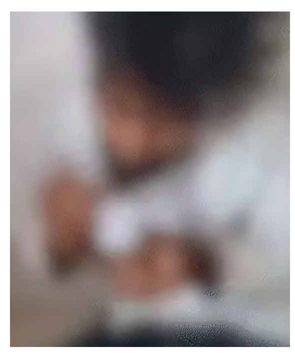

मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही पुलिस: यह मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि जिले में पुलिस प्रशासन मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने जानकारी दी है। इन्होंने बताया है कि उन्हें अब तक वायरल वीडियो की जानकारी नहीं थी। अब वीडियो मिला है। इसके बाद इसे कहलगांव एसडीपीओ को भेज कर उनसे जांच कराई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नशा पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में पैर पसार रही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और उसकी अवैध तस्करी के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना था। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने नशा मुक्ति के लिए शपथ ली। साथ ही, आम नागरिकों को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों से अवगत कराकर उन्हें जागरूक करने की रणनीति पर चर्चा की गई। व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायाधीशों के साथ-साथ कर्मचारी और विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

न्यायाधीशों और कर्मियों ने लिया संकल्प: प्राधिकार के सचिव अवर न्यायाधीश करुणानिधि प्रसाद आर्य ने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। एक नशा मुक्त समाज का निर्माण ही हमारी असली सफलता होगी। नशा किस तरह इंसान को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से खोखला कर देता है। उन्होंने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए संकल्प दिलाया। इस जागरूकता कार्यक्रम में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश विजेंद्र कुमार, उत्पाद न्यायालय के विशेष न्यायाधीश श्रीराम झा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (अष्टम) वेद प्रकाश मोदी के अलावा अन्य न्यायिक दंडाधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सौरभ कुमार और इंद्रसेन शर्मा मौजूद थे। विधिक सेवा प्राधिकार की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल न्यायपालिका से जुड़े लोगों में बल्कि आम जनता के बीच भी एक कड़ा संदेश जाएगा। नशे के सौदागरों और इसके चंगुल में फंस रहे युवाओं को बचाना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का खेलो बखरी प्रतियोगिता शुरू, सैकड़ों प्रतिभागी शामिल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) की ओर से शकरपुरा उच्च विद्यालय मैदान में खेलो बखरी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिसमें सैकड़ों धावकों ने दौड़ लगाया। उद्घाटन आरएसएस के जिला संचालक मनोरंजन वर्मा, थानाध्यक्ष अरविंद कुमार यादव, डॉ. मनीष कुमार, विनोद शर्मा, राजू कुशवाहा, नगर अध्यक्ष अशोक प्रियदर्शी और जिला संयोजक अनुभव आनंद ने झंडी दिखाकर किया छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए बखरी थानाध्यक्ष ने कहा कि युवा ही देश के भविष्य हैं। सफलता प्राप्ति के लिए युवाओं को संघर्ष से पीछे नहीं हटना चाहिए। अभाविप की ओर से प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ और संबल बनाने के प्रयास सराहनीय हैं। हम सभी को खेल से जुड़ना चाहिए। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं। बल्कि यह मानसिक विकास और सामाजिक संबंधों को भी बढ़ावा देते हैं।

नियमित रूप से खेल में हिस्सा लेना चाहिए: जिला संचालक मनोरंजन वर्मा और डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि खेलकूद सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है। यह हमारे शरीर को मजबूत, दिमाग को तेज और चरित्र को अनुशासित रखकर स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने का एक तरीका भी प्रदान करते हैं। इसीलिए सभी को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। प्रतियोगिता के संयोजक दिलखुश कुमार ने बताया कि आज पहले दिन ग्रुप-सी से बालिका वर्ग में 1600 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मीठी, द्वितीय स्थान पर ममता एवं तृतीय स्थान पर सोनी रही। बालक वर्ग में प्रथम स्थान सिंटू एवं द्वितीय स्थान आशुतोष ने प्राप्त किया।

ग्रुप ए और ग्रुप बी में शामिल खिलाड़ी: 400 मीटर दौड़ में ग्रुप-ए से शारदा, मुस्कान, ऋचा, काजल, साक्षी, श्वेता, शिवम, रौशन, सौरभ, मो. हसन, दीपांशु, अनिकेत और ग्रुप-बी से अभिलाषा, शिवानी, पूजा, रौशन, शिवम, राजा ने अगले राउंड के लिए क्वालीफाई किया। मौके पर नगर मंत्री सौरभ कुमार, नगर सहमंत्री पुष्पम कुमार, सुशांत पोद्दार, मणिरत्नम, राजकमल, विशाल वशिष्ठ, नीतीश, मनीष, नीरज, अमन, प्रियांशु एवं दीनदयाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भीड़ में सुशीला को देखा, दिल दे बैठा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। 'हम दोनों की प्रेम कहानी 5 साल पुरानी है। हम दोनों की मुलाकात साल 2021 में हुई थी। तब मैं अपनी चचेरी बहन के ससुराल गया था। वहां एक स्टेज प्रोग्राम था। मैं पेशे से कलाकार हूं, स्टेज प्रोग्राम में नगाड़ा, ढोल बजाता हूं। प्रोग्राम के दौरान मेरी नजर स्टेज के नीचे भीड़ में खड़ी एक लड़की पर पड़ी। पहली नजर में मुझे उससे प्यार हो गया। हालांकि, मुझे जल्द ही पता चल गया कि मैं जिससे प्यार कर रहा हूं, वो लड़की नहीं किन्नर है। इसके बावजूद, मैंने अपने प्यार का इजहार किया। आज हम दोनों पति-पत्नी हैं।' बेगूसराय के संजात गांव के रहने वाले 21 साल के विकास कुमार ने दैनिक भास्कर से बातचीत में ये बातें कही। दरअसल, विकास ने मंझौल की रहने वाली 22 साल की सुशीला से शादी की है। सुशीला जन्म से ही किन्नर है। विकास और सुशीला ने 5 साल पहले घरवालों को बिना बताए कोर्ट मैरिज की थी। किन्नर से शादी की जानकारी विकास के घरवालों को मिली तो काफी हंगामा हुआ। हालांकि, लंबे समय तक मनाने के बाद विकास के घरवालों ने रिश्ते को मंजूरी दे दी। एक महीने पहले ही विकास धूमधाम से अपने घर से बारात लेकर सुशीला के घर पहुंचा था। जहां हिंदू रीति-रिवाजों के साथ दोनों की शादी हुई। विकास और सुशीला की शादी का वीडियो अब सामने आया है। किन्नर से लड़के की शादी की जानकारी के बाद दैनिक भास्कर रिपोर्टर ने नवविवाहित जोड़े से मुलाकात की और उनकी प्रेम कहानी के बारे में बातचीत की। पढ़िए, पूरी रिपोर्ट।

ऑपरेशन प्रहार के तहत आरएस थाना पुलिस ने 101 ग्राम स्मैक के साथ दो युवक को किया गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया एसपी जितेन्द्र कुमार के निर्देश पर पूरे जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है।इसी क्रम में आरएस थाना पुलिस की ओर से अररिया रानीगंज मुख्य मार्ग एनएच 327ई में वाहन चेकिंग के दौरान पल्सर बाइक पर सवार दो युवकों के पास से 101 ग्राम स्मैक बरामद किया गया।गिरफ्तार दोनों युवक रानीगंज थाना क्षेत्र के नड़की वार्ड संख्या चार का रहने वाला है,जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।स्मैक के साथ गिरफ्तार युवकों में 28 वर्षीय रवि कुमार पिता अशोक सिंह और 23 वर्षीय गुलशन कुमार पिता पृथ्वीचंद यादव है।शुक्रवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। सदर एसडीपीओ ने बताया कि आरएस थाना पुलिस की ओर से अररिया-रानीगंज मुख्य मार्ग एनएच 327ई में स्टार ग्लोबल स्कूल के पास मुहर्रम में विधि व्यवस्था को लेकर नियमित तौर पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी क्रम में अररिया की ओर से एक तेज पल्सर बाइक संख्या बीआर38एआर-1095 पुलिस की वाहन चेकिंग को देखकर भागने का प्रयास किया,जिसे पुलिस के अधिकारी और जवानों के द्वारा खदेड़ कर पकड़ा गया।पुलिस के द्वारा युवकों को तलाशी लेने के क्रम में रवि कुमार के पास से प्लास्टिक बॉक्स में छिपाकर रखे गए 101 ग्राम स्मैक की बरामदगी की गई।पुलिस ने बाइक समेत दोनों के पास से दो मोबाइल भी जब्त किया।मामले को लेकर आरएस थाना में कांड संख्या 144/26 धारा 8(सी),21(बी) और 25 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई में थाना अध्यक्ष अंकुर कुमार सब इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार, सौदागर कुमार,एसआई गणेश साह,होमगार्ड के जवान अंजार आलम, नेहा कुमारी और चौकीदार अशरफ शामिल थे।

एसएसबी और फारबिसगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 31.70 ग्राम स्मैक

अररिया । सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं वाहिनी की डी समवाय कुशमाहा की बाह्य सीमा चौकी वेरियारी की टीम ने फारबिसगंज थाना पुलिस के साथ भागकोहलिया में छापेमारी कर 31.70 ग्राम स्मैक के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया। एसएसबी और पुलिस की ओर से हुए ज्वाइंट छापेमारी में स्मैक के अलावा दो वजन मापी इलेक्ट्रिक मशीन,दो मोबाइल,दो बियर, स्कैनर,एल्यूमिनियम फॉइल,छोटा चालू,एक हीरो शाइन 125 एसपी बाइक,11 हजार रूपये नगद और दो आधार कार्ड,एक वोटर कार्ड और एक पैन कार्ड जब्त किया गया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20डी-24, दिनांक 22.06.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए **निविदा क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20डी-24** के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** हावड़ा के झील साइडिंग कोचिंग डिपो में ट्रेन सेट मेंटेनेंस सुविधा की स्थापना के संबंध में 25 केवी एसी ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और आरंभ। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 3,57,83,331.20, **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 7,15,700/-, **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 18 (अठारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 14.07.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/ वर्णन/ विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-173/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

ट्रक की चपेट में आने से ड्राइवर की मौत

आरा। बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र में सीमेंट फैक्ट्री के पास ट्रक की चपेट में आने एक ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक राजू कुमार(28) सारण (छपरा) जिला के पहलेजा गांव का रहने वाला था। मृतक के परिजन ने बताया कि बुधवार को ट्रक पर सीमेंट लोड कर रघुनाथपुर-सिकरिया मार्ग स्थित सीमेंट फैक्ट्री में अनलोड करने गया था। ट्रक के पीछे खड़ा होकर बैक करवा रहा था। इस दौरान गाड़ी उसपर चढ़ गई। जिससे उसे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आरा सदर हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया। मृतक पांच भाई-बहन में सबसे छोटा था। परिवार में मां सुकिया देवी, पत्नी संजू देवी और एक पुत्री साक्षी है। घटना के बाद में घर में कोहराम मच गया है। मां, पत्नी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

15 केंद्रों पर कड़े पहरे के बीच 55%परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

आरा। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार, पटना के तत्वावधान में विशेष शाखा में सिपाही (सामान्य बंद संवर्ग) के पदों पर नियुक्ति को लेकर आयोजित लिखित परीक्षा बुधवार को भोजपुर जिले में पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वच्छ और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हो गई। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी की वजह से परीक्षार्थियों की उपस्थिति 55% रही। सुबह से ही सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों की उपस्थित रही। इस बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी व निष्पक्ष बनाने के लिए भोजपुर जिला प्रशासन ने अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए थे। परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिलाधिकारी को परीक्षा संयोजक तथा पुलिस अधीक्षक को सहायक परीक्षा संयोजक नामित किया गया था। दोनों शीर्ष अधिकारियों की सीधी देखरेख में जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इसके अलावा,जिला प्रशासन की विशेष उड़नदस्ता टीमें दिनभर एक केंद्र से दूसरे केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेती रहीं। दो अलग-अलग सत्रों में हुई परीक्षा, बायोमेट्रिक जांच के बाद मिली एंट्री प्रशासनिक गाइडलाइंस के अनुसार, अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर रिपोर्टिंग का समय सुबह आठ बजे निर्धारित किया गया था। केंद्र के मुख्य द्वार पर ही सभी परीक्षार्थियों की त्रिस्तरीय सघन चेकिंग की गई। एडमिट कार्ड के मिलान, थंब इम्प्रैशन और सख्त बायोमेट्रिक जांच के बाद ही किसी भी परीक्षार्थी को परिसर के भीतर प्रवेश करने की अनुमति दी गई। यह लिखित परीक्षा दो अलग-अलग सत्रों (पालियों) में आयोजित की गई थी, जिसमें अभ्यर्थियों को दो अलग-अलग प्रश्न पत्रों का सामना करना पड़ा। प्रत्येक परीक्षा की अवधि 90 मिनट निर्धारित थी। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10:00 बजे से शुरू होकर 11:30 बजे तक चली। इसके तुरंत बाद आधे घंटे के अंतराल पर द्वितीय पाली की परीक्षा मध्याह्न 12:00 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 01:30 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा हॉल के भीतर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और मोबाइल के उपयोग को पूरी तरह रोकने के लिए हाई-टेक जैमर्स का इस्तेमाल किया गया था, जिससे परीक्षा की शुचिता बरकरार रही। इन 15 प्रमुख केंद्रों पर आयोजित हुई परीक्षा भोजपुर जिला मुख्यालय और आरा शहर के कुल 15 केंद्रों पर इस परीक्षा का सफल संचालन किया गया। इनमें एचडी जैन कॉलेज, एच०एन०के० +2 स्कूल, गवर्नमेंट गर्ल्स +2 हाई स्कूल, पयहारी महाराज जी कॉलेज, ज्ञानोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मानो बैजनाथ हाई स्कूल, कुलहड़िया, संजय गाँधी कॉलेज, आदर्श मध्य विद्यालय , टाउन +2 स्कूल, मॉडल इंस्टीट्यूट +2 हाई स्कूल, राजकीयकृत श्री जैन कन्या पाठशाला +2 स्कूल, डॉ० नेमीचन्द शास्त्री गर्ल्स +2 स्कूल, हर प्रसाद दास जैन +2 स्कूल, अमीरचन्द बालिका +2 स्कूल और आर० बी० एस० पब्लिक स्कूल शामिल है।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

बक्सर। गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सदर प्रखंड परिसर बक्सर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम साहिला एवं एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से वेयरहाउस का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वेयरहाउस में स्थापित सुरक्षा प्रबंधों की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की तथा अग्निशमन यंत्रों की स्थिति और उनकी उपयोगिता का भी परीक्षण किया। साथ ही वेयरहाउस में साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मौके पर मौजूद अवर निर्वाचन पदाधिकारी को वेयरहाउस की सुरक्षा एवं रखरखाव से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए।

डीएम ने 21 मामलों की सुनवाई की

बक्सर। बक्सर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में डीएम साहिला ने लोक शिकायत निवारण से संबंधित द्वितीय अपील मामलों की सुनवाई की। सुनवाई प्रक्रिया कार्यालय कक्ष के साथ-साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। डीएम ने कुल 21 मामलों की सुनवाई की। इनमें 20 मामले लोक शिकायत अधिकार निवारण अधिनियम से संबंधित तथा 1 मामला सेवा शिकायत से जुड़ा था। सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर विस्तार से विचार किया गया और संबंधित अधिकारियों से अद्यतन प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। समीक्षा के बाद 9 मामलों का निष्पादन जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया, जबकि शेष मामलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम जनता की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक शिकायत निवारण व्यवस्था का उद्देश्य लोगों को त्वरित न्याय एवं प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

गर्मी में घंटों बिजली कटौती से त्रस्त लोग

बक्सर। डीएम के द्वारा जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देशों के बावजूद बिजली कम्पनी की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। भीषण गर्मी के बीच उपभोक्ताओं को भारी कटौती का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला बक्सर औद्योगिक पावर हाउस के गंगा ब्रिज फीडर का है, जहां दोपहर 2:30 बजे अचानक बिजली गुल हो गई। साढ़े तीन घंटे तक लोग उमस और गर्मी से तड़पते रहे, जिसके बाद शाम 6 बजे जैसे-तैसे आपूर्ति बहाल की जा सकी। लेकिन उपभोक्ताओं को राहत मिलती, इससे पहले ही महज एक घंटे बाद यानी शाम 7 बजे फिर से बिजली काट दी गई।

मुहर्रम को ले 267 मजिस्ट्रेट की निगरानी में 107 ताजिया जुलूस

बक्सर। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। डीएम.साहिला और एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से शहर के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा लोगों से शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च ज्योति चौक, खलासी मुहल्ला, यमुना चौक, ठठेरी बाजार, बड़ी मस्जिद होते हुए मॉडल थाना तक निकाला गया। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की टीम भी मौजूद रही। मुहर्रम के मद्देनजर जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने 128 स्टैटिक मजिस्ट्रेट पुलिस पदाधिकारी, 31 गश्ती दल, 2 जोनल मजिस्ट्रेट तथा 2 क्यूआरटी टीमों की प्रतिनियुक्ति की है। इसके अलावा 106 ताजिया जुलूसों के साथ दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। प्रशासन के अनुसार जिले में कुल 107 लाइसेंसी ताजिया जुलूस निकाले जाएंगे, जिनमें बक्सर अनुमंडल में 48 और डुमरांव अनुमंडल में 59 जुलूस शामिल हैं। 25 जून से ताजिया की मिट्टी लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जबकि 26 जून को शहादत की रात और 27 जून को पहलाम का कार्यक्रम आयोजित होगा।

मुहर्रम पर 107 अखाड़ों का निकला ताजिया जुलूस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर में शुक्रवार को मुहर्रम के अवसर पर गम और मातम का माहौल रहा। जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों से पारंपरिक ताजिया जुलूस निकाले गए, जिनमें हजारों अकीदतमंदों ने हिस्सा लिया। 'या हुसैन... या अली...' की सदाओं के बीच लोगों ने करबला के शहीदों को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। बक्सर शहर के साथ-साथ सिमरी, ब्रह्मपुर, चौसा, राजपुर, इटाढ़ी, नावानगर, चक्की और डुमरांव सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में भी ताजिया जुलूस निकाले गए। इन जुलूसों में स्थानीय अखाड़ों के युवाओं ने डंडा-बाजी, तलवारबाजी और लाठी प्रदर्शन जैसे पारंपरिक युद्ध-कला के हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। कुल 107 अखाड़ों द्वारा बनाए गए आकर्षक ताजियों को देखने के लिए भी भारी भीड़ उमड़ी।

शहादत की याद में मनाया जाता है मुहर्रमः मुस्लिम अनुयायियों द्वारा मुहर्रम के नौवें और दसवें दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता है और रोजा रखा जाता है। यह पर्व पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाता है। हिजरी वर्ष का यह पहला महीना 'शहादत का महीना' भी कहलाता है। मुस्लिम समुदाय एक महीने से इस मातमी त्योहार की तैयारी में लगा था, और नौवें व दसवें दिन मस्जिदों तथा घरों में अल्लाह की इबादत की गई। मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की थी। जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा और दंडाधिकारी भी मुस्तैद दिखे। कई संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक स्वयं स्थिति पर नजर बनाए हुए थे और व्यवस्था की समीक्षा के लिए विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते रहे।

यमुना चौक पर कराया गया ताजियों का मिलनः डुमरांव के इमामबाड़ा से निकले जुलूस की भव्यता देखने को मिल रहा है। वहीं बक्सर शहर के सरिमपुर से लगायत नई बाजार, सोहनीपट्टी, थाना रोड, मुसफिरगंज आदि जगहों से अखाड़े निकाले गए। जहां यमुना चौक पर ताजियों का मिलन कराया गया। ताजिया निकाले गए जो तय मार्ग से होते हुए कर्बला मैदान पहुंचेगा जहां उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जायेगा। कुल मिलाकर जिले में मुहर्रम का आयोजन पूरी शांति, श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाया जा रहा है ।जिसने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की। वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक तैयारी भी चुस्त दुरुस्त है।प्रशासन ने सुरक्षा के लिए 128 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 31 गश्ती दल, 2 क्यूआरटी टीम समेत भारी पुलिस बल तैनात किया है।जिले में कुल 107 लाइसेंसी ताजिया जुलूस निकाले जाएंगे।

भाजपा ने कार्यालय में मनाया " काला दिवस', आपातकाल के सेनानियों को किया नमन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की ओर से गुरुवार को अहिरौली स्थित पार्टी कार्यालय में "काला दिवस" मनाया गया। देश में कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में लोकतंत्र के प्रहरियों का अभिनंदन किया गया और शहीद योद्धाओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।मौके पर आपातकाल के विरुद्ध कड़ा संघर्ष करने वाले वरिष्ठ सेनानियों में अक्षयबर दुबे, निखिल श्रीवास्तव, रासविहारी दुबे, राम बिनोद चौधरी और मुन्ना खरवार को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला उपाध्यक्ष निर्भय राय ने कहा कि 25 जून 1975 की रात भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय थी। सत्ता के अहंकार में चूर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने संविधान को ताक पर रखकर देश पर आपातकाल थोपा, लाखों देशवासियों, पत्रकारों और विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया।बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सच्चिदानंद भगत, राणा प्रताप सिंह, लक्ष्मण शर्मा और कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मिठाई सिंह सहित कई प्रमुख वक्ताओं ने आपातकाल के दौर पर व्यापक चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री धनन्जय त्रिगुण ने किया। मौके पर रमेश गुप्ता, संध्या पाण्डेय, भुटेली तिवारी, दिलीप चन्द्रवंशी, हामिद खान, उमाकांत पांडेय, उमाशंकर राय आदि थे।

गोली मारकर मजदूर की हत्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। आरा में गुरुवार रात हथियारबंद बदमाशों ने एक मजदूर को गोली मार दी। काफी करीब से दाहिने साइड पेट में गोली मारी गई है। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान श्री टोला वार्ड नंबर-36 निवासी चंदन यादव(28) के तौर पर हुई है। घटना टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा पुल की है। पिता विजय यादव ने बताया कि चंदन घर से पैसा लेकर धरहपा-मुसहर टोली गया था। वहां धीरज ने मेरे बेटे से खाने-पीने के लिए 2 हजार रुपए मांगा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसने गोली मार दी।

चंदन ने 2 शादी की थीः वहीं, दूसरी पत्नी सीमा देवी ने बताया कि पति काम करने के लिए शीतल टोला आते थे। इसी बीच दोनों में मुलाकात हुई। कुछ दिन तक फोन पर बात करने के बाद चंदन ने मुझसे शादी कर ली। धीरे-धीरे दोनों के परिवारों के लोगों को जानकारी हुई। उसके बाद भी मेरे पति अपने घर लेकर नहीं गए। उसने पहली पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। पहली शादी में भी लव मैरिज की थी। हालांकि उसकी हत्या किसने और क्यों कि है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। किसी से दुश्मनी थी या नहीं, इस बारे में भी कुछ पता नहीं है।

घर में मचा कोहरामः सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक किसी लड़की से मिलने के लिए गया था। इसके कारण उसकी हत्या करने की बात सामने आ रही है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है। तीन भाई-बहन में सबसे छोटा था।

ये एनकाउंटर नहीं, नृशंस हत्या का मामला है

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुरी सिंगर ने शुक्रवार को शाहपुर के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी की मां और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। रितेश पांडे ने भरत की मां, पिता, भाई और बहन से मिलकर घटना पर गहरा दुख जताया। मुलाकात के बाद सिंगर ने कहा कि इस घटना को एनकाउंटर नहीं बल्कि नृशंस हत्या कहा जाना चाहिए। रितेश पांडेय ने कहा कि भरत तिवारी गरीबों और जरूरतमंदों की आवाज उठाने वाले युवा थे, जिनकी मौत ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि घटना के बारे में जानकर उनका मन आक्रोश और पीड़ा से भर गया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले जब मैंने इस पूरे मामले को देखा, तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। मन में यही आया कि हम उन्हें सिर्फ भरत तिवारी नहीं कहेंगे, बल्कि शहीद भरत तिवारी कहेंगे। शहीद भरत तिवारी समाज के वंचित, गरीब और जरूरतमंद लोगों की आवाज उठाने का काम कर रहे थे। उनकी एक तरह से बलि दे दी गई।

'भरत का परिवार अकेला नहीं है, हम सब उनके साथ हैं': रितेश ने आगे कहा कि वे केवल संवेदना व्यक्त करने नहीं, बल्कि यह भरोसा दिलाने आए हैं कि न्याय की लड़ाई में परिवार अकेला नहीं है। "हमारी जितनी भी क्षमता होगी, हम उसके अनुसार योगदान देंगे, ताकि शहीद भरत तिवारी और उनके परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने ये भी कहा कि भरत के छोटे भाई ने उन्हें बताया है कि प्रशासन की ओर से परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है और धमकियां दी जा रही हैं। अगर ऐसा हो रहा है तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गलत है। जिस परिवार ने अपना बेटा खोया है, उसे डराने-धमकाने के बजाय न्याय दिया जाना चाहिए।

भरत एनकाउंटर की सीबीआई जांच की मांग को दिया समर्थनः रितेश पांडे ने भरत तिवारी एनकाउंटर की सीबीआई जांच की मांग को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि परिवार की स्पष्ट मांग है कि इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच हो। परिवार के साथ इतना बड़ा अन्याय हुआ है कि सरकार को उनकी यह मांग मान लेनी चाहिए। जल्द से जल्द सीबीआई जांच होनी चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके और सच्चाई देश के सामने आए। रितेश पांडे ने कहा कि उनके अनुसार सामने आए वीडियो में साफ दिखाई देता है कि भरत तिवारी ने अपना हथियार फेंक दिया था, इसके बावजूद उन्हें गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि वीडियो देखकर यही लगता है कि हथियार छोड़ने के बाद भी उन्हें मार दिया गया। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है। जब उनसे सरकार पर भरोसे को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे जांच पर भरोसा है। मुझे भारत की न्यायपालिका और संविधान पर पूरा विश्वास है। मुझे उम्मीद है कि न्याय जरूर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन अधिकारियों पर परिवार आरोप लगा रहा है, यदि वही अधिकारी जांच प्रक्रिया में शामिल रहेंगे तो निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। अगर जिन पदाधिकारियों पर आरोप हैं, वही जांच करेंगे तो निष्पक्ष जांच कैसे होगी? इसलिए स्वतंत्र एजेंसी से जांच होनी चाहिए।

निर्जला एकादशी पर रामरेखा घाट पर जनसैलाब

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पवित्र निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर गुरुवार को बक्सर के ऐतिहासिक रामरेखा घाट समेत अन्य गंगा घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। तपती गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद अहले सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा में डुबकी लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरा घाट इलाका "हर हर गंगे" और "जय श्री हरि" के जयघोष से गुंजायमान रहा। गंगा स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की और एकादशी व्रत कथा सुनी। इस विशेष तिथि पर दान-पुण्य का विशेष महत्व होने के कारण भक्तों ने सत्तू, पंखा, छाता, वस्त्र, फल और शीतल जल का दान किया। विद्वान पंडित आचार्य रणधीर ओझा ने निर्जला एकादशी के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष भर की

24 एकादशियों में ज्येष्ठ मास की यह निर्जला एकादशी सबसे श्रेष्ठ और अक्षय फल प्रदान करने वाली है। इसे "भीमसेनी एकादशी" भी कहा जाता है। पद्मपुराण का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु इस दिन बिना जल ग्रहण किए पूरी निष्ठा से भगवान विष्णु की आराधना करते हैं, वे समस्त पापों से मुक्त होकर बैकुंठ लोक को प्राप्त करते हैं। बच्चों के मुंडन संस्कार के लिए शहर के रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं का तांता अहले सुबह से ही लग गया। शुभ मुहूर्त के कारण भीड़ इतनी बढ़ी कि रामरेखा घाट मुख्य द्वार से गंगा घाट को जानेवाला रास्ता और गंगा घाट श्रद्धालुओं से पट गया। सड़क से लेकर रामरेखा घाट तक मानों पैर रखने तक की जगह नहीं हो।

जनता दरबार के आवेदनों के त्वरित निष्पादन पर डीएम सख्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन को लेकर डीएम साहिला ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त लंबित आवेदनों का जल्द निष्पादन सुनिश्चित करते हुए उसकी अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी

भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदकों की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। इसके माध्यम से आवेदक घर बैठे अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति और प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डीएम ने इसे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। समीक्षा के दौरान जिन कार्यालयों में सर्वाधिक आवेदन लंबित पाए गए, उनके कार्यालय अधीक्षकों को लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही ऐसे मामलों की 'नेगेटिव लिस्ट' तैयार करने को कहा गया, जिनका निष्पादन न्यायालय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकार के स्तर पर किया जाना है।

नारियल पानी पिला तुड़वाया आमरण अनशन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

ब्रह्मपुर। नैनीजोर में जनहित से जुड़ी 11 सूत्री मांगों को लेकर पिछले नौ दिनों से चल रहा धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन गुरुवार को प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) राकेश कुमार ने अनशनकारी मैनेजर यादव को नारियल पानी पिलाकर आमरण अनशन तुड़वाया और मांगों के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।आमरण अनशन समाप्त होने के बाद एसडीएम ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से विस्तार से बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि बदलैया से बिहार घाट तक सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने, ढाबी गांव जाने वाली सड़क के लिए भूमि अधिग्रहण, नैनीजोर अस्पताल भवन निर्माण, गंगा नदी के कटाव की स्थायी रोकथाम तथा पत्थर पिचिंग सहित सभी मांगों पर संबंधित विभागों को पत्र भेजकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अप्रैल व मई में 300 फीसदी अधिक बारिश, जून माह में 57 फीसदी कम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। जिले में मॉनसून की बेरूखी से किसान चिंतित हैं, वहीं आम जन उमस भरी गर्मी तीखी धूप से परेशान हैं। गर्मी का सितम यह है कि जून माह के अंतिम सप्ताह चल रहा है। लेकिन वर्षा नहीं होने के कारण मई की तपीश का अहसास हो रहा है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मई माह में हुई झमाझम बारिश के बाद अब जून माह के 7 व 11 जून को वर्षा हुई थी। इसके बाद मॉनसून कमजोर पड़ गया है। जिसके कारण से जिले के लोग एक बार फिर से उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। बारिश नहीं होने के कारण किसान भी चिंतित दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल खेतों में नहरों की पानी का असर है, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतेगा और बारिश नहीं होगी तो धान की खेती पर असर पड़ेगा। जिले का अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य का दुसरा तो न्यूनतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जिले के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई, जिससे तापमान में थोड़ी नरमी रही। यदि वर्षा की बात करें तो जून महीने में 2 दिन हीं वर्षा हुई। इस वर्ष का वर्षा चार्ट (मिमी) महीना सामान्य वर्षा औसत वर्षा स्थिति जनवरी 18.20 00 पूरी तरह सूखा फरवरी 18.70 00 पूरी तरह सूखा मार्च

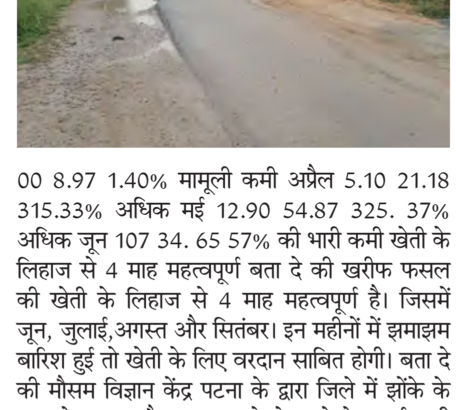

00 8.97 1.40% मामूली कमी अप्रैल 5.10 21.18 315.33% अधिक मई 12.90 54.87 325. 37% अधिक जून 107 34. 65 57% की भारी कमी खेती के लिहाज से 4 माह महत्वपूर्ण बता दे की खरीफ फसल की खेती के लिहाज से 4 माह महत्वपूर्ण है। जिसमें जून, जुलाई,अगस्त और सितंबर। इन महीनों में झमाझम बारिश हुई तो खेती के लिए वरदान साबित होगी। बता दे की मौसम विज्ञान केंद्र पटना के द्वारा जिले में झोंके के साथ तेज हवा और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है लेकिन सारी अनुमान फेल होती जा रहे हैं। मौसम मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह झमाझम बारिश होनी थी संभावना है जिससे तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

29 जून से सुबह 10 से शाम 5:30 बजे तक होंगे न्यायिक कार्य

बक्सर। व्यवहार न्यायालय बक्सर और अनुमंडल न्यायालय डुमरांव की अदालतों में 29 जून से न्यायिक कार्यों का समय बदल जाएगा। प्रातःकालीन व्यवस्था समाप्त होने के बाद सभी अदालतें अब सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक दिवाकालीन समय-सारिणी के अनुसार संचालित होंगी। इससे न्यायिक कार्यवाही पूर्ववत नियमित समय पर शुरू होगी और अदालतों से जुड़े लोगों को नई व्यवस्था के अनुसार अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। प्रभारी प्रशासन न्यायालय राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में लागू प्रातःकालीन न्यायालय व्यवस्था 27 जून तक ही प्रभावी रहेगी। इसके बाद 29 जून से व्यवहार न्यायालय बक्सर एवं अनुमंडल न्यायालय डुमरांव की सभी अदालतें निर्धारित दिवाकालीन समय के अनुसार कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में सभी प्रकार की न्यायिक कार्यवाही नियमित रूप से संपादित की जाएगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम पर वैशाली प्रशासन अलर्ट, दी कड़ी चेतावनीःSDPO सुबोध कुमार ने कमान संभाली, ड्रोन से मॉनिटरिंग

हाजीपुर। वैशाली में मुहर्रम पर्व और तजिया विसर्जन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इसी क्रम में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार, बीडीओ मनीष भारद्वाज और थाना प्रभारी रवि प्रकाश के नेतृत्व में सशस्त्र पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। जिला शांति समिति की बैठक में तजिया विसर्जन करने वाले अखाड़ों से संबंधित प्रशासनिक एहतियात पर पहले ही चर्चा हो चुकी थी। प्रशासन ने इस बार संबंधित अखाड़ों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्णय लिया है। एसडीपीओ सुबोध कुमार ने चेतावनी दी कि सौहार्द बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें 15 से 20 वर्षों तक कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी अखाड़ों के लिए अलग-अलग मानक तय किए गए हैं, जिनके अनुसार ही जुलूस निकाले जाएंगे। यदि कोई भी आपत्तिजनक गाना, शायरी या दूसरे धर्म के खिलाफ भड़काऊ गाना बजाता है, तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। क्षेत्र में जगह-जगह मजिस्ट्रेट की देखरेख में पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके अतिरिक्त, तजिया जुलूस की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। मोहर्रम पर्व के अवसर पर वैशाली पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। जिले के सभी इबादतगाहों, संवेदनशील क्षेत्रों और जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस पदाधिकारी स्वयं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। प्रशासन ने आमजनों से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की है। किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को देने का अनुरोध किया गया है, ताकि मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

वैशाली में एसटीएफ ने वांछित आरोपी किया अरेस्ट, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी और हत्या के 4 मामले दर्ज

हाजीपुर। बिहार STF की विशेष टीम और वैशाली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वैशाली जिले के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी उज्जवल कुमार उर्फ मंगल को महिसौर थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी और हत्या के प्रयास सहित चार मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान देसरी थाना क्षेत्र के नया गांव पूर्वी निवासी पंकज कुमार ठाकुर के पुत्र उज्जवल कुमार उर्फ मंगल के रूप में हुई है। यह जानकारी बिहार एसटीएफ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसटीएफ और वैशाली पुलिस की संयुक्त छापेमारी में सदर थाना कांड संख्या 265/26 के वांछित आरोपी उज्जवल कुमार उर्फ मंगल को महिसौर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल भी बरामद किया गया है।

गौरतलब है कि बीते 23 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन छीन ली थी। भागने के दौरान स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़ लिया था, जबकि दूसरा फरार हो गया था। दिघी पूर्वी वार्ड नंबर 25 के अधिवक्ता मृत्युंजय कुमार ने बताया कि उनकी मां हिंदू शर्मा अपने स्टाफ सुजीत कुमार के साथ स्कूटी से सब्जी लेकर लौट रही थीं। तभी पीछे से लाल रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों ने उनकी मां के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर छीन ली। बदमाशों का पीछा करने के दौरान वे सोने की चेन फेंक कर भाग गए। इसी क्रम में दोनों मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर गिर गए। एक बदमाश मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम सुजीत पासवान बताया था। उसने फरार हुए बदमाश का नाम उज्जवल कुमार उर्फ मंगल, पिता पंकज ठाकुर, ग्राम नयागांव, थाना देसरी बताया था।

5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ी, यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे का फैसला

हाजीपुर। रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार किया है। इसके साथ ही एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के लिए एक अतिरिक्त फेरा चलाने का भी निर्णय लिया गया है। यह फैसला यात्रियों की सुविधा और मांग को पूरा करने के लिए किया गया है। गाड़ी संख्या 09151/09152 उधना-मधुबनी-उधना स्पेशल ट्रेन का परिचालन कोटा, ईदगाह आगरा, प्रयागराज, डीडीयू, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और दरभंगा के रास्ते होता है। अब गाड़ी संख्या 09151 उधना-मधुबनी स्पेशल 31 जुलाई 2026 तक प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 09152 मधुबनी-उधना स्पेशल 2 अगस्त 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को परिचालित की जाएगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09031/09032 उधना-हसनपुर रोड-उधना स्पेशल ट्रेन भी कोटा, ईदगाह आगरा, प्रयागराज, डीडीयू, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर के रास्ते चलती है। गाड़ी संख्या 09031 उधना-हसनपुर रोड स्पेशल अब 26 जुलाई 2026 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09032 हसनपुर रोड-उधना स्पेशल 28 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को परिचालित होगी। डॉ. अम्बेडकर नगर और पटना के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 09343/09344 डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना-डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल का मार्ग इंदौर, उज्जैन, प्रयागराज छिवकी और डीडीयू है। गाड़ी संख्या 09343 डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना स्पेशल अब 30 जुलाई 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09344 पटना-डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल 31 जुलाई 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी। वलसाड और दानापुर के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 09025/09026 वलसाड-दानापुर-वलसाड स्पेशल भुसावल, जबलपुर, प्रयागराज छिवकी और डीडीयू के रास्ते चलती है। गाड़ी संख्या 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल अब 27 जुलाई 2026 तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09026 दानापुर-वलसाड स्पेशल 28 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को परिचालित होगी। इसके अतिरिक्त, अहमदाबाद और पटना के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 09447/48 अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद स्पेशल के लिए एक अतिरिक्त फेरा चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 09447 अहमदाबाद-पटना स्पेशल अहमदाबाद से 1 जुलाई 2026 को चलेगी, जबकि गाड़ी संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद स्पेशल पटना से 3 जुलाई 2026 को परिचालित की जाएगी।

निजी अस्पतालों में मरीज भेजने वाले दलालों पर होगी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी वार्ड, शिशु वार्ड, मातृ और शिशु अस्पताल (एमसीएच), दवा वितरण केंद्र, आईसीयू और साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। मरीजों से सीधे बातचीत कर फीडबैक भी लिया। निरीक्षण में सामने आई कई खामियों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए सिविल सर्जन को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तुर्की से इलाज कराने आए एक मरीज ने डीएम से शिकायत की कि वेटिंग एरिया के चारों पंखे खराब हैं, जिससे भीषण गर्मी में मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी हो रही है। शिकायत मिलते ही जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सभी पंखे ठीक कराने या नए पंखे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल परिसर में पेयजल की समस्या को भी जल्द दूर करने के आदेश दिए। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार 15 जुलाई के बाद अनावश्यक रेफरल में कमी लानी है। इसके लिए सदर अस्पताल की सुविधाओं को पूरी तरह कार्यशील बनाना होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल का आईसीयू अभी 10 में से केवल पांच बेड पर संचालित हो रहा है। अगले 15 दिनों के भीतर सभी 10 बेड को चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही मातृ एवं शिशु अस्पताल, मेटरनिटी वार्ड और ऑपरेशन थिएटर को भी पूरी तरह कार्यशील बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि मरीजों को बिना जरूरत दूसरे अस्पतालों में रेफर न करना पड़े।

री-नीटः सॉल्वर बिठाने की जांच ईओयू की एसआईटी करेगी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। NEET UG री एग्जाम में हुए फर्जीवाड़े की जांच तेज हो गई है। इस केस की गंभीरता को देखते हुए आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बना दी है। SIT को लीड EOU के DIG मानवजीत सिंह ढिल्लो करेंगे। DIG समेत इस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में कुल 12 लोग शामिल किए गए हैं, जिसमें EOU के एक SP, 5 DSP और 5 इंस्पेक्टर शामिल हैं। इसके लिए ADG डॉ. अमित कुमार जैन की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आदेश मिलते ही SIT ने अपना काम शुरू कर दिया है। सबसे पहले NEET एग्जाम को कंडक्ट कराने वाली NTA से कुछ महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई है। एग्जाम देने वाले में कैंडिडेट्स के रॉल नंबर के आधार पर उनका एड्रेस मांगा है। एड्रेस मिलते ही SIT उन कैंडिडेट्स के पास सीधे नोटिस भी भेजेगी, जिनके नाम और पहचान पर दूसरे शातिर एग्जाम देने पहुंचे थे। फर्जीवाड़ा करने वाले कैंडिडेट्स को पूछताछ के लिए बुलाएगी। अगर नोटिस मिलने के बाद कैंडिडेट्स सामने नहीं आए तो फिर टीम सीधे उनके घर पहुंचेगी। 21 जून NEET UG का री-एग्जाम हुआ था। उस दिन लखीसराय जिले में तीन सेंटर पर फर्जीवाड़ा हुआ था। दूसरे कैंडिडेट्स की जगह पर एग्जाम देने पहुंचे 9 सॉल्वर पकड़े गए थे। साथ में अपनी जगह सॉल्वर बैठाने वाला एक मेन कैंडिडेट भी गिरफ्तार हुआ था। इन सब के अलावा एग्जामिनेशन सेंटर पर NTA की तरफ से बायोमैट्रिक सिस्टम का ठेका जिस कंपनी को दिया गया था, सॉल्वर के साथ सांठगांठ के आरोप में 18 लोगों को पकड़ा गया था। इनके दो सहयोगी भी पकड़े गए थे। कुल 30 गिरफ्तारी हुई थी। SIT बायोमेट्रिक का ठेका लेने वाले गिरफ्तार स्टाफ्स से भी पूछताछ करेगी।

MBBS के छात्र चला सॉल्वर गैंगः इधर, री-नीट फर्जीवाड़े की परतें जैसे-जैसे खुल रही हैं, वैसे-वैसे एक ऐसे सॉल्वर सिंडिकेट का चेहरा सामने आ रहा है, जिसे MBBS के छात्र चला रहे थे। केंद्र सरकार ने सख्ती बरतकर पेपर लीक होने से तो रोक लिया, लेकिन बिहार में मेडिकल के छात्रों ने NTA की सुरक्षा में सेंध लगा दी। सॉल्वर सिंडिकेट का सरगना मुजफ्फरपुर का अर्पित यादव है। उसने कोटा में पढ़ाई के दौरान तीन दोस्तों के साथ मिलकर गिरोह बनाया था। री-नीट-यूजी 2026 में बिहार में करीब 200 फर्जी परीक्षार्थियों के बैठाने की प्लानिंग थी। ये मेडिकल स्टूडेंट्स 8 राज्यों से बिहार बुलाए गए। जिनकी जगह पर पेपर देना था, उन कैंडिडेट्स से करीब 50 करोड़ रुपए तक की डील हुई। औसतन हर कैंडिडेट से 40 लाख रुपए लेने थे। ये चौंकाने वाले तथ्य लोकल पुलिस, EOU और अन्य जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आए हैं। अर्पित ने राजस्थान के कोटा में सॉल्वर गैंग शुरू की थी। वह मेडिकल की तैयारी करने गया था। कोचिंग में उसकी दोस्ती मयंक कुमार, उर्फ अश्विनी कुमार, रंजीत कुमार और रवि शंकर से हुई। चारों ने मिलकर फर्जी परीक्षार्थी बैठाने का खेल शुरू किया।

मुहर्रम के जुलूस को लेकर ट्रैफिक रूट में बदलाव

पटना में अशोक राजपथ-फुलवारी में 2 दिनों तक नहीं चलेंगी गाड़ियां

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। मोहर्रम को लेकर पटना ट्रैफिक पुलिस की ओर से रूट में बदलाव किया गया है। आज यानी शुक्रवार और शनिवार को जुलूस के दौरान अशोक राजपथ, फुलवारी शरीफ के इलाके में बड़े-छोटे गाड़ियों की एंट्री बैन कर दी गई है। पुलिस की ओर से इस दौरान वैकल्पिक रूट के इस्तेमाल की अपील की गई है। जुलूस की शुरुआत होते ही रूट प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे। हालांकि, इस प्रतिबंध से एंबुलेंस, अग्निशमन सहित इमरजेंसी सेवाओं वाली गाड़ियों को बाहर रखा गया है।

अशोक राजपथ, फुलवारी शरीफ में वाहनों की एंट्री पर रोकः ट्रैफिक डीएसपी 2 अनिल कुमार ने बताया, 'जुलूस को लेकर यह निर्णय लिया गया है। शुक्रवार और शनिवार दो दिनों तक फुलवारीशरीफ में अनीसाबाद से एम्स तक और अशोक राजपथ में कारगिल चौक-गायघाट-सुलतानगंज- ख़ाजेकला तक बड़े-छोटे वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई गई है। अशोक राजपथ में डबल डेकर का भी इस्तेमाल इस दौरान नहीं कर सकते हैं।' अनिल कुमार ने आगे बताया, 'जैसे ही जुलूस निकलने का मैसेज रेगुलेशन पदाधिकारी को मिलेगा, रूट प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे।'

रात में शहरी इलाके में ट्रकों की एंट्री पर रोकः इसके अलावा रात में भी शहरी इलाके में ट्रकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। धनुकी मोड़ से अनीसाबाद की ओर 10 बजे के बाद ट्रकों की एंट्री होती है, उसे भी रोक दिया गया है। इसके लिए संबंधित थानेदारों को भी वरीय अधिकारियों के माध्यम से निर्देशित किया गया है। हालांकि, उन्होंने बताया कि गंगा पथ, महात्मा गांधी सेतु, जेपी सेतु, समेत दूसरे पथ इससे प्रभावित नहीं होंगे। छोटे और निजी वाहन जा सकेंगे।

खाली होने लगा राबड़ी आवास, सरकार ने 29 जून तक का दिया है अल्टीमेटम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास को खाली करने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भवन विभाग ने नोटिस के जरिए 29 जून तक वक्त दिया है। राबड़ी आवास को खाली करने का शुरू हो गया है। शुक्रवार को राबड़ी आवास के बाहर और अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को वहां से हटा दिया गया। इस साथ ही ऑटो से कार्टन अंदर ले जाए जा रहे हैं और सामान पैक करने की तैयारी चल रही है। इधर, लालू परिवार को अलॉट 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकार आवास में काम तेजी से पूरा कराया जा रहा है। हालांकि, आवास खाली करने की प्रक्रिया कब पूरी होगी और परिवार नए आवास में कब तक शिफ्ट होगा, इस पर आधिकारिक रूप से कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भगवा से हरा हुआ राबड़ी देवी का नया सरकारी आवासः राबड़ी देवी के 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास में इन दिनों तेजी से पेंटिंग का काम चल रहा है। इस नए आवास का रंग लालू परिवार की शिफ्टिंग से पहले पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले भगवा रंग में नजर आने वाला यह बंगला अब हरे रंग में रंगा दिखाई दे रहा है। हरा रंग राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की राजनीतिक पहचान और चुनाव चिन्ह से भी जुड़ा है। ऐसे में बंगले का रंग बदलने को केवल सामान्य पेंटिंग का काम नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा, सब ने मिलकर कहा -जय बजरंगबली

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेतिया(नरकटियागंज)। पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज अनुमंडल अंतर्गत केहूनिया रोअरी पंचायत के सिसवा फाल गांव में नवनिर्मित हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह काफी भव्य तरीके से मनाया गया। प्राण प्रतिष्ठा के के लिए निकल गई नगर यात्रा और कलश यात्रा के दौरान ऐसा आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं का उत्साह तनिक भी कम नहीं पड़ा। शिव मंदिर के समीप नवनिर्मित हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निकली भव्य कलश शोभायात्रा आस्था, संस्कृति और सामूहिक सहभागिता का अनुपम उदाहरण बन गई।

शोभायात्रा में 551 कुंवारी कन्याएं सिर पर पवित्र कलश धारण कर धर्मध्वजा के साथ आगे बढ़ रही थीं। उनके पीछे श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ जय श्रीराम, जय बजरंगबली और हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण को गुंजायमान कर रही थी। हाथी, घोड़े, ऊंट तथा पारंपरिक बाजे-गाजे से सुसज्जित यह यात्रा पूरे मार्ग में आकर्षण का केंद्र बनी रही। गांव की गलियां मानो अयोध्या और काशी की धार्मिक छटा का अहसास करा रही थीं।

सिसवा फाल से प्रारंभ हुई शोभायात्रा मारवाड़ी नोनिया टोला घाट स्थित बलोर नदी पहुंची, जहां अयोध्या से पधारे विद्वान आचार्य पंडित सत्यम द्विवेदी, नथुनी द्विवेदी एवं तपन द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत जलबोझी संस्कार संपन्न कराया। इसके बाद श्रद्धालु पुनः मंदिर परिसर लौटे, जहां यज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। यह धार्मिक आयोजन 25 से 27 जून तक चलेगा।

मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सफल बनाने में चिंतामणि तिवारी,नीलमणि तिवारी,चंद्रमणि तिवारी, राजेंद्र राम, दिनेश कुशवाहा, रूद्रमनी तिवारी, चन्द्रमनी तिवारी सहित समस्त ग्रामवासियों की भूमिका सराहनीय रही। यजमान के रूप में राजेश्वर महतो, राम पीरित राम एवं बाजुकेश बाबा ने अनुष्ठान का नेतृत्व किया। वहीं समाजसेवी शशिकांत पांडे, अर्जुन राम, सुजीत कुमार, राजेंद्र पांडे, चंद्रभान ठाकुर, अर्जुन मिश्रा और कृष्णा मोहन मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। श्रद्धा, सेवा और सामूहिक सहयोग से सिसवा फाल में साकार हुआ यह धार्मिक महोत्सव लंबे समय तक क्षेत्र की स्मृतियों में जीवंत रहेगा।

गंगा स्नान के दौरान दो दोस्त डूबे, एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र स्थित पोस्ट ऑफिस घाट पर गुरुवार शाम गंगा में नहाने गए पांच दोस्तों में से दो युवक डूब गए। घटना के बाद देर शाम तक स्थानीय गोताखोरों और प्रशासन की टीम ने तलाश अभियान चलाया, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। शुक्रवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें एक युवक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

गहराई का अंदाजा नहीं लगा, बहाव में बह गए दोनों युवकः जानकारी के मुताबिक, मल्लिक समाज के पांच दोस्त अपने घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित घाट पर नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान गंगा की गहराई और बहाव का सही अनुमान नहीं लग पाने के कारण रोहित और विकास पानी में बह गए और डूब गए। घटना के बाद साथ मौजूद अन्य युवकों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

पुलिस और गोताखोरों ने शुरू किया रेस्क्यू अभियानः सूचना मिलते ही रामकृष्ण थाना की पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोज अभियान शुरू कराया गया। अगले दिन सुबह फिर से तलाश अभियान शुरू हुआ, जिसमें एक शव बरामद किया गया। दूसरे युवक की तलाश जारी है।

सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवालः घटना उस समय हुई जब गंगा का जलस्तर बढ़ने और कटाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा बांध का निर्माण करा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाट पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग या अन्य सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। प्रशासन को गंगा का जलस्तर बढ़ने की जानकारी पहले से है। इसके बावजूद पोस्ट ऑफिस घाट पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की शिकायतें सामने आ रही हैं। जिस घाट को सुरक्षित बनाने के लिए राशि खर्च की जा रही है, वहां न्यूनतम सुरक्षा मानकों का अभाव देखा गया।

पीएमसीएच के प्रिंसिपल ने अपना जला हुआ पेट दिखाया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। PMCH के प्रिंसिपल डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने अपना जला हुआ पेट दिखाया। उन्होंने कहा, मेरी कोई गुहार न तो निचले स्तर तक सुनी गई, ना मंत्री जी ने सुनी। मैं कल तक प्रिंसिपल था, आज नहीं हूं। मुझे जो पत्र दिया गया, बिना किसी स्पष्टीकरण के दिया गया है। यह तानाशाही रवैया है। मै समझता हूं आने वाले भविष्य में यह अंधेरी गली को खोजा है। जब हमारे जैसे लोगों को ध्वस्त किया जाएगा, तो गरिमा की कोई गारंटी नहीं है। निशांत के प्राइवेट सेक्रेटरी कौशलेन्द्र जी हैं, 100 बार से अधिक कॉल किया किसी ने रिसीव नहीं किया। मैं प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री, प्रत्यय अमृत से गुहार लगता हूं

कि मेरे साथ न्याय करें। मंत्री ने कहा कि मैंने उनका फोन नहीं उठाया, हम बीमार पड़े रहेंगे तो फोन उठाएंगे। मेरा घर और क्लीनिक एक ही जगह है, इसलिए मेरी गाड़ी वहां लगी थी। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने PMCH के प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को उनके पद से हटा दिया है। डॉ. सिंह 23 जून को बिना बताए ड्यूटी से गायब थे। स्वास्थ्य मंत्री ने फोन से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला।

बिहार कांग्रेस में आंतरिक कलह खुलकर सामने आई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार कांग्रेस में आंतरिक कलह अब खुलकर सामने आ रही है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की हालिया टिप्पणियों पर पूर्व विधायक शकील अहमद खान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शकील अहमद खान ने उनके बयानों को अनर्गल और पार्टी को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने वाला बताया। उन्होंने अखिलेश सिंह को खुद को आईने में देखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस पार्टी का कोई भी फैसला किसी राज्य के संदर्भ में होता है। किसे अध्यक्ष बनाना है, किसे सचिव या इंचार्ज बनाना है, ये पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का फैसला होता है। अगर आप इस पर सवाल उठाते हैं, तो यानी कि आप विशेष नेतृत्व के डिसीजन को नकार रहे हैं।' शकील अहमद खान ने आगे कहा, 'अखिलेश सिंह को यह बातें नहीं करनी चाहिए। हमारी पार्टी का यही प्रयास रहा है कि हर वर्ग को पार्टी स्ट्रक्चर में शामिल किया जाए। ये चीज हमें बिहार विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिली। बिहार चुनाव में इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन के वोट परसेंटेज में ज्यादा डिफरेंस नहीं था। 10 हजार रुपए जिस तरीके से घूंस के तौर पर दिया गया था, और इलेक्शन कमीशन कॉम्प्रोमाइज्ड था, इसी के आधार पर रिजल्ट आया। शकील अहमद खान ने आगे कहा, 'वह सोचता है कि वही सब चीज का फैसला करते हैं, तो ये बातें अतिशयोक्ति है। रही बात भागीदारी की तो वह राहुल गांधी ने उठाया है और साझेदारी तो समाज के सामने है।

देव स्नान पूर्णिमा-प्रभु जगन्नाथ 108 घड़ों के पानी से नहाएंगे, 16 को निकाली जाएगी रथयात्रा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना में 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। उससे पहले 29 जून को देव स्नान पूर्णिमा है। पटना इस्कॉन में इसे लेकर तैयारियां की जा रही है। देव स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का गंगा जल के 108 घड़ों से महास्नान कराया जाएगा। सनातन संस्कृति और पुरी की परंपरा के अनुसार, इस रथयात्रा महाउत्सव की शुरुआत स्नान पूर्णिमा से होती है।

14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में जाएंगेः इसके बाद 14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में चले जाते हैं। इस उपचार और विश्राम के बाद भगवान पूरी तरह स्वस्थ होकर 15 जुलाई को एकांतवास से बाहर आएंगे। उसी दिन भगवान का नेत्रोत्सव और नव-यौवन दर्शन होगा। फिर 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। हजारों श्रद्धालु इस रथ की रस्सी को खींचकर पुण्य के भागीदार बनेंगे। शास्त्रों के अनुसार, स्नान पूर्णिमा को ही भगवान जगन्नाथ का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है।

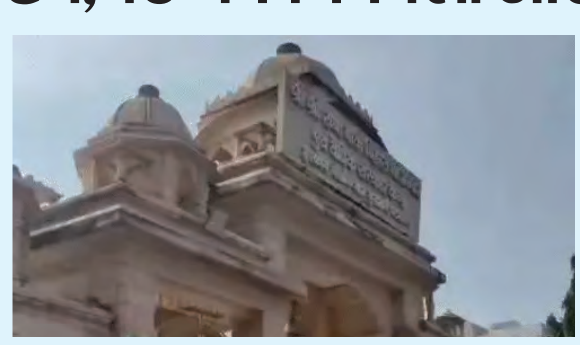

स्नान के बाद बीमार हो जाते हैं भगवानः शास्त्रों के अनुसार, देव स्नान पूर्णिमा को स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। इसके बाद वे 14 दिनों के लिए एकांतवास में चले जाते हैं। मान्यता है कि ज्येष्ठ महीने की भीषण गर्मी में अत्यधिक स्नान करने से भगवान जगन्नाथ को तेज बुखार आ जाता है। 14 दिनों के दौरान भगवान को छप्पन भोग नहीं लगाया जाता है। उन्हें केवल आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, काढ़े और फलों के रस का भोग लगाया जाता है। इस अवधि में मुख्य पुजारियों और विशेष सेवकों के अलावा किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं होती है।

♦ इस्कॉन मंदिर में 29 जून को होगी विशेष पूजा

इस्कॉन में 40 फीट ऊंची हाइड्रोलिक सिस्टम से निकलती रथयात्राः इस्कॉन मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाती है। रथ को फूलों से सजाया जाता है, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। 40 फीट ऊंची हाइड्रोलिक सिस्टम से बनी विशिष्ट रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। इस रथयात्रा में देश विदेश के भक्त भी शामिल होते हैं। रथयात्रा मार्ग में पुष्पवर्षा के साथ आरती करके भगवान का स्वागत किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

दुबिल माइंस में ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन आंदोलन, उत्पादन और लौह अयस्क ढुलाई ठप

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (सेल) की चिड़िया-दुबिल माइंस में शुक्रवार को ग्राम सभा दुबिल के नेतृत्व में "हातु-आबुआ राज, ग्राम स्वराज अभियान" के तहत ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया। सुबह करीब आठ बजे से सैकड़ों ग्रामीणों ने खदान में उत्पादन कार्य और लौह अयस्क की ढुलाई पूरी तरह रोक दी। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी होने तक उनका प्रदर्शन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। ग्रामीणों का आरोप है कि दुबिल माइंस के विस्तार के दौरान सरना स्थल, कब्रिस्तान तथा रैयती जमीन पर अवैध रूप से पिलर गाड़ दिए गए हैं, जिससे उनकी धार्मिक आस्था और भूमि अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। उनका कहना है कि खदान से निकलने वाले लाल पानी और धूल के कारण खेती प्रभावित हो रही है, जलस्रोत प्रदूषित हो गए हैं तथा क्षेत्र में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि स्थानीय 200 युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए, अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए, सरना स्थल और कब्रिस्तान से लगाए गए पिलरों को तत्काल हटाया जाए तथा गांव में चापाकल और जलमीनार की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा खनन गतिविधियों से हो रहे प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण और प्रभावित ग्रामीणों के लिए मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। आंदोलन के कारण चिड़िया-दुबिल माइंस में उत्पादन और लौह अयस्क की ढुलाई प्रभावित रही। अब तक सेल प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

फायरिंग मामले के मुख्य आरोपित की निशानदेही पर पिस्तौल और कारतूस बरामद

पूर्वी सिंहभूम। आजादनगर थाना क्षेत्र के रोड नंबर-3 स्थित सिब्तैन मस्जिद के पास गत एक जून को हुई फायरिंग की घटना में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपित मुबारक अंसारी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 7.65 एमएम की पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस तथा एक फायर किया हुआ खोखा बरामद किया गया। शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि इस फायरिंग कांड में मुबारक अंसारी, मोहम्मद शफीक, तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा, महताब और तनवीर उर्फ समीर के खिलाफ आजादनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू करते हुए 13 जून को आरोपित तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पुलिस के अनुसार मुबारक अंसारी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2024 में कपाली ओपी (चांडिल) थाना में मारपीट, घर में घुसकर हमला, महिला से जुड़े अपराध तथा आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि मामले के अन्य फरार आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है और जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

तालाब में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पहचान और मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के पाड़ा टोला स्थित एक तालाब में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की पहचान के साथ-साथ उसकी मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार सुबह तालाब के मालिक की नजर तालाब में तैर रहे शव पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने तत्काल ग्राम प्रधान सागेन हांसदा को इसकी सूचना दी। ग्राम प्रधान ने बिना देर किए परसुडीह थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। उसकी शिनाख्त के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों को सूचना भेजी जा रही है तथा स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मृतक स्थानीय निवासी था या किसी अन्य क्षेत्र का रहने वाला था। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि व्यक्ति की मौत डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और मृतक की पहचान के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव से बचने के लिए छात्राओं को किया गया जागरूक

खूंटी। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) ने शुक्रवार को मुरहू स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, अवैध तस्करी की रोकथाम और संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विधिक सहायता बचाव परामर्शी सहायक निखिल मेहता ने छात्राओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट), 1985 के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा पात्र लोगों को उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में मुरहू प्रखंड के पारा विधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने लोगों से नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की एवं विधिक सहायता संबंधी किसी भी आवश्यकता के लिए डीएलएसए के फ्रंट ऑफिस या टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 पर संपर्क करने का आग्रह किया।

नशीली सुइयों के साझा इस्तेमाल से फैलता है एचआईवी और हेपेटाइटिस : राजेश

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर शुक्रवार को डालसा रांची ने रिनपास, सीआईपी, प्रोबेशन होम सहित सभी लिगल-ऐड-क्लिनिक में अंतराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। रिनपास रांची और सीआईपी में आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, डॉ रूपा घोष, डॉ सजल ए नाग, पीएलवी भारती देवी, शारदा देवी, चालक राजा वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि डालसा की ओर से 26 जून को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने नशा से संबंधित कानूनों एवं नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा से स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। शारीरिक कमजोरी, मानसिक तनाव, अवसाद और कई बार नशीली सुइयों के साझा इस्तेमाल से एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी जानलेवा बीमारियां फैलती हैं। कार्यक्रम में डॉ रूपा घोष ने नशा से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं में परिवारों का टूटना, घरेलू हिंसा में वृद्धि और अपराधों का ग्राफ बढ़ने में नशा एक महत्वपूर्ण कारण है। नशा से बचने के लिए नशीली दवाओं के घातक परिणामों के बारे में खुद भी जानें और अपने परिवार व दोस्तों को भी जागरूक करें। मानसिक तनाव, डिप्रेशन या अकेलेपन के कारण लोग अक्सर नशे का सहारा लेते हैं। इससे बचने के लिए योग, ध्यान या खेलकूद को जीवन में शामिल करें।डॉ सजल-ए-नाग ने कहा कि कई बार युवा पीयर प्रेशर (दोस्तों के दबाव) में आकर नशा शुरू करते हैं। ऐसे दोस्तों से दूर रहें जो नशे को बढ़ावा देते हैं। उल्लेखनीय है कि कस्तुरबा गांधी अवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं की ओर से भी अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर नशा पर पेंटिंग बनाया गया और इसे प्रदर्शनी में लगाया गया। इस अवसर पर डालसा और सीआईपी के कई लोग उपस्थित थे।

सीयूईटी-2026 में जेवीएम श्यामली के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी। रांची

जवाहर विद्या मंदिर (जेवीएम) श्यामली के विद्यार्थियों ने सीयूईटी-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय की शैक्षणिक परंपरा को एक बार फिर गौरवान्वित किया है। विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय अंक हासिल कर देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की दिशा में मजबूत दावेदारी पेश की है। जेवीएम की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि विद्यालय की छात्रा रिद्धि सिन्हा ने 948 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अलावा आदित्य सिन्हा ने 920, नंदिनी रॉय ने 877, प्रखर कुमार ने 813, सिद्धि सिन्हा ने 810, अभिनव कुमार मिश्रा ने 793, अक्षवर्धन सिंह ने 775, झलक लाल ने 772 और विशाखा ने 744 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बीएन झा ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सीयूईटी-2026 में छात्रों की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

टीएमएच पहुंचे सरयू राय और दुलाल भुईयां, विधायक पूर्णिमा से ली स्वास्थ्य की जानकारी

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू पिछले दो दिनों से टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में चिकित्सकों की निगरानी में उपचाररत हैं। ब्लड प्रेशर कम होने की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां विशेषज्ञ डॉक्टर लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। शुक्रवार को उनका हालचाल जानने के लिए जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय और झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां टीएमएच पहुंचे। दोनों नेताओं ने अस्पताल के वार्ड में जाकर पूर्णिमा साहू से मुलाकात की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकों से भी उपचार संबंधी जानकारी प्राप्त की। मुलाकात के दौरान सरयू राय और दुलाल भुईयां ने विधायक पूर्णिमा साहू को गुलदस्ता भेंट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि उचित इलाज और चिकित्सकों की देखरेख में वह जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने जनप्रतिनिधि दायित्वों का निर्वहन करने लौटेंगी। इस दौरान अस्पताल में अन्य शुभचिंतकों और समर्थकों का भी आना-जाना लगा रहा। सभी ने पूर्णिमा साहू के जल्द स्वस्थ होने की कामना व्यक्त की।

मोहर्रम जुलूस के मद्देनजर रांची के सभी स्कूल 27 जून को रहेंगे बंद

एजेंसी। रांची

मोहर्रम पर्व के अवसर पर 27 जून (शनिवार) को रांची जिले के अधिकांश क्षेत्रों में ताजिया और अखाड़ा जुलूस निकाले जाएंगे। जुलूसों के दौरान विभिन्न प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित होने और स्कूली बच्चों की आवाजाही में संभावित असुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले के सभी विद्यालयों में एक दिन के अवकाश की घोषणा की है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर रांची जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालय 27 जून, 2026 को बंद रहेंगे। जिला प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। हालांकि, जिन विद्यालयों में पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित होनी हैं, उन्हें आवश्यक स्थिति में परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी गई है। इसके लिए संबंधित विद्यालयों को परीक्षा आयोजित करने से पहले जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), रांची को पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और आम नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। साथ ही लोगों से मोहर्रम पर्व को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया है। प्रशासन ने कहा कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात संचालन को सुचारु रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि मोहर्रम का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

झामुमो नेता सुशील पाहन का निधन

एजेंसी। खूंटी

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) खूंटी के जिला सचिव तथा खूंटी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुशील पाहन का गुरुवार की देर रात निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। सुशील भारत मुंडा समाज झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष भी थे। सुशील पाहन लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे। उन्होंने नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर खुद को पूरी तरह समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। वर्ष 2019 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर खूंटी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ा था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी, लेकिन गुरुवार की रात अचानक उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही सुबह से ही उनके कर्रा प्रखंड की डूमरगड़ी पंचायत के डुफू गांव ने झामुमो कार्यकर्ताओं और ग्रमीणों की भीड़ जुटने लगी। परिजनों और समाज के लोगों की ओर से जानकारी दी गई है कि उनका अंतिम संस्कार (मिट्टी) 26 जून शुक्रवार को दोपहर 12 बजे डूमरगाड़ी पंचायत के डुफू गांव में किया जाएगा। सुशील पाहन के निधन पर तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा, तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा, झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, झामुमो के जिला सह सचिव प्रदीप केशरी, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राहुल केशरी, मोजिर अंसारी सहित कई कार्यकर्ताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि सुशील पाहन एक सरल, मिलनसार और संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी थे। पार्टी और समाज के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। विधायक राम सूर्या मुंडा ने कहा कि पार्टी और समाज के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

ब्रेन मलेरिया से छात्रा की मौत के बाद विशेष जांच अभियान शुरू, निजी क्लिनिक को नोटिस

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया से एक छात्रा की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मामले को गंभीर मानते हुए सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने स्वतः संज्ञान लिया और पूरे घटनाक्रम की जांच के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्र में मलेरिया नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सिविल सर्जन के आदेश पर गठित विशेष स्वास्थ्य टीम ने शुक्रवार को छात्रा के गांव और पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पोटका में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर के दौरान मलेरिया के लक्षण वाले 34 लोगों की जांच की गई, जिनमें एक व्यक्ति मलेरिया संक्रमित पाया गया। संक्रमित मरीज को तत्काल दवा उपलब्ध कराकर उपचार शुरू कर दिया गया। स्वास्थ्य टीम ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान वार्डन रूमा हलधर के साथ बैठक कर छात्राओं के स्वास्थ्य, परिसर की साफ-सफाई और मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उपायों की समीक्षा की गई। टीम ने विद्यालय प्रबंधन को नियमित स्वास्थ्य निगरानी और आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। उधर, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मृत्युंजय धावड़िया ने आपात बैठक बुलाकर प्रभावित गांव में मलेरिया जांच, उपचार और इंडोर रेजिडुअल स्प्रे (आईआरएस) अभियान को और तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाई जाए तथा नियमित जांच, साफ-सफाई और जनजागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया जाए। बैठक में जिला कुष्ठ परामर्शी, पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। सभी अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने और संदिग्ध मरीजों की तत्काल जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने स्पष्ट कहा कि छात्रा की मौत के मामले में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रजनी महाकुड़ ने सिविल सर्जन के निर्देश पर संबंधित निजी निदान क्लिनिक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। क्लिनिक से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग अभ्यर्थी सदानंद कुमार की नियुक्ति की अनुशंसा 12 सप्ताह में करे जेपीएससी : हाई कोर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने सातवीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (2021) में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों को भरने में अनियमितता के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) को याचिकाकर्ता सदानंद कुमार की नियुक्ति के लिए 12 सप्ताह के भीतर आवश्यक अनुशंसा करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने सदानंद कुमार एवं अन्य दो अभ्यर्थियों की ओर से दायर रिट याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि सातवीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा (2021) में कुल 252 पदों में से सात पद दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए क्षैतिज रूप से आरक्षित थे। इसके बावजूद जेपीएससी ने केवल चार दिव्यांग अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया, जिनमें से तीन का चयन किया गया। शेष चार आरक्षित पदों को अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से भर दिया गया, जबकि यह दिव्यांग आरक्षण संबंधी कानूनी प्रावधानों के विपरीत था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया कि राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज एक्ट, 2016 की धारा 33 एवं 36 के अनुसार यदि किसी दिव्यांग उप-श्रेणी में उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो पहले अन्य दिव्यांग उप-श्रेणियों के बीच पदों का इंटरचेंज किया जाना अनिवार्य है। यदि इसके बाद भी पद रिक्त रह जाते हैं, तो उन्हें अगले भर्ती चक्र के लिए कैरी फॉरवर्ड किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य भी रखा गया कि याचिकाकर्ता सदानंद कुमार को परीक्षा में 580 अंक प्राप्त हुए थे, जो चयनित एक अन्य दिव्यांग अभ्यर्थी के समान थे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सदानंद कुमार ने चयन के लिए आवश्यक न्यूनतम मानक प्राप्त किया था और उन्हें केवल तकनीकी आधार पर नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि जेपीएससी ने स्वयं स्वीकार किया है कि दिव्यांग वर्ग के चार आरक्षित पद रिक्त रह गए थे। ऐसे में आयोग को दिव्यांग उप-श्रेणियों के बीच इंटरचेंज के वैधानिक प्रावधान का लाभ देते हुए याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करना चाहिए था। इन तथ्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर उच्च न्यायालय ने जेपीएससी को निर्देश दिया कि वह 12 सप्ताह के भीतर सदानंद कुमार की नियुक्ति के लिए आवश्यक अनुशंसा करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस सीमा तक रिट याचिका आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है।

साहेबगंज के भोगनाडीह में भाजपा मनाएगी हूल दिवस, आयोजन के लिए नौ सदस्यीय समिति गठित

एजेंसी। रांची

झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 30 जून को साहेबगंज जिले के ऐतिहासिक अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में हूल दिवस का आयोजन करेगी। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू के निर्देश पर नौ सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। समिति में पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, पूर्व सांसद सुनील सोरेन, अमर शहीद सिदो-कान्हो के वंशज मंडल मुर्मू, पूर्व प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, वरिष्ठ नेता गणेश तिवारी, साहेबगंज जिला अध्यक्ष गौतम यादव, पाकुड़ जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता सोरेन तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता मुर्मू को शामिल किया गया है। समिति आयोजन की सभी व्यवस्थाओं और कार्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी संभालेगी। वर्ष 1855 में इसी दिन अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो के नेतृत्व में अंग्रेजी शासन के खिलाफ हूल क्रांति का शंखनाद किया गया था, जिसने औपनिवेशिक सत्ता को खुली चुनौती दी थी। बाउरी ने कहा कि भाजपा स्वतंत्रता संग्राम और जनजातीय समाज के महानायक रहे सिदो-कान्हो, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित सभी वीर शहीदों के योगदान का सम्मान करती है और समय-समय पर उनका स्मरण करती रही है। उन्होंने बताया कि हूल दिवस को व्यापक स्तर पर मनाने का निर्णय इन्हीं महानायकों के प्रति श्रद्धांजलि और उनके बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

डिप्टी सीएम ने बाबरी मस्जिद और मदरसों के चंदे के बारे में पूछा, कहा- अयोध्या को बदनाम करने की हो रही साजिश

मिर्जापुर, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने उन्होंने मदरसों व बावरी मस्जिद के चंदे के बारे में एक भी प्रश्न पूछा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वे सनातन को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। मुजेहरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बावरी मस्जिद के लिए चंदा लिया गया। क्या किसी ने एक प्रश्न भी पूछा कि यह पैसा कहां से आया और कहां गया। विपक्षी तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। यह अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि मदरसों का संचालन, कहां से पैसा आ रहा है, टेरर फंडिंग हो रही है। उसके बारे में किसी ने पूछा। अखिलेश यादव से पूछिए कि उन्होंने मदरसों व बावरी मस्जिद के चंदे के बारे में एक भी प्रश्न पूछा। संभल में मंदिर पर कब्जा कर अपने घर में मिला लिया। किसी ने एक सवाल पूछा। भ्रष्टाचार पर सरकार की जीरो टालरेंस नीति है। अयोध्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पुलिस अपना काम कर रही है। कहा कि मिर्जापुर जिला पार्टी की प्राथमिकताओं में है। विंध्याचल धाम का विकास हुआ है अब यहां पर प्रतिदिन हजारों की भीड़ बड़ी सरलता से मां विंध्यवासिनी का दर्शन कर रही है। इसके पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का हेलीकाप्टर मुजेहरा में उतरा। वहां से वे सड़क मार्ग से विंध्याचल गए। वहां से वापस आकर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता किया और प्रबुद्धजनों से संवाद किया। इस अवसर पर नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर सरोज व अन्य थे।

हिमाचल में 13.28 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ नष्ट, 10 स्थानों पर एक साथ हुई बड़ी कार्रवाई

शिमला, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस पर हिमाचल प्रदेश में 'एंटी-चिट्टा दिवस' मनाते हुए 10 स्थानों पर एनडीपीएस मामलों में जब्त 13.28 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया गया। पुलिस ने इसे ड्रग माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताते हुए लोगों से नशा तस्करी की सूचना 112 पर देने की अपील की। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी 'एंटी-चिट्टा जन-आंदोलन' के तहत शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस के अवसर पर पूरे हिमाचल प्रदेश में 'एंटी-चिट्टा दिवस' मनाया गया। इस दौरान प्रदेशभर के 10 स्थानों पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत विभिन्न मामलों में जब्त किए गए नशीले पदार्थों का वैज्ञानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत सामूहिक रूप से निस्तारण किया गया। हिमाचल प्रदेश पुलिस के अनुसार, नष्ट किए गए मादक पदार्थों का अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 13.28 करोड़ रुपये है। यह हिमाचल के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब पूरे प्रदेश में एक साथ इतने बड़े स्तर पर नशीले पदार्थों के निस्तारण की कार्रवाई की गई। इस अभियान को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्य सचिव कमलेश पंत ने फ्लैग ऑफ कर मॉनिटर किया। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल जब्त मादक पदार्थों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि ड्रग माफिया को कड़ा संदेश देना, युवाओं को चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों से बचाना तथा समाज को नशा मुक्त अभियान से जोड़ना भी है। इसी अवसर पर प्रदेश की नशे से अधिक प्रभावित पंचायतों में नशा निवारण समितियों की बैठकें आयोजित की गईं। खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने और राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने पर चर्चा की।

चर्चा के दौरान पाकिस्तान का उदाहरण क्यों दिया जा रहा है

एनसीपी एमएलए सना मलिक की सफाई, मेरे यूसीसी बयान को गलत समझा गया, पाकिस्तान से तुलना अस्वीकार्य

मुंबई, एजेंसी। मलिक ने कहा कि बहस महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों पर केंद्रित होनी चाहिए और ऐसे मुद्दों को सीधे किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठाया गया था कि क्या पाकिस्तान ने कोई कानून बनाया है और चर्चा के दौरान पाकिस्तान का उदाहरण क्यों दिया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दावा किया गया है कि एनसीपी (अजित पवार) की विधायक सना मलिक ने बहुविवाह का समर्थन किया और भारत में पाकिस्तानी कानून लागू करने की वकालत की। इस दावे से काफी बहस छिड़ गई और महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। अपने बयानों पर सफाई देते हुए मलिक ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड पर महाराष्ट्र विधानसभा में हुई बहस के दौरान उनके बयानों का गलत मतलब निकाला गया। उन्होंने कहा कि उनकी

आपत्तियां महिलाओं की सुरक्षा और तीन तलाक पर चर्चा के दौरान बार-बार पाकिस्तान का ज़िक्र किए जाने तक ही सीमित थीं। मलिक ने कहा कि बहस महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों पर केंद्रित होनी चाहिए और ऐसे मुद्दों को सीधे किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठाया गया था कि क्या पाकिस्तान ने कोई कानून बनाया है और चर्चा के दौरान पाकिस्तान का उदाहरण क्यों दिया जा रहा है।

उन्होंने खास तौर पर यह तर्क दिया कि कानून बनाने वालों को बहस में पाकिस्तान को लाने के बजाय खुद कानून पर चर्चा करनी चाहिए। मलिक के अनुसार, भारतीय मुसलमान भारतीय संविधान का पालन करते हैं, जो उन्हें अपने धर्म का पालन करने, उसे मानने और उसका प्रचार-प्रसार करने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ तुलना स्वीकार्य नहीं है और पड़ोसी देश का बार-बार ज़िक्र किए जाने पर आपत्ति जताई। बहुविवाह (एक से ज़्यादा शादियाँ करने) पर चल रहे विवाद पर बात करते हुए मलिक ने कहा कि इस्लामिक पर्सनल लॉ में कड़े नियमों के तहत इसकी इजाज़त है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बहुविवाह की प्रथा अलग-अलग धर्मों में मौजूद है। उन्होंने तर्क दिया कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने वाले कानून निष्पक्ष होने चाहिए और किसी खास धर्म को निशाना बनाने या विदेशी कानूनों का हवाला देने के बजाय सभी समुदायों पर लागू होने चाहिए। मलिक की बातों का जवाब देते हुए, राज्य के गृह मंत्री योगेश कदम ने कहा कि भारत में कानून किसी धार्मिक ग्रंथ या पवित्र किताब के आधार पर नहीं बनाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि विधायिका की ज़िम्मेदारी है कि वह समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाए और गलत प्रथाओं को खत्म करे। कदम ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा बनाए गए कानूनों का मकसद सिर्फ़ न्याय दिलाना है और उन्होंने कहा कि भारत के कानूनी ढांचे को धर्म से जोड़ना पूरी तरह गलत है।

मोहर्रम जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया, एक युवक की मौत

एटा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में शुक्रवार सुबह ताजिया के जुलूस के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें एक युवक की दर्दनाक मौत हुई है, जबकि सात लोग जख्मी हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी सामने आई कि एटा के अलीगंज इलाके में मोहर्रम पर जुलूस के दौरान ताजिया बिजली की हाईटेंशन लाइन से टकराया था। इससे ताजिया में करंट दौड़ गया और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। ताजिया में करंट दौड़ने से जुलूस में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभालने की कोशिश की। सभी घायलों को अलीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालांकि, तब तक एक युवक की मौत हो चुकी थी, जिसकी पहचान शेख के रूप में हुई है। मृतक के चाचा इरफान खान ने आईएएनएस को बताया कि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बीच ताजिया का जुलूस निकाला जा रहा था। वहां 11 हजार की लाइन थी। ताजिया बिजली की लाइन से टकराया था, जिससे कई लोग घायल हो गए। इनमें से भतीजे शेख की मौत हो चुकी है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद हम लोग सीधे अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जुलूस के दौरान कोई भी बिजली कर्मचारी मौजूद नहीं था। अगर कोई कर्मचारी मौजूद होता तो बिजली सप्लाई थोड़े देर रोकने से यह हादसा टल सकता था।

आईपीएस महेश दीक्षित बने इंटेलिजेंस ब्यूरो के नए चीफ

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद संभाली थी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को नए सुरक्षा एक्सपर्ट मिलने जा रहे हैं। खबर है कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी महेश दीक्षित ढ्ढक्के नए प्रमुख होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आईबी प्रमुख के रूप में दीक्षित की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी दीक्षित आईबी निदेशक के रूप में तपन कुमार डेका की जगह लेंगे। माना जाता है कि वह खुफिया नेटवर्क के मामले में एक्सपर्ट हैं और आतंकवाद के खिलाफ कई मिशन में अहम भूमिकाएं निभा चुके हैं।सूत्रों ने भाषा को बताया कि दीक्षित फिलहाल आईबी में

विशेष निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं और उनके पास जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक राज्य खुफिया ब्यूरो के प्रमुख के तौर पर काम करने का अनुभव है। एक पेशेवर चिकित्सक से कानून-प्रवर्तन अधिकारी बने दीक्षित के पास देश की प्रमुख आंतरिक खुफिया एजेंसी में लगभग तीन दशक का व्यापक अनुभव है। उन्होंने पूर्वोत्तर और लद्दाख में अभियानों से लेकर नक्सल विरोधी प्रकोष्ठों तक अलग-अलग तरह की संवेदनशील जिम्मेदारियां संभाली हैं।

दीक्षित आईबी में मजबूत जमीनी खुफिया नेटवर्क और आतंकवाद-रोधी मामलों में विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं। वह श्रीनगर में सहायक आसूचना ब्यूरो के प्रमुख थे और अधिकारियों के अनुसार अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के बाद वहां आंतरिक स्थिरता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पिछले वर्ष दीक्षित ने एक बड़े 'सफेदपोश' आतंकवादी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने में भी अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने श्रीनगर पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई शुरुआती जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया था। दीक्षित 30 जून को आसूचना ब्यूरो के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। वह 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका की जगह लेंगे, जिन्हें सरकार ने दो बार सेवा विस्तार दिया था। डेका को जून 2022 में दो वर्ष के लिए आसूचना ब्यूरो का प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 और 2025 में दो बार बढ़ाया गया। उन्हें विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अभियानों का विशेषज्ञ माना जाता है। नवंबर 2008 में हुए मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान जवाबी अभियानों की कमान उन्हीं के हाथों में थी। आतंकवाद और इस्लामी कट्टरपंथ से जुड़े मामलों को संभालने में दक्ष डेका ने इंडियन मुजाहिदीन के खिलाफ अभियानों का भी नेतृत्व किया।

राम मंदिर मामले में ना किसी को फंसाना है, ना किसी को बचाना हैः ट्रस्ट की एफआईआर से विश्व हिन्दू परिषद संतुष्ट

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में गुरुवार की शाम पहली एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। एफआईआर में आठ लोगों को नामजद किया गया है। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर से विश्व हिंदू परिषद (विहिप) पूरी तरह संतुष्ट है। विहिप के अतरर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि इस मामले में किसी को न तो फंसाना है और न ही बचाना है। जो भी हुआ है, गलत हुआ है। जिसने यह सब किया है उसे दंड जरूर मिलेगा।

आलोक कुमार ने एएनआई से बातचीत में चंपत राय की भूमिका पर भी संतोष जताया और कहा- 'मैं बहुत संतुष्ट हूं। कल हमने कहा था कि एफआईआर होनी चाहिए। एसआईटी की रिपोर्ट (प्रारंभिक) आ गई। उसमें कुछ लोगों के नाम हैं। कुछ सबूत हैं। एफआईआर होनी चाहिए। मेरी संतुष्टि ये है कि जब ट्रस्ट के लोगों को उन नामों की जानकारी मिली तो उसके बाद में उन्होंने एफआईआर फाइल करने में एक दिन की भी देरी नहीं लगाई। तुरंत फाइल की है। और, ये तीसरा कदम है। पहला कदम था, जब ट्रस्ट की ओर से चंपत राय ने मुख्यमंत्री से कहा कि एसआईटी बनाइए। दूसरा कदम था कि जब एसआईटी पहुंची तो चंपत राय ने कहा कि आप मेरे से जांच शुरू करिए, मैं आपके सवालों का उत्तर देता हूं। और ये तीसरा कदम है। मुझे प्रसन्नता है कि एफआईआर हो गई। मैं उम्मीद करूंगा कि इस पूरे मामले में, और इस मामले में जिन लोगों के भी नाम आ रहे हैं, वो एफआईआर में हों या नहीं, उनकी जांच हो।'

हिमाचल के स्कूलों में नहीं चलेगा जाति-धर्म का भेदभाव, मिड-डे मील को लेकर शिक्षा विभाग का सख्त फरमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने पीएम पोषण योजना के तहत स्कूलों में धर्म, जाति, पंथ और लिंग के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव पर सख्त रोक लगा दी है। सभी बच्चों को रोल नंबर के आधार पर एक साथ भोजन कराने और शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने देश की महत्वाकांक्षी पीएम पोषण (पूर्व में मिड-डे मील) योजना के क्रियान्वयन में समानता और भाईचारे के सिद्धांतों को सर्वोपरि रखने के लिए एक कड़ा कदम उठाया है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी स्कूली बच्चे के साथ धर्म, जाति, पंथ या लिंग के आधार पर कोई भी भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला उपनिदेशकों और खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी स्कूलों में बच्चों के साथ समान व्यवहार हो और किसी भी प्रकार का अलगाव न पनपे।

भेदभाव की शिकायतों पर लगामः निदेशालय द्वारा जारी किए गए आदेशों में

इस बात पर जोर दिया गया है कि समय-समय पर मिड-डे मील वितरण के दौरान भेदभाव की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं को रोकने और योजना के मूल उद्देश्य को साकार करने के लिए, सभी स्कूलों को यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि पीएम पोषण योजना को सामाजिक समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में देखा जाए। भोजन वितरण के दौरान, सभी बच्चों को रोल नंबर के आधार पर एक साथ बैठकर भोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, बजाय इसके कि उन्हें उनकी जाति, धर्म या अन्य व्यक्तिगत पहचान के आधार पर अलग-अलग बैठाया जाए।

कड़े अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनीः शिक्षा विभाग ने इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न करने का संकेत दिया है। विभाग ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी या इस योजना से संबंधित कोई भी व्यक्ति इस तरह के भेदभावपूर्ण व्यवहार में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कदम योजना के पारदर्शी और निष्पक्ष कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और इस संबंध में अपनी मासिक रिपोर्ट निदेशालय को भेजें। इसके अतिरिक्त, नागरिकों को अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज कराने के लिए एक सुलभ तंत्र भी स्थापित किया गया है। निदेशालय के टोल-फ्री नंबर 1800-180-8007 को स्कूल परिसरों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने तथा स्कूल प्रबंधन समितियों और आम जनता के बीच इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस नंबर पर किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संपर्क कर शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं।

आंध्र में रोजाना 10,000 ड्रोन उड़ानें संचालित करने का लक्ष्य

आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन ने की बड़ी डील

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन ने अमरावती राजधानी क्षेत्र में ड्रोन डिलीवरी नेटवर्क विकसित करने के लिए एयरबाउंड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. दिल्ली में गुरुवार को आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन की एमडी गीतांजलि शर्मा और एयरबाउंड के फाउंडर नमन पुष्प ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किए. एयरबाउंड, अमरावती, विजयवाड़ा और गुंटूर को जोड़ने वाले ड्रोन ऑपरेशन शुरू करने के लिए लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स और हेल्थकेयर सेक्टर के पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करेगा.

आंध्र प्रदेश ड्रोन कॉर्पोरेशन अगले साल तक रोजाना 10,000 ड्रोन फ़्लाइट्स ऑपरेट करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है. इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि एक घरेलू कंपनी के साथ मिलकर वे एक बड़ा ड्रोन डिलीवरी नेटवर्क बनाना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश यह दिखाएगा कि कैसे यह पहल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे सकती है और नौकरियां पैदा कर सकती है. चेयरपर्सन गीतांजलि शर्मा ने कहा कि एयरबाउंड न केवल एक नया डिलीवरी मॉडल पेश करेगी, बल्कि एक नए लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम की नींव भी रखेगी. एयरबाउंड के फाउंडर और सीईओ नमन पुष्प ने कहा कि ड्रोन डिलीवरी माल ढुलाई के सिस्टम के स्वरूप को ही बदल रही है. उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य एक ऐसा नेटवर्क बनाना है जो 20-टन के ट्रक जितनी क्षमता वाले ड्रोन का इस्तेमाल करके एक जगह से दूसरी जगह पैकेज पहुंचा सके.

11 साल बाद सेशेल्स जाएंगे पीएम मोदी, 27 से 29 जून तक रहेंगे, अफ्रीका के छोटे देश से कैसे फेल होगा चीन का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत दोस्ती, समुद्री सहयोग और आपसी साझेदारी को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी की सेशेल्स की यह राजकीय यात्रा राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले वर्ष 2015 में सेशेल्स गए थे। इस बार सेशेल्स अपने राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में भारतीय रक्षा बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी हिस्सा लेंगे।

ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्णः यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ बैठक करेंगे। दोनों नेता भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे। भारत और सेशेल्स के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना

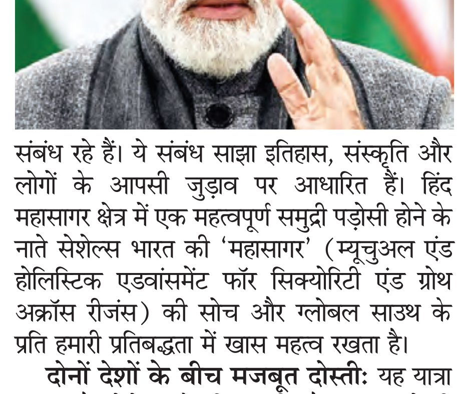

संबंध रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, संस्कृति और लोगों के आपसी जुड़ाव पर आधारित हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी होने के नाते सेशेल्स भारत की 'महासागर' (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजंस) की सोच और ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में खास महत्व रखता है।

दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्तीः यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच गहरी और मजबूत दोस्ती को और मजबूत करेगी। साथ ही दोनों देशों की हर क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाएगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी थीं।

नायडू-नीतीश के बिना भी एनडीए पास पूर्ण बहुमत, मोदी सरकार में बढ़ा शिंदे का रुतबा; बेटा बनेगा मंत्री?

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे जब सामने आए थे, तो भारतीय जनता पार्टी 240 सीटों पर सिमट गई थी। पूर्ण बहुमत के 272 के जादुई आंकड़े को छूने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सहयोगी दलों पर निर्भर होना पड़ा था। उस वक्त 16 सांसदों के साथ चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी और 12 सांसदों के साथ नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड 'किंगमेकर' बनकर उभरे थे। ऐसा माना जा रहा था कि तीसरी बार बनी मोदी सरकार की चाबी इन्हीं दोनों नेताओं के हाथ में है और इनके बिना एनडीए का बहुमत खतरे में पड़ सकता है। लेकिन, अब 2026 आते-आते सियासी समीकरण पूरी तरह से बदल चुके हैं। पश्चिम बंगाल और फिर महाराष्ट्र में एक ऐसा राजनीतिक भूचाल आया जिसने न सिर्फ मोदी सरकार को और मजबूत कर दिया है, बल्कि नायडू और नीतीश पर सरकार की निर्भरता को भी काफी हद तक कम कर दिया है।

महाराष्ट्रः 'ऑपरेशन टाइगर' से उद्धव गुट में बड़ी सेंधमारी

हाल ही में महाराष्ट्र की सियासत में 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत एक बड़ा उलटफेर हुआ है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) को तगड़ा झटका दिया है। उद्धव गुट के 6 लोकसभा सांसदों ने पाला बदलते हुए एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र सौंपकर इन सांसदों ने आधिकारिक तौर पर अपना गुट बदल लिया है।

शिंदे गुट में शामिल होने वाले 6 सांसदः-ओमप्रकाश

राजेनिंबालकर (धाराशिव), नागेश पाटिल आष्टीकर (हिंगोली), संजय हरिभाऊ जाधव (परभणी), संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी), संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम)।

इस बगावत के बाद लोकसभा में उद्धव गुट (यूबीटी) के पास अब मात्र 3 सांसद बचे हैं, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर सीधे 13 हो गई है। दल-बदल कानून से बचने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जिसे इन 6 सांसदों ने आसानी से पार कर लिया।

बंगाल में तो खेला ही हो गया, एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी बनी एनसीपीआई पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद टीएमसी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। लोकसभा में टीएमसी के 29 सांसदों में से 20 सांसदों ने ममता बनर्जी और महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व के खिलाफ खुला विद्रोह कर दिया है। इस बड़ी बगावत की अगुवाई बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तीदार और बीरभूम से सांसद शताब्दी रॉय जैसी कद्दावर नेता कर रही हैं। इन सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपकर आधिकारिक तौर पर एनडीए को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है।

दल-बदल कानून के तहत संसद सदस्यता रद्द होने के खतरे से बचने के लिए इन बागी सांसदों ने एक बेहद चालाक रणनीतिक कदम उठाया है। कानूनन दल-बदल से बचने के लिए दो-तिहाई सांसदों का एक साथ आना जरूरी था। इन सभी ने 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' नामक एक बेहद कम चर्चित और गैर-मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय पार्टी में अपने गुट का विलय कर लिया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

संकट के बीच बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त, सरकार के दावों का क्या हुआ?

एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं। पश्चिम एशिया में हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाने की वजह से देश में बढ़ती महंगाई के बीच अब इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखने लगा है। हालत यह है कि देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बीते मई में सुस्त पड़कर सात महीने के निचले स्तर 0.5 फीसद पर पहुंच गई। जबकि, अप्रैल में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 1.8 फीसद और पिछले वर्ष मई में 1.2 फीसद थी।सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, कोयला, कच्चा तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट के कारण इन उद्योगों की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। इससे स्पष्ट है कि ऊर्जा संकट उत्पादन में कमी का प्रमुख कारण है और अगर अमेरिका-ईरान के बीच समझौता वार्ता किन्हीं कारणों से पटरी से उतरती है या लंबी चलती है, तो आने वाले दिनों में उद्योगों की स्थिति और कमजोर हो सकती है।मगर, सवाल है कि सरकार के उन दावों का क्या हुआ, जिनमें कहा जा रहा था कि संभावित संकट का सामना करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाश लिए जाएंगे। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के बाधित रहने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है। भारत पर इसका ज्यादा असर इसलिए पड़ रहा है, क्योंकि यहां आयात पर निर्भरता अधिक है।ऊर्जा के वैश्विक संकट की वजह से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफे के बाद सरकार ने पिछले दिनों घरेलू रसोई गैस के दामों में भी 29 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी थी। यानी महंगाई की आंच अब आम लोगों की रसोई तक पहुंच गई है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।इस बीच बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सात महीने के निचले स्तर पर पहुंच जाने का मतलब है कि ऊर्जा संकट की वजह से उद्योगों के उत्पादन पर गहरा असर पड़ा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक की उत्पादन वृद्धि में बड़ी गिरावट आई है। इस्पात और सीमेंट के उत्पादन की वृद्धि दर मई में घटकर क्रमशः पांच फीसद और 8.4 फीसद रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7.4 फीसद और 9.7 फीसद थी।आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि मई में बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी 19 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से बुनियादी उद्योगों की समग्र वृद्धि को थोड़ा सहारा मिला है। यानी बिजली उत्पादन को अगर अलग कर दिया जाए, तो इन उद्योगों के उत्पादन में कुल गिरावट संकलित किए गए आंकड़ों से कहीं ज्यादा है।अगर मौजूदा स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो, इसका असर न केवल निर्यात के कारोबार पर पड़ेगा, बल्कि मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ने से देश में वस्तुओं के कीमतों में इजाफे से भी इनकार नहीं किया जा सकता। मगर, संकट की इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से कोई ठोस उपाय करने के प्रयास नजर नहीं आते हैं।इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं। मौजूदा संकट के लिए भले ही वैश्विक परिस्थितियां जिम्मेदार हों, लेकिन इसके समाधान के लिए सरकार द्वारा कारगर कदम उठाने के बजाय इसका बोझ जनता पर डाल देने को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी।

युद्धविराम से आगे- क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

(ललित गर्ग)

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके। इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी। इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है। दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है? भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए।

जीवन में सच्चे सम्मान के लिए वाणी को संयमित करना जरूरी, निंदा का स्वभाव दीमक की तरह

(समराज चौहान)

निंदा करने से मन में ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मकता बढ़ती है। इससे मानसिक शांति भंग होती है और बेवजह का तनाव उत्पन्न होता है। हमारे शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे हमारे संस्कार, विचार और व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करते हैं। आज के समय में मनुष्य के पास सुविधाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं, इसके बावजूद समाज में मानसिक अशांति, कटुता और रिश्तों में दूरियां बढ़ती जा रही हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि लोग अपने शब्दों की मर्यादा भूलते जा रहे हैं। बातचीत, जो कभी प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का माध्यम हुआ करती थी, आज दूसरों की आलोचना, उपहास और निंदा का साधन बनती जा रही है। किसी व्यक्ति की असफलता, गलती या निजी जीवन पर टिप्पणी करना अब लोगों के लिए सामान्य बात बन चुकी है। यही नहीं, कई बार किसी व्यक्ति की सफलता की सराहना करने के बजाय उसमें खामियां निकालने की कोशिश की जाती है। धीरे-धीरे यह प्रवृत्ति लोगों के व्यक्तित्व का हिस्सा बनती जा रही है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका जीवन समाज के बीच ही विकसित होता है। वह अपने विचारों और व्यवहार से ही लोगों के बीच सम्मान प्राप्त करता है। मगर जब उसकी वाणी में कटुता और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति आ जाती है, तब उसका प्रभाव केवल सामने वाले व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके अपने व्यक्तित्व पर भी पड़ता है। जो व्यक्ति हर समय दूसरों की कमियां खोजने में लगा रहता है, वह अनजाने में अपने भीतर की असुरक्षा और नकारात्मक सोच को प्रकट कर देता है। कुछ समय के लिए उसे यह लग सकता है कि वह दूसरों से बेहतर है, मगर धीरे-धीरे लोग उसके स्वभाव को समझने लगते हैं और उससे दूरी बनाने लगते हैं। निंदा का स्वभाव बिल्कुल उस दीमक की तरह होता है, जो बाहर से दिखाई नहीं देता, लेकिन भीतर ही भीतर मजबूत लकड़ी को खोखला करता रहता है। उसी प्रकार दूसरों की बुराई करने की आदत भी मनुष्य के चरित्र को अंदर से लगातार कमजोर करती रहती है। जो व्यक्ति दूसरों की गलतियों की चर्चा करता है, वह अक्सर यह भूल जाता है कि सुनने वाला व्यक्ति केवल उन बातों को नहीं सुन रहा होता, बल्कि उसके व्यक्तित्व का भी आकलन कर रहा होता है। लोग सामने से उसकी बातों में रुचि दिखा सकते हैं, लेकिन उनके मन में उसके प्रति सम्मान कम होने लगता है। समाज यह अच्छी तरह समझता है कि जो व्यक्ति आज किसी की बुराई कर रहा है, वह कल किसी और के बारे में भी वैसा ही बोल सकता है। दूसरों की बुराई करना एक ऐसा अवगुण है, जो निंदक के मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है। यह न केवल आपसी विश्वास को नष्ट करता है, बल्कि व्यक्ति के अपने व्यक्तित्व को भी कमजोर बनाता है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6134

2	9			7	4			
	1					4		
6	7		9		5			
	8		2		6			
	6		8	4	7		2	
			5		1		8	
			7		8		9	2
		6					1	
			4	1			5	8

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6133

1	8	5	7	4	9	2	3	6
7	9	4	2	6	3	8	5	1
3	6	2	8	1	5	7	4	9
9	4	7	1	3	8	5	6	2
5	2	1	9	7	6	3	8	4
8	3	6	5	2	4	1	9	7
6	1	3	4	5	2	9	7	8
2	5	8	6	9	7	4	1	3
4	7	9	3	8	1	6	2	5

आज का राशिफल

मेष
आर्थिक रूप से आज आपकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। साझेदारियों के माध्यम से धन के प्रवाह को सुधारने के कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं। जल्दबाजी में खरीदारी करने से बचें। आपका सटीक दृष्टिकोण संसाधनों को सही ढंग से संभालने में मदद करेगा।लंबी अवधि की योजनाओं और बचत के लक्ष्यों की समीक्षा करने के लिए भी आज का दिन बहुत अनुकूल है।

वृष
आज आप अपने बजट और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बिना सोचे-समझे किसी को भी धन उधार देने से आपको बचना चाहिए। बचत से जुड़े निर्णय आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आज अपनाया गया वित्तीय अनुशासन आपके भविष्य को और अधिक सुरक्षित बनाएगा। केवल आराम और दिखावे के लिए महंगी चीजें खरीदने से बचें।

मिथुन
आज आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल सकता है। आपको अपनी आय या अटके हुए भुगतानों से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जोखिम भरे निवेशों से अभी पूरी तरह दूर रहें। अपनी आर्थिक बुनियाद को मजबूत करने पर ध्यान दें।

तुला
आज पारिवारिक संपर्कों से लाभ और पेशेवर विकास के अवसर। आज आप अपने आर्थिक भविष्य को लेकर अधिक आश्वस्त महसूस कर सकते हैं। पारिवारिक संपर्कों के माध्यम से आय में सुधार के अवसर मिल सकते हैं। किसी भी तरह के अनावश्यक जोखिम से बचें। धीरज के साथ लिए गए।

वृश्चिक
आज आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। अचानक सामने आने वाले कुछ खर्चे आपका ध्यान खींच सकते हैं। बिना सोचे-समझे बड़े आर्थिक निर्णय लेने से बचें। आपका अनुशासित तरीका वित्तीय संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा। धन का बहुत अधिक विस्तार करने के बजाय अभी अपने पास मौजूद संसाधनों को सुरक्षित करने पर ध्यान दें।

धनु
आज आप आर्थिक प्राथमिकताओं को लेकर अधिक जागरूक रहेंगे। आप अपने बजट और योजनाओं की फिर से समीक्षा कर सकते हैं। जल्दबाजी में कोई भी बड़ा कदम न उठाएं। आपकी संतुलित सोच बेहतर परिणाम लेकर आएगी। किसी भरोसेमंद व्यक्ति के माध्यम से धन लाभ का कोई अवसर सामने आ सकता है। आगे बढ़ने से पहले सभी बातों को अच्छे से परख लें।

कर्क
आज सामूहिक गतिविधियों या नए लोगों से संपर्क बढ़ाने के माध्यम से आज आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है। आपके मित्र या पेशेवर साथी निवेश और आय के अवसरों से जुड़ी कुछ अच्छी सलाह दे सकते हैं। अपने निर्णयों में पूरी तरह सटीक बने रहें। लंबी अवधि के निवेश की योजनाओं पर आज विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह
आज धन लाभ के नए अवसर बना सकते हैं। अपने हुनर को आय के स्रोत में बदलने के तरीकों पर विचार करें। बहुत अधिक लाभ का अंदाजा लगाने से बचें और सतर्क बने रहें। कला या स्वतंत्र रूप से किए जाने वाले कार्यों से आय में सुधार देखने को मिल सकता है। तुरंत लाभ खोजने के बजाय स्थायी विकास पर ध्यान लगाएं।

कन्या
आज आपके संयुक्त धन, लोन और साझा संसाधनों से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। किसी भी तरह का अनावश्यक आर्थिक जोखिम लेने से बचें। आपकी अच्छी प्लानिंग आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी। रुके हुए वित्तीय मामले अब आगे बढ़ सकते हैं।

मकर
धन के मामलों में आज बहुत ही बारीक नजर रखने की आवश्यकता है। नए निवेशों में जल्दबाजी करने से पूरी तरह बचें। कोई भी वादा करने से पहले अच्छे से छानबीन कर लें। सुरक्षित तरीका अपनाना आज आपके लिए सबसे बेहतर रहेगा। कुछ छिपे हुए खर्चे सामने आ सकते हैं, जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत होगी। आज आप अपने ज्ञान और हुनर को और बढ़ाने के लिए प्रेरित महसूस कर सकते हैं।

कुंभ
आज साझेदारों और व्यापारिक सहयोगियों के साथ आज आर्थिक विषयों पर की गई बातचीत बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकती है। अपनी उम्मीदों को पूरी तरह वास्तविक रखें और आपसी लाभ पर ध्यान दें। संयुक्त रूप से किए जा रहे कार्यों में प्रगति के संकेत मिल सकते हैं। ऐसे वादे करने से बचें जिन्हें पूरा करना आपके लिए कठिन हो। आपकी सटीक योजनाएं आने वाले समय में आपको मजबूत आधार देंगी।

मीन
आज आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे और निरंतर सुधार होने के योग हैं। रोजमर्रा के धन प्रबंधन पर ध्यान दें और छोटे- मोटे खर्चों को भी नजरअंदाज न करें। आपकी सही योजनाएं आने वाले समय में अच्छे परिणाम लेकर आएंगी। अपनी नियमित सेवाओं और बार-बार होने वाले खर्चों की समीक्षा करना फायदेमंद रहेगा।

वर्ग पहेली 6134

1	2	3		4		5	6
7				8	9		
10			11				
		12				13	
14	15				16		
17			18	19		20	
		21				22	23
		24			25		

संकेतः बाएं से दाएं
1. 1618 को इस मुगल शासक ने जन्म लिया था जिन्हें आलमगीर भी कहते थे (5)
5. तिनके की जाति का एक लंबा, सीध और गिरहदार पौधा (2)
7. पुराणानुसार अयोध्या के सूर्यवंशी राजा जिनकी दूसरी रानी सुमति के गर्भ से 60000 पुत्र हुए थे (3)
8. यह मक्का शरीफ की तीर्थ यात्रा कहलाती है (2)
10. जिस वाद्य में तार लग हों (2)
11. रोगी, बीमार (3)
12. विशाल, बड़ा, वृहत (3)
13. बढ़ती का समय, अभ्युदय काल (2)
14. जिस पर कुछ अंकित न हो (2)
17. हृदय, अंतकरण (2)
18. पुराणानुसार भगवान शंकर का एक गण जिसने दक्ष के यज्ञ का विध्वंस किया था (4)
21. पिंडदान को यह भी कहा जाता है (3)
22. चरबी, फैट, मेदा (3)
24. यह म्यांमार देश का पुराना नाम है (2)
25. अरब का प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली की मजार है (3)

ऊपर से नीचे
1. बीच की संख्या, माध्य, बीच का (3)
2. रंग से युक्त होने का भाव, मजा (3)
3. रचेता, विष, जहर, व्यवसायी (2)
4. 33 छोटे-छोट द्वीप वाला एक अरब देश जिसकी राजधानी मनामा है (4)
6. अभिभावक, संरक्षक, संरक्षण देने वाला (5)
9. न्यायाधीश (2)
11. हिंदी की सर्वाधिक प्रतिभावान कवयित्री जिन्हें आधुनिक मीरा के नाम से जाना जाता है (6)
14. यह तीसरा वेद है जिससे संगीत शास्त्र का आरंभ होता है (4)
15. स्वेच्छा से दिया हुआ धन, द्रव्यादि (2)
16. पंच तत्वों में से एक, आकाश, गगन (2)
19. क्रिकेट के बल्लेबाजों का मापदंड (2)
20. गोंद, वृक्ष निर्यात, श्लेषी (3)
21. समस्त, कुल, एक प्रसिद्ध टीवी चैनल (2)
23. स्वच्द, निर्मल (2)

वर्ग पहेली 6133 का हल

ज	वा	ह	र	ला	ल		स
ग	ग	क		य	क	स	र
दं		त	ला	क		फ	ल
बा	द	ल			भ	र	ता
	स	फी	ना		ला	ना	
रा	ह		च	क्षु		मा	शा
	री	झ	ना		व्यो		गि
		ट		ह	म	द	र्द

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

वैभव सूर्यवंशी के तूफान से पहले जुरेल का धमाका

श्रीलंका के खिलाफ ठोका जबरदस्त शतक, कप्तान बनकर हुए हिट

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ए के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में इंडिया ए के कप्तान ध्रुव जुरेल ने मोर्चे से टीम की अगुवाई करते हुए एक बेहतरीन शतकीय पारी खेली है। यह उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का कुल छठा शतक है। मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन के दौरान जुरेल ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए अपनी पारी को शतक में बदला। उनसे पहले ओपनिंग बल्लेबाज

साई सुदर्शन ने भी 132 रनों की शतकीय पारी खेली थी। इन दो दमदार शतकों के दम पर भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 400 से अधिक रनों का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया है। भारतीय टीम ने जब 181 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट गंवाया था, तब कप्तान ध्रुव जुरेल क्रीज पर उतरे। उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आए शेख राशीद के साथ मिलकर टीम को संभाला और चौथे विकेट के लिए 136 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। राशीद 113 गेंदों का सामना करते हुए 63 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर आउट हुए लेकिन जुरेल ने एक छोर थामे रखा और अपनी क्लास दिखाते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों की हर रणनीति को नाकाम कर दिया।

शानदार चल रहा है फर्स्ट क्लास करियर– उत्तर प्रदेश की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ध्रुव जुरेल का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। साल 2022 में रणजी ट्रॉफी से अपने फर्स्ट क्लास करियर की शुरुआत करने वाले जुरेल ने अब तक खेले 35 मैचों की 52 पारियों में लगभग 50 से अधिक की शानदार औसत के साथ 2400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इस प्रारूप में अब उनके नाम 6 शतक और 14 अर्धशतक दर्ज हो चुके हैं।

2024 में किया था टेस्ट डेब्यू– घरेलू स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत जुरेल ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में अपना डेब्यू किया था।

जर्मनी पर इक्वाडोर की ऐतिहासिक जीत

नॉकआउट में जापान और स्वीडन

ईस्ट रदरफोर्ड (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इक्वाडोर का अपना वर्ल्ड कप कैंपेन जारी है. जानकारी के मुताबिक गोंजालो प्लाटा के विजयी गोल ने गुरुवार को जर्मनी पर 2-1 से यादगार जीत हासिल की और उन्हें अंतिम 32 में पहुंचा दिया। ग्रुप ई के मैच में दो मिनट से भी कम समय में लेरॉय साने ने विवादित तरीके से जर्मनी को बढ़त दिला दी, लेकिन सुंदरलैंड के विंगर निल्सन एंगुलो के शानदार गोल से इक्वाडोर ने वापसी की। इसके बाद प्लाटा ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले करीब से गोल किया। ऐसा होते ही न्यू जर्सी में इक्वाडोर की भीड़ के बीच जबरदस्त जश्न मनाया गया. दक्षिण अमेरिकियों ने सुनिश्चित किया कि वे आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में से एक के रूप में आगे बढ़ेंगे।

जर्मनी सोमवार को तीसरे नंबर पर रहने वाली एक और टीम के खिलाफ अपने लास्ट-32 मुकाबले के लिए फॉक्सबोरो जाएगा, जो 2014 में ट्रॉफी उठाने के बाद उनका पहला वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच होगा. इस जीत के बाद कप्तान जोशुआ किमिच ने कहा कि उनकी टीम को नॉकआउट राउंड में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा. किमिच ने आगे कहा कि हम अपनी विरोधी टीम को गेम में वापसी का मौका देते हैं, और इससे वे और मजबूत होते हैं।

अच्छी बात ये है कि अभी तक कुछ नहीं हुआ है, लेकिन हम एक और हार नहीं झेल सकते. हम हर गेम में एक या दो गोल नहीं खा सकते. हमें बॉल कम से कम देनी होगी, तभी हम किसी को भी हरा सकते हैं. जूलियन नेगल्समैन ने चोट की वजह से दो बदलाव किए, जिसमें एंटोनियो रुडिगर को निको श्लोटरबेक की जगह शामिल किया गया, क्योंकि बोरूसिया डॉर्टमुंड के डिफेंडर एंकल लिगामेंट में चोट के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे।

डेविड राउम लेफ्ट-बैक पर नैथेनियल ब्राउन की जगह आए, लेकिन नैगल्समैन ने डेनिज उन्दाव को शुरू करने का लालच रोक दिया, भले ही उन्होंने आइवरी कोस्ट के खिलाफ बेंच से शानदार प्रदर्शन किया था, जब उन्होंने 2-1 की जीत में दोनों गोल किए थे. ग्रुप में टॉप पर जगह पक्की कर चुकी जर्मनी ने इस तरह बढ़त बना ली कि इक्वाडोर की टीम गुस्सा हो गई, जो अपने पहले दो गेम में सिर्फ एक पॉइंट लेकर टूर्नामेंट में बने रहने के लिए लड़ रही थी। साने ने फ्लोरियन विर्ट्ज के ले-

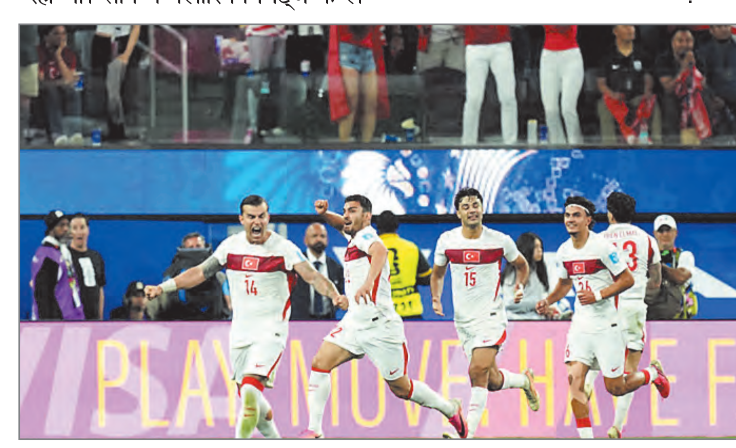

ऑफ से एरिया में पहली बार शॉट मारा, लेकिन इक्वाडोर इस बात से नाराज था कि मूव में पहले फाउल क्यों नहीं दिया गया, जब एलेक्जेंडर पावलोविच ने पेड्रो विटे के सिर पर हाई बूट मारा था.

नीदरलैंड्स और यूएसए टॉप पर ऑस्ट्रेलिया राउंड ऑफ 32 में पहुंचा

सैंटा क्लारा (कैलिफोर्निया) (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड 2026 का रोमांच अपने चरम पर है. फुटबॉल प्रेमियों को हर दिन नए-नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं. इसी सिलसिले में आज 26 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्त्र के मुकाबलों में नीदरलैंड्स टेबल टॉपर के तौर पर नॉकआउट स्टेज में पहुंच गया है, जबकि जापान और स्वीडन ने एक हाई-प्रेशर मैच में 1-1 से ड्रॉ किया, जिससे दोनों टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंच गईं।

बता दें, ग्रुप डी की टीमों के मैच भी पूरे हो गए, जिसमें यूएसए और ऑस्ट्रेलिया ने क्वालीफाई किया है. जापान ने राउंड ऑफ 32 में ब्राजील के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला तय किया है।

नीदरलैंड्स ग्रुप एफ में टॉप पर, जापान और स्वीडन नॉकआउट में आगे बढ़े

नीदरलैंड्स ने गुरुवार को बारिश से प्रभावित मैच में ट्यूनीशिया पर 3-1 से आसान जीत दर्ज की और राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ने के लिए तैयार है. ब्रायन ब्रॉबी और जान पॉल वैन हेके ने एक-एक गोल किया, जबकि एलीस स्कीरी ने एक गोल किया. ट्यूनीशिया के लिए हेजम मस्तूरी ने एक गोल किया।

वहीं, दूसरी तरफ, जापान ने स्वीडन के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और दोनों टीमों ने नॉकआउट में जगह पक्की कर ली. जापान के लिए डाइजेन माएडा ने एक गोल किया, जबकि स्वीडन के लिए एंथनी एलंगा ने एक गोल किया. जापान लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ रहा है और 2002 में को-होस्ट के तौर पर राउंड ऑफ 16 में पहुंचने के बाद से सात कोशिशों में पांचवीं बार ऐसा हुआ है. खास बात यह है कि इतिहास में यह पहली बार है जब जापान किसी एक वर्ल्ड कप एडिशन के ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट में

ग्रुप स्टेज के पहले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद यूएसए को बड़ा झटका लगा, क्योंकि उसे तुर्की के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. इस रोमांचक मुकाबले में तुर्की के लिए अर्दा गुलर (10), ओरकुन कोकचू (31) और कान अयहान (90+8) ने गोल किए, जबकि यूएसए के लिए ऑस्टन ट्रस्टी (3) और सेबेस्टियन बेरहाल्टर (49) ने गोल किए।

डिफेंडर ऑस्टन ट्रस्टी के गोल के साथ, यह मौजूदा एडिशन सबसे ज्यादा गोल करने वाला टूर्नामेंट बन गया, जिसने कतर में 2022 एडिशन में बनाए गए 172 गोल के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया. सेबेस्टियन बरहाल्टर एक ही वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी भी बने. अर्दा गुलर सिर्फ 21 साल और 120 दिन की उम्र में वर्ल्ड कप में तुर्की के लिए गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

सेरेना के सामने विम्बलडन के शुरुआती दौर में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट की चुनौती

लंदन (एजेंसी)। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी। सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नये चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था। पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य

हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

मुहर्रम पर लक्ष्मी पूजा समिति ने बांटा शीतल पेयजल व लड्डू

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। मुहर्रम पर्व के अवसर पर रफीगंज प्रखंड के कासमा थाना के समीप पंजाब नेशनल बैंक के सामने श्री लक्ष्मी पूजा समिति की ओर से शीतल पेयजल एवं लड्डू वितरण का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य को क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और मानवता की मिसाल के रूप में सराहा गया। समिति के अध्यक्ष शशि यादव ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने लोगों से समाज में प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। युवा समाजसेवी सुजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि समिति सभी धर्मों और समुदायों का समान सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि मुहर्रम के अवसर पर शीतल पेयजल और मिठाइयों का वितरण मानवता, आपसी प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश देने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर मोहम्मद ग्यास साहब, रंजीत सिंह, गोपाल यादव, मंटू प्रजापति, अभिषेक गुप्ता, दानिश आलम, अंकुश कुमार, टन्नू आलम, प्रभात यादव, जगन, विकास सिंह, मुन्ना बाबा, विकास मालाकार, गोरा मांझी, रौशन, सोनू पाठक, दीपक यादव, रोहित टेंट, चंदन, नीतीश, पिंटू, चंदन गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में 'मानव सेवा ही सच्ची सेवा है' का संदेश दिया।

शांतिपूर्ण माहौल में निकला मुहर्रम का जुलूस

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज प्रखंड के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को मुहर्रम के अवसर पर ताजिया परिभ्रमण एवं अखाड़ों का जुलूस शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निकाला गया। विभिन्न अखाड़ों के खलीफाओं के नेतृत्व में निकले जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस दौरान अखाड़ों के युवाओं ने पारंपरिक खेल एवं हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शहर के विभिन्न मोहल्लों से ताजिया जुलूस निर्धारित मार्गों से होते हुए थाना परिसर पहुंचा। महाराजगंज अखाड़े का नेतृत्व मोहम्मद सैफ एवं मोहम्मद शाहनवाज, राजा बागीचा अखाड़े का नेतृत्व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि माहिद खां, महावीरगंज का नेतृत्व मोहम्मद एहसान, खैरा का नेतृत्व मोहम्मद जावेद खान तथा किया खाप का नेतृत्व मरगुबुल हसन ने किया। सभी अखाड़ों ने अपने-अपने अंदाज में पारंपरिक खेल और करतब प्रस्तुत किए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मुहर्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला। काजीचक, अमरपुरा, नीमा वाजिद, दरमियां, औरवां, चन्द्रहटा, केराप, हाजीपुर, , तेंदुआ, हाजीपुर गोला और रुकुमचक सहित कई गांवों के अखाड़ों ने अपने-अपने खलीफाओं के नेतृत्व में जुलूस निकाला।

खेत जाने के दौरान 11 हजार वोल्ट तार ने ली जान

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

जिले के रफीगंज प्रखंड के जाखीम पड़रिया गांव में शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसे में एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश महतो (50 वर्ष) के रूप में हुई है। वे रोज की तरह सुबह अपने खेत की फसल देखने के लिए घर से लगभग 700 मीटर दूर बधार जा रहे थे। इसी दौरान पहले से टूटकर जमीन पर पड़े 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आ गए। तेज करंट लगने से वे मौके पर ही गंभीर रूप से झुलसकर गिर पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही एसआई कौशलेंद्र कुमार सिंह, एसआई सुधांशु कुमार, एसआई शमा परवीन समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। राजेश महतो खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी केसरी देवी, पुत्र कृष्ण कुमार तथा दो पुत्रियां रिंकी देवी और सविता कुमारी हैं। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की असामयिक मौत से घर में मातम पसरा हुआ है। गांव के लोग शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

मुआवजा और कार्रवाई की उठी मांग

घटना के बाद जदयू नेता सुनील कुमार वर्मा, मुखिया विनय प्रसाद उर्फ मिट्टू, राजद नेता रणविजय यादव, डॉ. विकास यादव, रामस्वरूप यादव, श्रवण यादव सहित कई जनप्रतिनिधियों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने जिला प्रशासन से मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा, सरकारी सहायता उपलब्ध कराने तथा टूटे हुए हाईटेंशन तार की समय पर मरम्मत नहीं कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर से चालक समेत दो घायल

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तीताई बिगहा के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार ई-रिक्शा और बाइक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान अकौना निवासी कौशिक कुमार तथा रिसियप थाना क्षेत्र के दुधार गांव निवासी अनुज कुमार के रूप में हुई है। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि कौशिक कुमार सवारी लेकर अंबा गए थे और सवारी छोड़कर ई-रिक्शा से वापस लौट रहे थे। वहीं अनुज कुमार किसी आवश्यक कार्य से औरंगाबाद शहर आए थे और घर लौटने के दौरान तीताई बिगहा के पास उनकी बाइक की ई-रिक्शा से जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और काफी देर तक बेहोशी की हालत में पड़े रहे। बेहोशी के कारण प्रारंभ में उनकी पहचान नहीं हो सकी। बाद में परिजनों के पहुंचने पर दोनों की पहचान हुई। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों घायलों को तत्काल सदर अस्पताल भेजा गया। दुर्घटनाग्रस्त ई-रिक्शा और बाइक को जब्त कर लिया गया है तथा मामले की जांच करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जर्जर हाईटेंशन तार की चपेट में आने से साला-बहनोई समेत चार लोग झुलसे

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के गोह थाना क्षेत्र के निजामपुर गांव में शुक्रवार सुबह 11 हजार वोल्ट के जर्जर हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से साला-बहनोई समेत चार लोग झुलस गए। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से तत्काल गोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है। जानकारी के अनुसार गया जिले के कोच थाना क्षेत्र के निघई गांव निवासी बच्चू यादव अपने ससुराल निजामपुर आए हुए थे। शुक्रवार सुबह वह अपने साले विरेंद्र यादव के साथ शौच के लिए गांव के बाहर गए थे। इसी दौरान पहले से जर्जर होकर नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में विरेंद्र यादव आ गए और करंट लगने से जमीन पर गिर पड़े। उन्हें बचाने के लिए दौड़े बहनोई बच्चू यादव भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों को गिरा देख विरेंद्र यादव का पुत्र रंजीत कुमार उन्हें बचाने पहुंचा, लेकिन वह भी हाईवोल्टेज तार की चपेट में आकर झुलस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक अन्य ग्रामीण भी इस हादसे में घायल हुआ है। इसी बीच हल्की बारिश के कारण बिजली लाइन ट्रिप हो गई, जिससे बिजली आपूर्ति बंद हो गई और एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिजली लाइन ट्रिप नहीं होती तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के बाहर खेत की ओर जाने वाले रास्ते पर 11 हजार वोल्ट का बिजली तार लंबे समय से महज करीब पांच फीट की ऊंचाई पर लटका हुआ था। जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव डॉ. अनुज कुमार ने बताया कि इसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से की गई, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना है कि गांव में जर्जर बिजली तारों के कारण पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने पीड़ितों को उचित मुआवजा देने, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा गांव के सभी जर्जर बिजली तारों को तत्काल बदलने की मांग की है।

शॉर्ट सर्किट से कबाड़ की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों की सामग्री राख

- दमकल के विलंब से पहुंचने पर फूटा लोगों का गुस्सा, रिहायशी इलाकों में संचालित कबाड़ दुकानों पर उठे सवाल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के बाईपास मार्ग स्थित एक कबाड़ की दुकान में शुक्रवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठते ही आसपास के रिहायशी इलाके के लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान के संचालक रिंकू कुरैशी ने बताया कि आग लगने से दुकान में रखा कबाड़ और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। इस घटना में लगभग एक लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की सूचना देने के बावजूद अग्निशमन विभाग की छोटी दमकल गाड़ी लगभग 30 मिनट बाद मौके पर पहुंची, जबकि दो बड़ी दमकल गाड़ियां करीब 50 मिनट बाद पहुंचीं। इसके बाद दमकल कर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यदि दमकल वाहन समय पर नहीं पहुंचते और आग पर शीघ्र नियंत्रण नहीं होता, तो आसपास के रिहायशी मकान भी इसकी चपेट में आ सकते थे और बड़ा हादसा हो सकता था। समय रहते आग पर काबू पा लेने से जनहानि और व्यापक नुकसान टल गया।

घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संचालित कबाड़ की दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि बाईपास मार्ग ही नहीं, बल्कि टिकरी रोड समेत शहर के कई रिहायशी इलाकों में भी बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के कबाड़ का कारोबार संचालित हो रहा है, जहां बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री का भंडारण किया जाता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से शहर में संचालित सभी कबाड़ दुकानों की जांच कराने, अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों से ऐसे जोखिमपूर्ण कारोबार को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस घटना को चेतावनी के रूप में लेते हुए प्रशासन को शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी बड़े अग्निकांड या जनहानि की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल प्रशासन और संबंधित विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटे हैं।

मुहर्रम को लेकर डीएम-एसपी ने किया फ्लैग मार्च

- संवेदनशील क्षेत्रों का लिया जायजा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुहर्रम पर्व-2026 के अवसर पर जिले में शांति, सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने संयुक्त रूप से औरंगाबाद शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान डीएम और एसपी ने प्रमुख चौक-चौराहों, ताजिया जुलूस मार्गों तथा संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था पूरी तरह बनाए रखी जा सके। जिला प्रशासन ने मुहर्रम को लेकर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की है।

साथ ही सभी प्रमुख गतिविधियों और संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने जिलेवासियों से मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने का आग्रह किया। पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

शांतिपूर्ण माहौल में निकला मुहर्रम का ताजिया जुलूस

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

ओबरा प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम पर्व श्रद्धा, आस्था और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। ताजिया को करबला ले जाने से पूर्व विभिन्न गांवों में गोल ताजिया के साथ पारंपरिक परिभ्रमण किया गया। विभिन्न अखाड़ों एवं ताजिया समितियों के खलीफाओं के नेतृत्व में जुलूस निर्धारित मार्गों से शांतिपूर्वक निकाला गया। प्रखंड मुख्यालय ओबरा के अलावा बभनडीहा, कारा, मनोरा, बारा, ऊब, भरुब, झुकुलाही, हरिना सहित कई गांवों में मुहर्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल युवाओं ने अनुशासन के साथ जुलूस में भाग लिया। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने ताजिया जुलूस का स्वागत करते हुए भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का परिचय दिया। गांवों के परिभ्रमण के दौरान ताजिया जुलूस में शामिल लोगों ने शांति, एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। परिभ्रमण के उपरांत सभी ताजियों को पुनः अपने-अपने चौक पर स्थापित किया गया। इसके बाद निर्धारित समय पर सभी ताजियों को करबला ले जाकर धार्मिक परंपरा के अनुसार सुपुर्द-ए-खाक (विसर्जन) किया गया।

मुहर्रम पर्व को लेकर ओबरा थाना प्रभारी नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई तथा लगातार गश्ती कर विधि-व्यवस्था पर नजर रखी गई।

आशा बहाली में रिश्वत लेने के आरोप में बीसीएम निलंबित, जिलाधिकारी ने कार्रवाई के दिए निर्देश

- वायरल वीडियो और तकनीकी साक्ष्यों की जांच में रिश्वतखोरी के आरोप सही पाए गए, डीएम ने तत्काल प्रभाव से किया निलंबित
- तीन सदस्यीय जांच दल की रिपोर्ट और जिला स्वास्थ्य समिति की अनुशंसा पर हुई कार्रवाई
- सिविल सर्जन को विभागीय जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया तेज करने का निर्देश

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में आशा कार्यकर्ताओं की बहाली के दौरान रिश्वतखोरी के आरोपों में बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने बीसीएम कुसुम कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वायरल वीडियो और तकनीकी साक्ष्यों की जांच में पैसों के अवैध लेन-देन के आरोप सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, आशा कार्यकर्ताओं की बहाली में बड़े पैमाने पर पैसे के लेन-देन की शिकायत सामने आने के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया। जांच टीम ने वायरल वीडियो, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य तथ्यों का गहन परीक्षण किया, जिसमें शिकायतकर्ता और बीसीएम कुसुम कुमारी के बीच अवैध लेन-देन के आरोप सही पाए गए।

जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी। इसके बाद जिला स्वास्थ्य समिति से मंतव्य लिया गया। जिला स्वास्थ्य समिति ने भी मामले में भ्रष्टाचार के पर्याप्त साक्ष्य मिलने के आधार पर बीसीएम के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की। जांच रिपोर्ट, जिला स्वास्थ्य समिति की अनुशंसा तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के प्रावधानों के आधार पर जिलाधिकारी ने कुसुम कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय सदर अस्पताल, औरंगाबाद निर्धारित किया गया है। साथ ही सिविल सर्जन को पूरे मामले में विभागीय जांच और अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने स्पष्ट कहा कि सरकारी योजनाओं, नियुक्तियों और प्रशासनिक कार्यों में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार, घूसखोरी या अनियमितता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पारदर्शिता के साथ कार्य करने की हिदायत देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। बीसीएम के निलंबन के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। वहीं, स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त संदेश बताया है।

11 व 12 जुलाई को चैनपुर में होगा दो दिवसीय मातृ-पितृ वंदन एवं भिखारी ठाकुर महोत्सव

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

जनेश्वर विकास केंद्र एवं महोत्सव परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 11 एवं 12 जुलाई को ग्राम देव चैनपुर में आयोजित होने वाले दो दिवसीय 'मातृ-पितृ वंदन महोत्सव' एवं 'भिखारी ठाकुर महोत्सव' की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित अधिवक्ता संघ भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष रामजी सिंह ने की, जबकि संचालन महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने किया। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को भोजपुरी लोक संस्कृति के जनक भिखारी ठाकुर की पुण्यतिथि के अवसर पर भिखारी ठाकुर महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य उनकी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना तथा लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि भिखारी ठाकुर ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को नई दिशा दी और भोजपुरी भाषा, संस्कृति तथा लोककला को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। आज आवश्यकता है कि कलाकार उनकी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोक संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लें। उन्होंने बताया कि 12 जुलाई को आयोजित होने वाला मातृ-पितृ वंदन महोत्सव समाज में पारिवारिक मूल्यों एवं संस्कारों को सशक्त बनाने की दिशा में एक अनूठी पहल है। इस महोत्सव में अपने माता-पिता की सेवा करने वाले पुत्र-पुत्रियों, सास-ससुर की सेवा करने वाली बहुओं तथा सास-ससुर का सम्मान एवं सेवा करने वाले दामादों को 'श्रवण कुमार सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

आद्रा के पावन अवसर पर अष्टभुजी धाम में होगी महाआरती, महाप्रसाद का होगा वितरण

- 28 जून को विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक आयोजन, श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील

निज संवाददाता | बारुण (औरंगाबाद)

आद्रा नक्षत्र के पावन अवसर पर बारुण प्रखंड के पिपरा स्थित प्रसिद्ध अष्टभुजी धाम में रविवार, 28 जून को संज्ञा समिति, जिला इकाई औरंगाबाद के तत्वावधान में भव्य महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मां अष्टभुजी की विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना के साथ होगी। इसके उपरांत श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। महाआरती के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

आयोजन समिति के अनुसार आद्रा नक्षत्र के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अष्टभुजी धाम पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि सभी श्रद्धालु सुगमता से धार्मिक अनुष्ठान में भाग ले सकें। संज्ञा समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में अष्टभुजी धाम पहुंचकर मां अष्टभुजी की महाआरती में शामिल होने, पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने तथा महाप्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

मौलाबाग में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान 24 घंटे में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी

- बालिका इंटर स्कूल के पास जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण, सड़क किनारे खड़ी गुमटी, फूड वैन व ठेलों पर कार्रवाई

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के उद्देश्य से नगर परिषद ने शुक्रवार को मौलाबाग इलाके में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। जेसीबी मशीन एवं सफाई कर्मियों की टीम ने सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया और अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने की सख्त चेतावनी दी।

नगर परिषद की यह कार्रवाई मुख्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए की गई। अभियान के दौरान विशेष रूप से बालिका इंटर स्कूल के समीप सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया कि कई दुकानदारों ने बांस-बल्ला गाड़कर एवं अस्थायी ढांचे बनाकर सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि पर कब्जा कर रखा था। इसके अलावा सड़क किनारे फूड वैन, गुमटी, ठेला एवं अन्य अस्थायी दुकानें संचालित होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही थी। विशेषकर मौलाबाग गर्ल्स हाई स्कूल के आसपास अतिक्रमण के कारण छात्राओं एवं अभिभावकों को विद्यालय आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

अभियान के दौरान सड़क किनारे खड़े बड़े वाहनों को भी चिन्हित किया गया। फूड वैन संचालकों, गुमटी मालिकों एवं बड़े वाहन स्वामियों को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर अतिक्रमण और वाहन हटाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ऋषिकेश अवस्थी, टाउन स्वच्छता पदाधिकारी अमन कुमार तथा अमीन अर्जुन कुमार मौजूद रहे।

कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों, विद्यालयों, सरकारी संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों के आसपास किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के बाद भी अतिक्रमण पाए जाने पर और भी बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की मनाई गई 76वीं पुण्यतिथि

ओबरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। ओबरा प्रखंड मुख्यालय स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिंह स्मृति भवन में शुक्रवार को महान किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की 76वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। श्रीकृष्ण सिंह स्मृति मंच के तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किसानों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और शोषण के विरुद्ध उनके आजीवन संघर्ष को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने किसानों को संगठित कर उनके अधिकारों की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उनका जीवन किसानों के आत्मसम्मान, सामाजिक समानता और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक रहा। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। श्रीकृष्ण सिंह स्मृति मंच के अध्यक्ष विवेश पाण्डेय ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती का संपूर्ण जीवन किसानों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित रहा। वहीं मंच के उपाध्यक्ष संजय कुमार ने उनके आदर्शों को अपनाकर समाज और किसानों के हित में कार्य करने का आह्वान किया।